मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	27.9	17.0
जमशेदपुर	26.4	18.2
डालटनगंज	27.0	14.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in ● सोमवार 26 फरवरी 2024 ● फाल्गुन कृष्णपक्ष 02 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 1, अंक : 309 ● आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

सर्राफा

सोना (बिक्री)	58,600
चांदी (किलो)	74,000

ब्रीफ खबरें

मोदी ने कांग्रेस को परिवारवाद पर घेरा

द्वारका। देवभूमि द्वारका में पीएम नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर कहा कि उसकी सारी ऊर्जा एक परिवार की प्रगति करने में खर्च की गयी. कांग्रेस शासन में हर तरह के घोटाले होते थे और मेरी सरकार ने 10 साल में इस पर रोक लगा दी है. जिन्होंने लंबे समय तक देश पर शासन किया, उनमें आम जनता को सुविधाएं मुहैया कराने की इच्छा शक्ति, इरादा और समर्पण नहीं था.

पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, 7 की मौत

कौशांबी/लखनऊ। कौशांबी जिले के कोखराज क्षेत्र में रविवार को एक पटाखा फैक्टरी में अज्ञात कारण से विस्फोट हो जाने से सात लोगों की मौत हो गई तथा इतने ही अन्य घायल हो गए. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

कैमूर में सड़क हादसा नौ लोगों की मौत

कैमूर। बिहार के कैमूर में रविवार देर शाम भीषण सड़क हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई. वहीं कुछ लोग घायल हो गए. बताया जाता है कि एक अनियंत्रित स्कॉर्पियो कार ने पहले बाइक में टक्कर मारी और फिर खड़े कंटेनर में जा घुसी. हादसे में कार सवार आठ और एक बाइक सवार की मौत हुई है.

सौगात : 24 532 लाभुकों को आवास का मिला स्वीकृति पत्र

वीरों की शहादत न भूले हैं, न कभी भूलेंगे: सीएम

शुभम संदेश टीम। रांची/बरहेट

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा है कि हम अपने वीरों की शहादत न कभी भूले हैं और न कभी भूलेंगे. इनका बलिदान व्यर्थ नहीं होंगे देंगे. झारखंड का नवनिर्माण इस तरह करेंगे, जहां हर व्यक्ति को आगे बढ़ने का मौका होगा. वे रविवार को बरहेट के भोगनाडीह में आयोजित अबुआ आवास योजना के स्वीकृति पत्र वितरण समारोह में बोल रहे थे. मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर साहिबगंज, पाकुड़ और गोड्डा जिला के 24 हजार 5 सौ 32 परिवार को आवास का स्वीकृति पत्र प्रदान किया. जिसमें साहिबगंज के 7911, पाकुड़ के 6649 और गोड्डा जिला के 9972 लाभार्थी हैं. इन सभी के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से पहले किश्त के रूप में 73 करोड़ 59 लाख 60 हजार रुपए की राशि का मुख्यमंत्री ने हस्तांतरण किया.

हमारी योजनाओं से हो रहा सकारात्मक बदलाव : सीएम ने कहा कि सरकार की जो भी योजनाएं और नीतियां है, उसका सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है. आज कोई भी बुजुर्ग, दिव्यांग और विधवा पेंशन से वंचित नहीं है. मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना से शहर और गांव के बीच की कनेक्टिविटी मजबूत हो रही है. फूलो-झानो आशीर्वाद योजना से महिलाओं को सम्मानजनक आजीविका से जोड़ा जा रहा है. 20 लाख हरा राशन कार्ड धारी को मुफ्त अनाज दे रहे हैं. 15 हज़ार किलोमीटर ग्रामीण सड़क बनाने का काम तेज गति से चल रहा है.

जिस घर में शिक्षा का दीया जलेगा, वह कभी अंधेरे में नहीं रहेगा

बरहेट में आयोजित अबुआ आवास योजना कार्यक्रम में सीएम चंपाई सोरेन लाभुकों को स्वीकृति पत्र प्रदान करते हुए.

हेमंत ने राज्य को नई दिशा देने का किया काम

सीएम ने कहा कि हेमंत सोरेन ने अपने कुशल नेतृत्व से राज्य को नई दिशा देने का काम शुरू किया. इस दौरान कोरोना जैसी वैश्विक महामारी का भी सामना करना पड़ा. उन्होंने बेहतर प्रबंधन के जरिए जीवन और जीविका को बचाने का काम किया. इस वैश्विक महामारी से जब राहत मिली तो उन्होंने विकास को गति देनी शुरू की. समाज में बदलाव के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की गई. आज हम अपने इस पूर्व मुख्यमंत्री की राह पर चलकर उन्हीं की सोच के अनुरूप झारखंड की तकदीर और तस्वीर बदलने का काम कर रहे हैं.

अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंच रही सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि मजबूत समाज और सशक्त राज्य तभी बनेगा, जब हर वर्ग और तबके के व्यक्ति को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा. इसी सोच के साथ हमारी सरकार काम कर रही है. आज समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक सरकार पहुंच रही है. डीसी-एसपी से लेकर बीडीओ-सीओ आपके दरवाजे पर पहुंच कर पूरी संवेदनशीलता के साथ आपकी समस्याओं को सुन कर उसका समाधान कर रहे हैं. मौके पर ही आपको आपकी जरूरत के अनुरूप योजनाओं से जोड़ा जा रहा है. यह सिलसिला निरंतर जारी रहेगा जब तक कि समाज का हर व्यक्ति सशक्त नहीं जाता है.

वर्ष 2027 तक 20 लाख परिवारों का होगा पक्का मकान

अपने बूते 20 लाख गरीबों को तीन कमरे का पक्का मकान देने का निर्णय लिया. अबुआ आवास योजना के तहत 2027 तक सभी को पक्का मकान मिल जाएगा. पहले चरण में 2 लाख लाभुकों को आवास का स्वीकृति पत्र और पहले क़िस्त की राशि दी जा चुकी है और 3 महीने बाद एक साथ नौ लाख लाभुकों को को आवास का स्वीकृति पत्र दिया जाएगा.

दारोगा-इंस्पेक्टर के तबादले में गड़बड़ी

आयोग ने कहाः तुरंत करें ठीक, पुलिस मुख्यालय के ही एक अफसर ने कराई सरकार और विभाग की फजीहत

सौरभ सिंह। रांची

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस विभाग में हुए तबादलों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी पकड़ी गई है. इंस्पेक्टर व दारोगा स्तर के अफसरों का तबादला आयोग के निर्देशानुसार नहीं हुआ है. चुनाव आयोग ने सरकार से कहा है कि इसे तुरंत ठीक करें. क्योंकि 26 फरवरी को 3 बजे तक तबादले से संबंधित आदेश का अनुपालन करके आयोग को भेजना है. कुल मिलाकर पुलिस मुख्यालय के एक अफसर ने ही सरकार और विभाग की फजीहत करवा दी है.

सूत्रों के मुताबिक इस बार हुए तबादले में मुख्यालय के एक अफसर की भूमिका संदिग्ध है. नियमों को ताक पर रख कर सूची तैयार की गयी. जिस पर स्थानांतरण के लिए गठित बोर्ड ने सहमति दे दी. आरोप यह भी है कि तबादले में बड़ा खेल हुआ है. वैसे यह जांच का विषय तो है ही कि पदाधिकारियों के तबादले में बेईमानी क्यों और किसने की. इसका फायदा किसने उठाया.

ना आयोग की परवाह, ना मैनुअल की चिंता : जानकारी के मुताबिक आयोग का निर्देश था कि अफसरों का तबादला इस तरह से किया जाए कि वह जिस लोकसभा क्षेत्र में थे, उससे दूर हो. पुलिस विभाग में भी तबादले का जो नियम है, उसके मुताबिक पदाधिकारियों का तबादला रेंज व जोन स्तर पर होने चाहिए. लेकिन पुलिस मुख्यालय के अफसरों ने पदाधिकारियों का तबादला बगल के जिले में ही कर दिया. कुछ ऐसे भी भी मामले हैं, जिसमें तबादला तो बगल के जिले में किया गया, लेकिन अगर थाना प्रभारी के रूप में पदस्थापन जिस थाना में किया गया, वह पहले के लोकसभा क्षेत्र में आता है. तबादले में गड़बड़ी न हो इसके लिए विभाग ने जिलों को ए, बी, सी, डी में बांट रखा है. इस बार इसे भी नजरअंदाज कर दिया गया. ए ग्रेड से ए ग्रेड के ही जिला में तबादला किया गया. इसके 100 से अधिक उदाहरण हैं.

26 फरवरी को दिन के 3.00 बजे तक तबादले से संबंधित आदेश का अनुपालन करके आयोग को भेजा जाना है

राज्य भर में होगी परेशानी

पुलिस मुख्यालय ने दारोगा-इंस्पेक्टर की तबादला सूची करीब 15 दिन पहले जारी की थी. लेकिन सरस्वती पूजा के मद्देनजर अधिकांश जिलों के एसपी ने पदाधिकारियों को विरमित नहीं किया. सरस्वती पूजा के बाद पदाधिकारियों को विरमित किया गया. पदाधिकारियों ने नए जिले में योगदान भी दे दिया है. यहां तक कि पदाधिकारियों का पदस्थापन भी जिले के थानों में कर दिया गया है. अब अगर दुबारा तबादला सूची जारी होती है, तो यही प्रक्रिया फिर से लागू करनी होगी. इससे कम से कम हफ्ते भर राज्य भर के पुलिस अफसर परेशान होंगे.

सुधार के लिए आईजी का पत्र

इस बीच पुलिस मुख्यालय के कार्मिक आईजी का एक पत्र सभी जिलों के एसपी को लिखा गया है. उन्होंने निर्देश दिया है कि पुलिस पदाधिकारियों की पोस्टिंग में इस बात का ध्यान रखा जाए कि वह पहले जिस लोकसभा क्षेत्र में थे, उस लोकसभा क्षेत्र के थाने में पोस्टिंग न हो. यह पत्र आयोग की आपत्ति के बाद 24 फरवरी को लिखा गया है. इस पत्र से यह स्पष्ट हो जाता है कि बगल के जिले में तबादले किए गए हैं. अब देखना यह है कि चुनाव आयोग इस पर क्या रुख अख्तियार करता है.

बिजली मीटर का ब्योरा खोलेगा राज

रडार पर आ सकते हैं कई सफेदपोश

रवि भारती। रांची

झारखंड राज्य बिजली वितरण निगम ने ईडी के नोटिस का जवाब दे दिया है. सीलबंद लिफाफे में वितरण निगम ने ईडी को पूरा ब्योरा सौंप दिया है. ईडी ने वितरण निगम को नेटिस कर पूछा था कि बड़गाईं के एक भूखंड पर दो मीटर लगे हुए हैं, दोनों मीटर किनके नाम से एलॉट हैं.

वितरण निगम के अफसरों ने अब इस पर चुप्पी साध ली है. सूत्रों के अनुसार मीटर हाईप्रोफाइल व्यक्ति के संबंधी के नाम से है. निगम द्वारा भेजे गए ब्योरे से भी कई राज खुल सकते हैं. जानकारी के अनुसार वितरण निगम द्वारा सौंपे गए ब्योरे में जमीन से जुड़े दस्तावोजों की फोटोकॉपी भी लगाई गई है. बताते चलें कि जब भी कोई बिजली का नया कनेक्शन दिया जाता है, तो घर या जमीन के पेपर की फोटोकॉपी के साथ ही साथ होल्डिंग नंबर भी नए कनेक्शन के आवेदन के साथ संलग्न करना जरूरी होता है.

बिजली वितरण निगम ने ईडी को सीलबंद लिफाफे में भेजा है जवाब

ईडी ने पूछा था - किसके नाम पर है बड़गाईं की जमीन पर लगे दो मीटर

अब तक ईडी के पास आ चुकी हैं 350 से अधिक शिकायतें

झारखंड में ईडी के एक्शन के बाद लगातार आईएएस, आईपीएस और राजनेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायतें मिल रही हैं. इस महीने तक ईडी के ग्रीवांस सेल में 350 से अधिक शिकायतें आयी हैं, लेकिन जिन मामलों में शिकायतें प्रिडिकेटिव अफेंस के दायरे में आती हैं, उन मामलों में ईडी अलग से इंफोर्समेंट कंप्लेन इन्क्वायरी रिपोर्ट दर्ज कर सकती है. ईडी जोनल ऑफिस में तीन दर्जन से अधिक केस में अनुसंधान व ट्रायल चल रहे हैं.

अब तक 236 करोड़ की अचल संपत्ति हो चुकी है जब्त

जमीन घोटाले में ईडी अब तक 236 करोड़ की अचल संपत्ति जब्त कर चुकी है. पूर्व में ईडी ने करोड़ों रुपये मूल्य की दो भूमि को अस्थाई रूप से कुर्क किया था, जिसका बाजार मूल्य 74.39 करोड़ रुपये था. इन संपत्तियों में सेना के उपयोग वाली बरियातू मौजा की 4.55 एकड़ जमीन, जिसका बाजार मूल्य 41.51 करोड़ रुपये था व बजरा मौजा की 7.16 एकड़ जमीन, जिसका बाजार मूल्य 32.87 करोड़ रुपये था.

हादसा टला जम्मू से पंजाब जा रही मालगाड़ी बिना ड्राइवर के 84 किमी दौड़ी

चाय पीने उतरा चालक और भाग गई ट्रेन

एजेंसी। पठानकोट

कंक्रीट से लदे 53 कंटेनरों वाली एक मालगाड़ी रविवार सुबह कठुआ से पठानकोट के बीच बिना पायलट के 84 किमी की दूरी तक दौड़ती रही. रेलवे को जब सूचना मिली, तो हड़कंप मच गया. इस दौरान ट्रेन की स्पीड 100 किमी प्रति घंटा थी. जांच में पता चला कि पायलट चाय पीने के लिए उतरा था और इंजन बंद करना भूल गया. ट्रेन को पंजाब के ऊंची बस्सी इलाके में रोका गया. गनीमत रही कि इस दौरान कोई हादसा नहीं हुआ. रेलवे ने घटना की जांच शुरू कर दी है. इसका सोशल मीडिया पर वीडियो भी सामने आया है.

मंडल यातायात प्रबंधक, प्रतीक श्रीवास्तव ने कहा, ऊंची बस्सी में ट्रेन को रोकने के लिए अपने कर्मियों को सतर्क करना पड़ा. उन्होंने कहा, दोषी पाए जाने पर लोको पायलट पर सख्त कार्रवाई होगी. उच्च स्तरीय जांच के भी आदेश दिए हैं. उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि मालगाड़ी बिना लोको पायलट के थी.

100 किमी की स्पीड से दौड़ती रही ट्रेन

पठानकोट की ओर ढलान होने से ट्रेन अपने आप चलने लगी और धीरे-धीरे 100 किमी प्रति घंटे की गति पकड़ ली. लोको पायलट इंजन पर क्यों नहीं था और ट्रेन खुद कैसे चलने लगी, इन सभी पहलुओं की जांच हो रही है. रेलवे ने ट्रेन को रोकने के लिए हर संभव प्रयास किया. सभी स्टेशनों को सतर्क किया और पूरे स्टाफ को तैनात कर दिया. ट्रेन को किसी भी दुर्घटना से बचाने और उसे सुरक्षित पड़ाव पर लाने के लिए एक रेल ट्रैक तैयार किया गया. हम सफल हुए और ट्रेन को आखिरकार मुकेरियां के उच्छी बस्सी में रोक दिया गया.

सुबह की चाय पीने के लिए उतरा था पायलट

पता चला है कि ड्राइवर कठुआ स्टेशन पर चाय पीने के लिए उतरा और हैंडब्रेक खींचना भूल गया. घटना सुबह 7.10 बजे की है. जब ड्राइवर चाय के लिए रुका तो इंजन चालू था. मालगाड़ी को तेजी से दौड़ते हुए दिखानेवाला वीडियो भी सोशल साइट्स पर वायरल है. मालगाड़ी का नंबर था-14806आर.

भाजपा का मिशन 2024

14 सीटों पर दिख सकते हैं आठ नए चेहरे

विधायक होंगे प्रमोट, साइडलाइन हो सकते हेवीवेट!

रवि भारती। रांची

लोकसभा चुनाव में झारखंड भाजपा में भी टिकट को लेकर मंथन जारी है. किसकी उम्मीदवारी बचेगी, किसका टिकट कटेगा, इस पर चर्चा तेज हो गई है. उम्मीदवारी को लेकर भाजपा के शीर्ष नेता मंथन भी कर रहे हैं. चर्चा है कि लोकसभा चुनाव के लिए कई विधायकों को प्रमोट किया जा सकता हैं. झारखंड की 14 लोकसभा सीटों में आठ पर भाजपा नए चेहरों को मौका दे सकती है. इसमें रांची से नवीन जायसवाल और प्रदीप वर्मा का नाम सामने आ रहा है. वहीं बोकारो विधायक विरंची नारायण व धनबाद विधायक राज सिन्हा धनबाद के लिए रेस में बताये जा रहे हैं. भाजपा टिकट देने के लिए कार्यकर्ताओं का फीडबैक व स्वतंत्र एजेंसी की भी सलाह ले रही है. चर्चा है कि भाजपा गोड्डा, खूंटी, हजारीबाग सीट से प्रत्याशी में बदलाव नहीं कर सकती है.

राजमहल और सिंहभूम सीट पर नजर : 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा राजमहल और सिंहभूम लोकसभा सीट पर कब्जा करने में असफल रही थी. ऐसे में इन दोनों सीटों पर भाजपा का विशेष ध्यान है.

नवीन जायसवाल, प्रदीप वर्मा, राज सिन्हा, विरंची नारायण भी ठोंक रहे दावेदारी

रांची से प्रदीप और नवीन जायसवाल का नाम

रांची सीट से प्रदीप वर्मा और नवीन जायसवाल का नाम सामने आ रहा है. इस सीट लेकर कई तरह की चर्चाएं सामने आ रही हैं. अभी इस सीट के लिए प्रदीप वर्मा का नाम सबसे आगे चल रहा है. प्रदीप वर्मा कई आयोजनों पर होर्डिंग- पोस्टर लगा जनता को बधाई शुभकामनाएं दे रहे हैं.

धनबाद में राज सिन्हा और विरंची की दावेदारी

धनबाद में भाजपा सांसद पीएन सिंह की जगह विधायक राज सिन्हा और विरंची नारायण की दावेदारी की बात सामने आ रही हैं. पहले सरयू राय का नाम सामने आ रहा था. सरयू राय ने दिल्ली में पिछले दिनों बाबूलाल मरांडी से व भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात भी की थी.

पलामू में भी चेंज संभव

पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम को लेकर पार्टी के अंदर कई तरह की चर्चा हो रही है. पार्टी के कुछ नेताओं का मानना है कि नौकरशाह से सांसद बने विष्णु दयाल राम की छवि आज भी क्षेत्र में एक आईपीएस अधिकारी के रूप में ज्यादा नजर आती है, आम कार्यकर्ताओं को उनके सामने अपनी बात रखने में झिझक होती है. पलामू में भाजपा को राजद की चुनौती का सामना करना पड़ सकता है. इस सुरक्षित सीट पर पार्टी किसी अन्य दलित चेहरे को सामने ला सकती है. वीडी राम दो बार सांसद रह चुके हैं और उनकी उम्र भी 70 साल पार कर चुकी है.

अन्नपूर्णा देवी ओबीसी चेहरा रहेंगी या बदलाव होगा?

दूसरी चर्चा केंद्रीय मंत्री और कोडरमा की बीजेपी सांसद अन्नपूर्णा देवी को लेकर है. अन्नपूर्णा देवी को भाजपा ने राज्य में ओबीसी चेहरा के रूप में सामने रखते हुए मतदाताओं को संदेश देने का प्रयास किया. उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल में भी मौका दिया, लेकिन पार्टी के अंदर ही एक गुट उनके खिलाफ लगातार सक्रिय है. ऐसे में अन्नपूर्णा देवी वर्ष 2024 के चुनाव में भी ओबीसी चेहरा बनीं रहेंगी या बदलाव होगा, इसको लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं.

किसकी बचेगी उम्मीदवारी- किसका कटेगा टिकट?

चतरा में सुनील सिंह को लेकर असमंजस की स्थिति

चतरा से मौजूदा सांसद सुनील सिंह को 2019 में भी टिकट लेने के लिए स्थानीय स्तर पर विरोध का सामना करना पड़ा था. इसबार फिर से उनकी राह मुश्किल लग रही है. हालांकि चतरा लोकसभा सीट क्षेत्र से सुनील कुमार सिंह लगातार दो बार चुनाव जीतने में सफल रहे हैं. लोकसभा टिकट की दावेदारी करते रहे चतरा लोकसभा क्षेत्र से एनसीपी के विधायक कमलेश सिंह टिकट की प्रत्याशा में हैं.

खूंटी सीट पर अर्जुन मुंडा की दावेदारी

खूंटी लोकसभा सीट से केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा फिर से चुनाव लड़ेंगे. हालांकि जिस तरह से कुरमी जाति को एसटी में शामिल करने को लेकर अर्जुन मुंडा का बयान आया था, उससे कुरमी समुदाय में नाराजगी की बात भी सामने आ रही हैं.

हजारीबाग सीट पर आजसू की भी दिलचस्पी

साल 2019 के चुनाव में बीजेपी ने अपने सहयोगी दल आजसू पार्टी के लिए गिरिडीह सीट छोड़ी थी, लेकिन इस बार आजसू पार्टी सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी गिरिडीह की जगह हजारीबाग सीट से चुनाव लड़ना चाहते हैं. चंद्रप्रकाश चौधरी हजारीबाग लोकसभा सीट के तहत आने वाले रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र का तीन बार प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और इस बार उपचुनाव में उनकी पत्नी विधायक चुनी गई हैं.

बढ़ सकती हैं सुनील सोरेन की मुश्किलें

दुमका से भाजपा सांसद का टिकट उनके परफॉरमेंस के कारण खतरे में पड़ने की संभावना जताई जा रही है. पार्टी के अंदर चर्चा है कि दुमका के सांसद सुनील सोरेन की मुश्किलें बढ़ सकती हैं. उनकी लोकप्रियता का ग्राफ बढ़ा है या नहीं, इसका आकलन पार्टी नेतृत्व की ओर से किया जा रहा है.

जमशेदपुर सीट पर भी बदलाव की संभावना

जमशेदपुर सीट में भी बदलाव की संभावना जताई जा रही है. जमशेदपुर से सांसद विद्युत वरण महतो की जगह उनके बेटे भी भाजपा से टिकट के दावेदार हैं. वहां से पार्टी किसी अन्य कुर्मी चेहरे पर दांव लगा सकती है.

लोहरदगा में आशा लकड़ा या अरुण उरांव

लोहरदगा लोकसभा सीट से लगातार दो बार विजयी रहे सुदर्शन भगत आलाकमान के गुडबुक में हैं. लोहरदगा सीट पर सांसद सुदर्शन भगत की छवि तो स्वच्छ है, लेकिन वहां एंटी एनकंबेंसी का प्रभाव है. यहां से प्रत्याशी बदले, तो भाजपा की राष्ट्रीय सचिव आशा लकड़ा या पूर्व आईपीएस अरुण उरांव वहां से दावेदार हो सकते हैं.

झारखंड एक्सप्लोरेशन एंड माइनिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड को जिम्मेवारी

नए सिरे से राज्य में खनिजों का लगाया जाएगा पता

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में 1000 करोड़ की कंपनी जेईएमसीएल (झारखंड एक्सप्लोरेशन एंड माइनिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड) को खनिजों का पता लगाने और खनन गतिविधि को आगे बढ़ाने की जिम्मेवारी मिली है. अब जेईएमसीएल ने राज्य में खनन गतिविधि को आगे बढ़ाने और खनिजों का पता करने के लिए एजेंसी चयन का टेंडर जारी कर दिया है. टेंडर 12 मार्च को खुलेगा. यह कंपनी राज्यभर में लौह अयस्क, कोयला, तांबा, बॉक्साइट, सोना सहित अन्य खनिजों का पता लगाएगी.

खनिज अन्वेषण के लिए खरीदा जाएगा सॉफ्टफेयर : डिफरेंशियल ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम के लिए नई आर्कजीआईएस सॉफ्टवेयर पैकेज खरीदा जाएगा. इसके लिए भी टेंडर जारी कर दिया गया है. इस सॉफ्टवेयर के जरिये भू-वैज्ञानिक मैपिंग के साथ अन्वेषण रिपोर्ट और खनन योजनाएं तैयार करेंगे. इसकी तैयारी के लिए, एक उपयोगकर्ता के अनुकूल खनन सॉफ्टवेयर है.

एक दर्जन से अधिक जिलों के 18 जगहों पर होगी मैपिंग : एक दर्जन से अधिक जिलों के 18 जगहों पर मैपिंग करेगा. साथ ही अन्वेषण का काम भी शुरू होगा. पश्चिमी सिंहभूम के बलजोरी और कुमिरत में लौह अयस्क के लिए 60 वर्ग किलोमीटर में भू-तात्विक मानचित्र तैयार किया जाएगा. पूर्वी सिंहभूम के बोड़ाम प्रखंड के पहाड़पुर में दो वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में मैगनीज के अन्वेषण का काम होगा. पलामू के सतबरवा के रेवारातू में एक वर्ग किलोमीटर दायरे में ग्रेफाइट की खोज की जाएगी.

1000 करोड़ की कंपनी जेईएमसीएल ने जारी किया टेंडर

12 मार्च को खुलेगा टेंडर जेईएमसीएल को दी गई है बड़ी जिम्मेवारी

क्या है योजना

1. मौजूदा भंडार-संसाधनों को बढ़ाने और खनिजों विशेष रूप से लोहा, बॉक्साइट, मैंगनीज, चूना पत्थर, आधार धातु, दुर्दम्य चट्टानों के नए भंडार की खोज
2. आयरन बॉक्साइट, मैंगनीज आदि जैसे परिवर्तित थ्रस्ट होल्ड वैल्यू वाले खनिजों के भंडार का पुनर्मूल्यांकन किया जाना
3. निदेशालय अपने उद्देश्यों को समय पर प्राप्त करने के लिए निजी क्षेत्रों को पूर्वेक्षण और अन्वेषण की सेवाएं भी प्रदान करता है
4. खनिज के छोटे भंडारों को भी क्लस्टर खनन की सुविधा के लिए तलाशना
5. मौजूद संसाधनों की पहचान और मूल्यांकन करना है, संसाधनों की पहचान जरूरी है
6. खनिजों की ग्रेड-वार सूची विकसित करने का प्रयास किया जाना

किस खनिज का कहां होगा अन्वेषण का काम

खनिज का का नाम	अन्वेषण का स्थान जिला
बॉक्साइट	जोजीपट ,लोदापट, हेथीलोधा गुमला
बॉक्साइट	सेंरेंगदाग लोहरदगा
लाइम	स्टोन चौकीटांड, बभने रांची
पाइरोक्सनाइट	परसागोरा, सोबराडीह पूर्वी सिंहभूम
मैंगनीज	पहाड़पुर पूर्वी सिंहभूम
आयरनओर	इतरबालजोरी, कुमरिता पश्चिमी सिंहभूम
डोलोमाइट	खुदिया गढ़वा
ग्रेफाइट	रेवारातू पलामू
क्वार्ट्ज	देवीपुर देवघर
क्वार्ट्ज	जामताड़ा जामताड़ा

रांची में चूना पत्थर और डोलामाइट

रांची के बभने, डीहवाटोली और चौकीटांड में चूना पत्थर और डोलामाइड के अन्वेषण का काम होगा. इसके इलावा गढ़वा के धुरकी प्रखंड में चूना पत्थर और डोलामाइट की खोज की जाएगी. गोड्डा के पोड़ैयाहाट और लातेहार के बालूमाथ और जामताड़ा में क्वार्टज का अन्वेषण किया जाएगा. लोहरदगा के सेंरेनदगा में बॉक्साइट के अन्वेषण का काम होगा. इसके अलावा डाइड्रोलॉजिकल स्टडीज, रांची, सरायकेला-खरसांवा और पूर्वी सिंहभूम में किया जाएगा.

विभिन्न दलों के 3000 कार्यकर्ताओं ने थामा झामुमो का दामन

केंद्र के खिलाफ जनआंदोलन शुरू : सीएम

विशेष संवाददाता। रांची

रविवार को मुख्यमंत्री आवास में झामुमो का मिलन समारोह आयोजित हुआ. इसमें विभिन्न सामाजिक संगठनों और दलों के करीब 3 हजार युवाओं और महिलाओं ने झामुमो का दामन थामा. इस दौरान सभी ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन और हेमंत सोरेन के नेतृत्व के प्रति आस्था व्यक्त की. साथ ही मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के समक्ष झामुमो रांची जिलाध्यक्ष मुश्ताक आलम के नेतृत्व में सभी ने झामुमो का दामन थामा.

इस दौरान सीएम चंपाई सोरेन ने सभी को पार्टी का पट्टा पहनाकर पार्टी मे स्वागत किया. साथ ही मौके पर कहा आंदोलनकारियों की बदौलत हमें यह झारखंड राज्य मिला है और जिस तरीके से हमारे युवा मुख्यमंत्री के तौर पर हेमंत सोरेन कार्य कर रहे थे, सुदूर गांव में भी हर एक घर तक योजना पहुंचने का काम कर रहे थे और इसी को देखते हुए केंद्र की भाजपा सरकार ने साजिश के तहत उनको जेल भेजने का काम किया है. आज यह मिलन समारोह एक जन आंदोलन की शुरुआत है...आने वाले दिनों में यह बड़ा रूप लेगा.

युवाओं की बदौलत आने वाले दिनों में बड़ा आंदोलन : चंपाई सोरेन

मौके पर उपस्थित पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडे ने भी युवाओं को पार्टी का पट्टा पहनाकर स्वागत किया. उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में नए सदस्यों के साथ भी पार्टी हर एक हर स्तर पर केंद्र सरकार की तानाशाही के विरोध में लोगों को जागरूक करने का काम करेगी. झामुमो रांची जिला अध्यक्ष मुश्ताक आलम ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने जिस तरीके से हमारे युवा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रताड़ित कर जेल भेजने का काम किया है. आने वाले दिनों में यह सिलसिला जारी रहेगा. हम निरंतर लोगों को पार्टी से जोड़कर झारखंड की जनता के हित में आवाज को बुलंद करेंगे. समारोह में मुख्य रूप से राज्यसभा सांसद डॉ महुआ मांझी, केंद्रीय सदस्य सुशीला एक्का, जिला उपाध्यक्ष अश्वनी शर्मा, कलाम आजाद, रामानंद बेड़िया, रामशरण तिर्की, डॉ तालकेश्वर महतो, जिला प्रवक्ता अरविन्द सिंह देवल, बबलू राम आदि उपस्थित रहे.

झापा, आदिवासी सेवा के कई युवा पार्टी में हुए शामिल

पार्टी में सदस्यता ग्रहण करने वालों मे मुख्य रूप से आदिवासी सेना के अलविन लकड़ा, विकास तिर्की, अमरनाथ लकड़ा, झापा के अंशु लकड़ा, बचन उरांव, योगेश भगत, झारखंड क्रिश्चियन यूथ एसोसिएशन के शशि टुटी, रामकुमार नायक, दीपक लकड़ा, आजसू के लक्ष्मी बैठा, अनिता टोप्पो, महताब अंसारी, अबुतालीब अंसारी, मोहसिन अख़्तर, फिरोज अंसारी, मुंतीजीर ख़ान, निशांत कच्छप, पवन तिग्गा, रश्मि टोप्पो आदि शामिल हुए.

सम्मेलन हेमंत ने आउटसोर्स खत्म करने का किया था वादा, चंपाई सरकार पूरा करे

अजय राय बने श्रमिक संघ के केंद्रीय अध्यक्ष

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ का रविवार को रांची प्रेस क्लब में राज्यस्तरीय सम्मेलन हुआ. इसमें पिछले कमेटी को भंग कर सत्र 2024-2026 के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक कुमार शुक्ला, राजेश रंजन, केके पंडा की देखरेख में अध्यक्ष का चुनाव हुआ. इसमें सर्वसम्मति अजय राय को अध्यक्ष चुना गया. साथ ही उनको पूरी कमेटी बनाने के लिए अधिकृत किया गया. अजय राय ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पिछले चुनाव के दौरान आउटसोर्स खत्म करने का वादा किया था. अब चंपाई सोरेन सरकार को उस वादा को पूरा करना चाहिए. सम्मेलन के पूर्व एक जुलूस भी निकाला गया.

क्या हैं संघ की प्रमुख मांगें

- झारखंड ऊर्जा विकास निगम की ओर से आने वाली बहाली में वर्तमान विद्युतकर्मियों के लिए प्राथमिकता तय हो.
- न्यायालय के आदेश के तहत 10 वर्ष तक लगातार ऊर्जा निगम अंदर के अंदर सेवा देने वाले विद्युतकर्मियों का सीधा समायोजन हो.
- आउटसोर्सिंग प्रथा खत्म कर 2017 से पूर्व की व्यवस्था ऊर्जा निगम मानव दिवस कर्मियों के लिए बहाल करें.
- समान काम के बदले समान वेतनमान दिया जाए.
- पारा शिक्षकों की तर्ज पर विद्युतकर्मियों की उम्र सीमा 60 वर्ष की जाए.
- नियमित कर्मचारियों की डिज्नेसन मैपिंग की जाए.
- हजारीबाग सर्किल में डिज्नेसन मैपिंग के नाम पर घिनौना मजाक विभाग द्वारा नियमित कर्मचारियों के साथ किया गया, जिसकी उच्चस्तरीय जांच हो और दोषी पर कार्रवाई की जाए.

CLASSIFIED

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

www.lagatar.in ● सोमवार 26 फरवरी 2024 ● फाल्गुन कृष्णपक्ष 02 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 309 ● आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

1. विकेटकीपर ध्रुव जुरेल ने बनाए 90 रन, धौनी की दिलाई याद
2. इंग्लैंड के शोएब 5 विकेट लेने वाले दूसरे सबसे युवा विदेशी गेंदबाज
3. आर अश्विन ने 5 व कुलदीप यादव ने 4 विकेट लेकर मैच पलट दिया
4. सीरीज जीतने से महज 152 रन दूर भारत, जीत की है उम्मीद
5. पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में अभी 2-1 से आगे है भारतीय टीम

राज्यपाल ने देखा भारत इंग्लैंड का टेस्ट मैच

रांची। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन रविवार को जेएससीए स्टेडियम पहुंचे. वहां उन्होंने भारत-इंग्लैंड के बीच खेला जा रहा चौथा टेस्ट मैच देखा. राज्यपाल ने इस बीच खिलाड़ियों का भी उत्साहवर्धन किया. खूब तालियां भी बजाईं.

चौथा टेस्ट मैचः जीत के करीब भारत, सीरीज पर कब्जे का मौका

शुभम किशोर। रांची

राजधानी के जेएससीए में खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच के तीसरे दिन भारत ने इंग्लैंड पर शिकंजा कस लिया है. भारत को जीत के लिए 192 रनों का लक्ष्य मिला. रविवार को तीसरे दिन के खेल की समाप्ति तक भारत ने बिना विकेट खोए 40 रन बना लिए है. कप्तान रोहित शर्मा 24 व यशस्वी 16 रन बना कर नाबाद क्रीज पर हैं.

तीसरे दिन भारत की पारी लंच से ठीक पहले 307 रन पर ऑलआउट हुई. इंग्लैंड को पहली पारी में 46 रनों की बढ़त मिली. भारत की ओर से विकेट कीपर ध्रुव जुरेल ने 90 रन की शानदार पारी खेली. उन्होंने कुलदीप यादव (28) के साथ 76 रनों की अहम साझेदारी की. इंग्लैंड के शोएब बशीर ने आकाशदीप को आउट कर अपना 5वां विकेट पूरा किया.

दूसरी पारी में इंग्लैंड ने भारतीय स्पिनरों के सामने घुटने टेक दिए. इंग्लैंड दूसरी पारी में 53.5 ओवर में 145 रन बनाकर ढेर हो गई. भारत ने दूसरी पारी में स्पिन से आक्रमण शुरू किया. कप्तान रोहित की चाल सफल रही और इंग्लैंड पूरी तरह से बैकफुट पर चला गया. भारत की ओर से आर अश्विन ने 5, कुलदीप यादव ने 4 और जडेजा ने 1 विकेट लिए. इंग्लैंड की ओर से सर्वाधिक स्कोर जैक कराउले (60) ने किया.

फैंस ने खूब इंज्वॉय किया संडे : मैदान में भारत के कब्जे में मैच आता देख रविवार को स्टेडियम में फैंस ने भी खूब इंज्वॉय किया. खचाखच भरे स्टेडियम में दर्शकों ने अपनी टीम का जम कर सपोर्ट किया. लोगों ने परिवार के साथ मैच का मजा लिया.

भारत ने इंग्लैंड पर कसा शिकंजा मैच में स्पिनरों का रहा बोलबाला

भारत में पांच विकेट लेनेवाले सबसे युवा विदेशी गेंदबाज

- पॉल एडम्स - 6/55 बनाम भारत, 1996 - 19 साल, 323 दिन
- शोएब बशीर - 5/119 बनाम भारत, 2024 - 20 साल, 135 दिन
- राशिद खान - 5/82 बनाम आयरलैंड, 2019 - 20 साल, 176 दिन

प्रिंस खान के खिलाफ ईडी की जांच में खुलासा, जल्द होगी चार्जशीट

काली कमाई में सफेदपोशों की हिस्सेदारी

शुभम संदेश टीम। रांची/धनबाद

दुबई में छुपे धनबाद के अपराधी प्रिंस खान की परेशानी और बढ़ी है. धनबाद पुलिस के आग्रह पर इंटरपोल के रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने के बाद ईडी ने प्रिंस खान पर केस दर्ज कर दिया है. अब ईडी ने चार्जशीट फाइल करने की तैयारी शुरू कर दी है. ईडी की प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि प्रिंस खान के अपराध की कमाई से गैंग मेंबर्स और परिवार के सदस्यों को लाभ हुआ है. गैंग के साथ ऑपरेट करने वालों में कुछ सफेदपोश नाम भी सामने आ रहे हैं. बता दें कि भारत में इंटरपोल की नोडल एजेंसी सीबीआई होती है. धनबाद पुलिस ने उसी के माध्यम से प्रिंस खान मामले रेड कॉर्नर नोटिस जारी करवाया था. अब ईडी धनबाद पुलिस के अलावा अलग से रेड कॉर्नर नोटिस के लिए सीबीआई को जल्द ही आग्रह कर सकती है.

दरअसल प्रिंस खान इन दिनों धनबाद में आतंक का पर्याय बना हुआ है. व्यवसायियों, कोयला कारोबारियों, चिकित्सकों व अन्य संपन्न लोगों को धमकी देना और गोलियों की बौछार से दहशत फैलाना उसका शौक बन गया है. उसके गुर्गे कभी सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर, कभी चिट्ठी डाल तो वीडियो वायरल कर गोलीबारी की जिम्मेदारी भी लेते हैं. विभिन्न माध्यमों से जारी उनके गुर्गे संदेश देते फिर रहे हैं कि छोटे सरकार की बात मान जाओ, वरना जान से हाथ धो बैठोगे. वह पुलिस को भी खुली चुनौती दे रहे हैं. आतंक व दहशत फैलाने में उसने एक समय के चर्चित गैंग ऑफ वासेपुर के सरगना फहीम खान को भी पीछे छोड़ दिया है. धनबाद पुलिस बार-बार प्रिंस खान को गिरफ्तार करने का आश्वासन तो देती है, लेकिन उसकी परछाईं तक का पता लगाने में नाकाम है.

282 भगोड़ों के खिलाफ जारी है रेड कॉर्नर नोटिस, सिर्फ 2023 में 100 भगोड़े विदेशों में जाकर छिपे

- हरियाणा पुलिस उम्रकैद की सजा पाए व्यक्ति को दुबई से मात्र 3 महीने में वापस ले आई
- सफेदपोशों के चेहरे से खुलेगा नकाब, रिश्तेदार भी खाएंगे जेल की हवा

रेडकॉर्नर नोटिस के बाद 29 लाए गए वापस, प्रिंस कहां है?

इंटरपोल की तरफ से विदेशों में जाकर छिपे 282 भगोड़ों के खिलाफ रेड कार्नर नोटिस जारी है. इनमें से 100 के खिलाफ तो वर्ष 2013 में रेडकार्नर नोटिस जारी किया गया था. जिन सौ लोगों के खिलाफ सीबीआई के माध्यम से रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था, उनमें 29 वांछितों को बीते वर्ष देश वापस लाया गया है. इनमें से हरियाणा पुलिस ने उम्रकैद की सजा मिले से एक आरोपी को 16 फरवरी 2024 को दुबई से वापस लाने का काम किया है. हरियाणा पुलिस की तरफ से सीबीआई ने एनसीबी-अबुधाबी में मौजूद भारतीय दुतावास विदेश मंत्रालय की मदद ली थी. ये मुकदमा वर्ष 2009 में हरियाणा के फेतहबाद के टोहना थाना क्षेत्र में घटित हुआ था. उम्रकैद की सजा पाने के बाद आरोपी दुबई फरार हो गया था. 7 नवंबर 2023 को सीबीआई ने इंटरपोल को सूचित करते हुए कार्रवाई की मांग रखी थी. मात्र तीन महीने में ही सजा याफ्ता को पकड़ कर वापस ले आया गया. जबकि प्रिंस के खिलाफ रेडकार्नर नोटिस के जारी करने की बात पिछले छह महीने से चर्चा में है, आखिर ऐसे में सवाल ये है कि प्रिंस खान को वापस लाने में देर क्यों हो रही है.

प्रिंस खान पर जितनी बढ़ी कड़ाई, उतना बढ़ा दबदबा

पुलिस कहती है कि जल्द ही प्रिंस खान को पकड़ लिया जायेगा, उसके गिरोह को तोड़ दिया गया है. मगर इस दावे के विपरीत प्रिंस खान का दबदबा बढ़ता ही जा रहा है. कभी व्यवसायियों को धमकी, तो कहीं घर के बाहर फायरिंग. प्रिंस खान वीडियो जारी कर धनबाद के एसएसपी को चुनौती देते भी देखा गया है. उसकी इस हरकत से व्यवसायी वर्ग खौफ में हैं. एक धारणा बन गयी है कि जो अपराधी पुलिस के बड़े अधिकारी को ललकार सकता है, वह आम लोगों के लिए तो काल बन कर ही सामने आयेगा. वह खुलेआम नाम लेकर कहता है कि अगला निशाना कौन होगा. कुछ हद तक निशाने पर वार भी करता है. लगभग एक साल से प्रिंस खान पुलिस के लिए सिरदर्द बना हुआ है. हालांकि पुलिस ने उसके कई गुर्गों को जेल भेजने में कामयाबी हासिल की है, मगर खौफ कायम है.

प्रिंस के 5 दर्जन साथियों को जेल भेज चुकी है पुलिस

धनबाद पुलिस प्रिंस खान के गिरोह पर नकेल कसने के लिए पांच दर्जन सहयोगियों को जेल की हवा खिला चुकी है. इनमें कई लोग ऐसे थे, जो रंगदारी की रकम लेने से लेकर उनके लिए रैकी और फायरिंग करने का भी काम करते थे. बावजूद इसके गैंग का नेटवर्क खत्म नहीं हो पाया है. रंगदारी मांगे जाने के मामले अक्सर सामने आ ही जाते हैं. प्रिंस के खिलाफ न सिर्फ पुलिस बल्कि सरकार और ईडी तक ने कोशिशें जारी कर दी है. इसके तहत इंटरपोल की मदद भी ली जा रही है. इंटरपोल ने रेड नोटिस जारी कर दिया है और प्रिंस का पासपोर्ट भी रद कराया जा चुका है. प्रिंस खान के दुबई से भारत लाने को लेकर भी अरबी भाषा में प्रिंस के खिलाफ दर्ज केसों की सूची और उसके कारनामों को लिखवाकर भेजा गया है, ताकि दुबई सरकार प्रिंस को दबोचकर भारत के हवाले कर दे. लेकिन प्रिंस अब तक पकड़ा नहीं जा सका है

गोपालीचकः बम-गोलीबारी में 3 एफआईआर

एसएसपी समेत पुलिस महकमा पहुंचा मौके पर, कहा- नहीं चलने देंगे गुंडागर्दी

- दो से अधिक मुकदमे दर्ज हैं तो उनके खिलाफ होगी सीसीए की कार्रवाई, सीआईएसएफ को लगाई फटकार

संवाददाता । पुटकी

पुटकी थाना क्षेत्र के गोपालीचक में वर्चस्व को लेकर सिंह मेंशन और रघुकुल समर्थकों के बीच शनिवार को बम-गोलीबारी के मामले में रविवार को तीन एफआईआर दर्ज की गई है. घटना को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी एचपी जनार्दनन समेत ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, एसडीओ उदय रजक, सीओ विकास आनंद, डीएसपी (विधि-व्यवस्था) दीपक कुमार व प्रशिक्षु डीएसपी अर्चना स्वाति खालको समेत काफी संख्या में पुलिसकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे. जहां मामले की जांच करते हुए एसएसपी ने बीसीसीएल व सीआईएसएफ से घटना के बारे में जानकारी ली. उन्होंने कहा कि हमारे इलाके में किसी तरह की गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी. हमलावरों को चिह्नित किया जा रहा है. जिसके खिलाफ अबतक दो एफआईआर हो चुके हैं, उसपर सीसीए लगाया जाएगा.

उसका नाम पुलिस की गुंडापंजी में दर्ज की जाएगी. एसएसपी ने ड्यूटी में तैनात सीआईएसएफ जवानों को फटकार भी लगाई. जवानों को कहा कि बीसीसीएल क्षेत्र में जो भी हिंसा फैलाते हैं. उसे पकड़ कर जिला पुलिस के हवाले करें. पुलिस अपने स्तर से कार्रवाई करेगी. वारदात में घायल सोनू यादव को पुलिस गिरफ्तार बता रही है. पुलिस अभिरक्षा में ही उसका इलाज चल रहा है.

पुटकी थाना के दारोगा की शिकायत पर 36 नामजद समेत 60 के खिलाफ मुकदमा

पुटकी थाना के दारोगा बाबूधन सोरेन की शिकायत पर सिंह मेंशन के 36 नामजद समेत 60 अज्ञात समर्थकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. जिसमें प्रमोद सिंह, नागेद्र उपाध्याय, बिट्टू उपाध्याय, जीतू उपाध्याय, डीपी सिंह, विराट सिंह, मनता सिंह, सोनू यादव, सुरेंद्र सिंह, गोलू रवानी, रंजीत रवानी, नवीन पंडित, नीतीश यादव, प्रेम यादव, मुकेश पासवान, नीतीश रवानी, दीपक पासवान, विजय पासवान, करण पासवान, सचिन यादव, कपिल पासवान, चंदन यादव, अक्षय यादव, डब्ल्यू यादव, बबलू यादव, मनीष यादव, छोटू यादव, छोटू यादव (2), शंभू यादव, राम प्रवेश, विशाल वर्मा, शिवम, शिव चौहान, वीरेंद्र यादव व संतोष पासवान आदि को आरोपी बनाया गया है. इसके खिलाफ भादवि की धारा नाजायज मजमा बनाकर मारपीट करने, जख्मी करने, जानलेने का प्रयास करने, गोली व बमों का विस्फोट करने, रंगदारी मांगने और साजिश रचने की प्राथमिकी दर्ज की गई है और भादवि की धारा 146, 147, 149, 323, 337, 353, 307, 387, 120 (बी) और विस्फोटक अधिनियम लगाए गए हैं.

प्रमोद सिंह की शिकायत पर 11 मेंशन समर्थकों पर एफआईआर

दूसरी एफआईआर प्रमोद सिंह की शिकायत पर 11 मेंशन समर्थक पर दर्ज की गई है. जिसमें मुकेश, गोलू रवानी, रंजीत, सुरेंद्र सिंह, नवीन पंडित, नीतीश यादव, मुकेश पासवान, नीतीश रवानी, दीपस पासवान, विजय पासवान, करण पासवान समेत अन्य शामिल हैं. रंगदारी मांगने और गोली मारने का आरोप है. साथ ही शिकायत में प्रमोद सिंह ने अपनी हत्या की आशंका भी जाहिर की है.

रघुकुल के 7 पर हरिजन एक्ट के तहत मामला दर्ज

सिंह मेंशन के मुकेश पासवान की शिकायत पर रघुकुल के प्रमोद सिंह समेत 7 नामजद व अन्य पर हरिजन एक्ट और हमला करने का मामला दर्ज किया गया है. मुकेश ने एक हजार रंगदारी मांगने, 1340 रुपए छीनने का भी आरोप लगाया है. आरोपियों में प्रमोद सिंह, नागेंद्र उपाध्याय, बिटू उपाध्याय, सिटू उपाध्याय, बीडी सिंह, विराट सिंह, मंटू सिंह व अन्य शामिल हैं.

भड़के प्रेमी ने प्रेमिका का गला रेता

संवाददाता। पुटकी (धनबाद)

- केंदुआ पुल के पास हुई वारदात, ट्रक के पीछे छिपकर प्रेमी कर रहा था इंतजार, मौका पाते ही चला दी चाकू
- 4-5 साल से प्रेम संबंध होने की बात कह रही शादीशुदा प्रेमिका, एसएनएमएमसीएच में चल रहा है इलाज

प्रेमी ने मिलने के लिए प्रेमिका को बुलाया था, प्रेमिका ने इंकार कर दिया. प्रेमी को गुस्सा आया और उसने बदला लेने की ठान ली. मौका पाते ही बीच सड़क पर उसकी गर्दन पर दो बार चाकू चला कर फरार हो गया. जख्मी हालत में प्रेमिका को एसएनएमएमसीएच अस्पातल में भर्ती कराया गया है. जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है.

यह वारदात रविवार को केंदुआ थाना क्षेत्र के केंदुआ पुल के पास घटी है. प्रेमिका केंदुआ पांच नंबर की रहने वाली है और प्रेमी धनसार थाना क्षेत्र के बरमसिया का रहने वाला बताया जा रहा है. जबकि मूल निवास नवादा है. मामले को लेकर प्रेमिका बता रही है कि करीब चार-पांच साल के उसके और सूरज कुमार के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था. इस दौरान उन लोगों की मुलाकातें होती थीं. इस बीच कुछ रुपए भी उसने सूरज को दिये थे. लगभग चार लाख रुपए देने की बात कह रही है. पिछले कुछ दिनों से सूरज उससे मिलने के लिए लगातार दबाव बना रहा था, लेकिन वह नहीं जा पाई. शनिवार को भी उसने फोन किया था, लेकिन उसने मिलने से इंकार कर दिया. इसी बात पर सूरज खफा हो गया था. रविवार को करीब नौ बजे वह केंदुआ पुल की तरफ से जा रही थी. वह सड़क किनारे खड़े ट्रक के पीछे छिपकर इंतजार कर रहा था. जैसे ही वह ट्रक के करीब पहुंची, सूरज ने उसे पकड़ लिया और मुंह दबाकर सड़क से नीचे उतार दिया. फिर चाकू निकाल कर उसके गले पर दो बार वार कर दिया, गले पर चाकू चलाता देख उसने बचाव की कोशिश की, इससे उसकी उंगलियां भी जख्मी हो गईं.

चाकू चलाने के बाद सूरज फरार हो गया, जबकि वह अपनी गर्दन पकड़ कर लोगों से बचाने की अपील करने लगी. तब उसे एसएनएमएमसीएच भिजवाया गया. जहां चिकित्सकों ने उसके गर्दन पर कई टांके लगाए. फिलहाल उसे अस्पताल में भर्ती रखा गया है. मामले को लेकर पुलिस ने अस्पताल में उसका बयान दर्ज किया है और केंदुआडीह थाने में शिकायत भेजने की बात कही जा रही है. बयान के आधार पर कार्रवाई की जाएगी.

सीएस का रिजल्ट जारी कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया की होती है बेहद कठिन परीक्षा

रांची की जैस्मिन ज्योति को मिला देशभर में 5वां स्थान

संवाददाता । रांची

इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) का रिजल्ट जारी हो चुका है. इस परीक्षा में रांची की जैस्मिन ज्योति को देश में पांचवां रैंक मिला है. आईसीएसआई रांची ब्रांच के चेयरमैन सीएस बिनोद बख्शी के अनुसार जैस्मिन प्रोफेशनल एग्जाम और एग्जिक्यूटिव लेवल की परीक्षा के दोनों ग्रुप्स को भी एक बार में क्वालीफाई किया है. आईसीएसआई परीक्षा भारत के कुछ कठिन परीक्षाओं में शामिल है. इस परीक्षा में रिजल्ट का प्रतिशत भी बहुत कम होता है. सीएस की परीक्षा 21 से 30 दिसंबर 2023 तक चली थी. 25 फरवरी को इसका रिजल्ट जारी कर दिया गया.

अपने माता-पिता के साथ जैस्मिन

असफल छात्र परेशान न हों: बिनोद बख्शी

आईसीएसआई रांची शाखा के चेयरमैन सीएस बिनोद बख्शी ने जैस्मिन ज्योति को बधाई दी और कहा कि जो छात्र असफल हुए हैं, वे परेशान ना हों, आगे के लिए तैयारी करें. उन्होंने असफल छात्रों को और अच्छा तैयारी करने का सुझाव दिया. वहीं, बता दें कि मनिषा मुरारीमोहन घोष ने प्रोफेशन प्रोग्राम में इंडिया में रैंक वन प्राप्त किया है. मालोलन मुरली और वनिशा सिंह ने एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम में ऑल इंडिया रैंक वन हासिल किया है.

18-18 घंटे पढ़ाई की : जैस्मिन

रातू रोड रांची की रहने वाली जैस्मिन ज्योति ने देशभर में 5वां रैंक प्राप्त किया है. उन्होंने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कह कि आज मैं बहुत खुश हूं. सीएस की परीक्षा पास करने के लिए उन्होंने प्रति दिन 18-18 घंटे की पढ़ाई की है. इसमें 16 घंटे की पढ़ाई और 2 घंटा का ओपन बुक प्रैक्टिस करती थी. उन्होंने 2020 फाउंडेशन कोर्स के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया था, उसके बाद उन्होंने 2023 में ही क्लियर कर लिया. एक बार वे असफल भी हुई है, लेकिन उनके माता-पिता उनका हौसला बढ़ाया और फिर अच्छे से तैयारी की. उन्होंने संदेश दिया कि फेल होने से ना डरें.

ब्रीफ खबरें

अध्यापकों ने की डीएसपी से मुलाकात

कतरास। रविवार को सहायक अध्यापक संघ का एक प्रतिनिधि मंडल उत्तरी छोटनागपुर प्रमंडल के अध्यक्ष चंदन मोदक के नेतृत्व में बाघमारा अनुमंडल पदाधिकारी महेश प्रजापति शिष्टाचार मुलाकात किया. इस दौरान शिक्षकों ने अनुमंडल पदाधिकारी को गुलदस्ता देकर सम्मानित किया . सहायक अध्यापकों के प्रतिनिधि चन्दन मोदक ने बताया कि महेश प्रजापति एक युवा और ईमानदार पुलिस पदाधिकारी के रूप में बाघमारा कतरास में पदस्थापित है और वर्तमान समय मे निश्चित रूप से बाघमारा अनुमंडलीय क्षेत्र में अपराध पर अंकुश लगेगा ऐसी आशा जगी है.

महुदा पुलिस ने चोरी कांड का खुलासा किया

महुदा। महुदा थाना क्षेत्र अंतर्गत मुचिरायडीह फाटक के समीप स्थित ईंट बनाने वाली वाल्ट मान्ट कम्पनी में पिछले दिनों हुई चोरी का उद्भेदन महुदा पुलिस ने रविवार को किया है. गुप्त सूचना पर महुदा पुलिस द्वारा पकड़े गये दो अपराधियों ने 13 फरवरी को वल्ट मान्ट कम्पनी के कारखाना में हुई चोरी में अपनी संलिप्त स्वीकार की है. इस संबंध में महुदा थाना प्रभारी धीरज कुमार ने बताया कि दोनों के नाम साहिल कुमार रवानी तथा सुमित कुमार श्रीवास्तव है जो बरमसिया क्षेत्र का रहने वाला है.

पीएम के आगमन पर बीजेपी ने की बैठक

तोपचांची। रविवार को तोपचांची प्रखंड के साहोबहियार में बीजेपी की अहम बैठक आयोजित की गई. बैठक में 5 मंडल के मंडल अध्यक्ष व कार्यकर्ता उपस्थित हुए. बैठक में उपस्थित पूर्व सांसद रवीन्द्र पाण्डेय ने कहा कि 1 मार्च को देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का धनबाद आगमन है. प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर रणनीति बनाई गई है. मौके पर ज्ञान रंजन सिन्हा, रामनारायण भगत , आशुतोष पाल, रणजीत सिंह, सुनील मंडल, गिरजाशंकर उपाध्यक्ष, विकास महतो, रणवीर चौबे सहित अन्य उपस्थित थे.

रवानी का शहादत दिवस मनाया गया

धनबाद। झामुमो धनबाद जिला समिति द्वारा गोधर में झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता सह झामुमो के पूर्व जिला अध्यक्ष शहीद नेपाल रवानी का 34 वां शहादत दिवस मनाया. सर्वप्रथम शहीद नेपाल रवानी की पत्नी सावित्री देवी सहित परिवार के सदस्यों द्वारा शहीद के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि किया। तदोपरांत टुण्डी विधायक मथुरा प्रसाद महतो, जिलाध्यक्ष लख़ी सोरेन, जिला सचिव मन्नु आलम द्वारा माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दिया गया. अपने संबोधन में जिलाध्यक्ष लखी सोरेन ने कहा कि नेपाल बाबू हम सब के आदर्श पुरुष हैं.

महुदा में नेपाल रवानी को श्रद्धांजलि दी गई

महुदा। झारखंड आंदोलन के सेनानी सच्चे व जमीन से जुड़े जनयोद्धा शहीद नेपाल रवानी की पुण्यतिथि पर महुदा स्थित अधिवक्ता निर्मल कुमार रवानी के कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया.इस दौरान उपस्थित लोगों ने शहीद के तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की . अपने संबोधन में अधिवक्ता निर्मल कुमार रवानी ने कहा कि शहीद नेपाल बाबू शोषितों, पीड़ितों एवं अपेक्षितों के मसीहा थे. साथ ही स्वाभिमानी समाज की परिकल्पना करने वाले महान योद्धा थे.

मतदाताओं की भागीदारी सुनिचत करने के लिए उपायुक्त ने की चैंबर ऑफ कॉमर्स के साथ बैठक

जगह जगह स्वीप एक्टिविटी करेगा जिला प्रशासन

संवाददाता। धनबाद

लोकतंत्र के महापर्व में मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी वरुण रंजन ने आज समाहरणालय के सभागार में जिला चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की.उपायुक्त ने कहा कि चैंबर ऑफ़ कॉमर्स स्वीप एक्टिविटी के माध्यम से मतदान प्रतिशत बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो सकता है. उपायुक्त ने कहा कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन चेंबर ऑफ कॉमर्स के साथ-साथ रेजिडेंशियल सोसायटी, अपार्टमेंट, ट्रेड यूनियन, कॉलेज सहित विभिन्न स्थान पर स्वीप एक्टिविटी का आयोजन करेगा. इसका उद्देश्य लोगों को लोकतंत्र के महापर्व में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करना है. उन्होंने कहा कि स्वीप एक्टिविटी में हिस्सेदारी निभाने से सभी लोग मतदान करने के लिए प्रेरित होंगे. स्वीप मतदाता शिक्षा, मतदाता जागरूकता का प्रचार-प्रसार करने एवं मतदाता की जानकारी बढ़ाने के लिए एक प्रमुख कार्यक्रम है.

मतदाता सूची में नाम दर्ज करने के लिए ऑनलाइन करें आवेदन

- मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए स्वीप एक्टिविटी में भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील
- चेंबर सहित अन्य संस्थानों के साथ स्वीप एक्टिविटी का आयोजन किया जाएगा

बैठक में मौजूद नगर आयुक्त रवि राज शर्मा ने कहा कि जिन मतदाता का नाम वोटर लिस्ट में नहीं है वे वोटर हेल्पलाइन एप के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करें . उन्होंने कहा कि मतदान करने के लिए वोटर लिस्ट में नाम होना अनिवार्य है . मतदाता निर्वाचन आयोग द्वारा प्राधिकृत 12 पहचान पत्र में से किसी एक का उपयोग कर मतदान कर सकते हैं . बैठक में डीसी वरुण रंजन, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अंकिता कुजूर, सहायक नगर आयुक्त संतोषिनी मुर्मू, चेंबर ऑफ कॉमर्स के राजेश कुमार गुप्ता शामिल थे.

घायलों की मदद करने वालों को पुलिस देगी इनाम

संवाददाता। मैथन

पुलिसिंग व्यवस्था को और भी सुदृढ़ करने के उद्देश्य से रविवार को गलफरबाड़ी ओपी में नये ओपी प्रभारी नितिश कुमार ने गेट टूगेदर कार्यक्रम रखा. निरसा एसडीपीओ रजत माणिक बाखला मुख्य रूप से उपस्थित थे. लोगों ने पेट्रोलिंग तेज करने, पुलिस जीप में साइरन का उपयोग करने, बीच बीच में गांवों में जीप खड़ी कर पैदल पेट्रोलिंग करने, स्टंट करने वाले बाइकर्स पर लगाम कसने, गांव के स्कूल में कार्यक्रम कर जागरूकता लाने सहित अन्य बातों को रखा. कहा गया कि आम लोगों से पुलिस का समन्वय स्थापित करना जरूरी है. निरसा एसडीपीओ एवं नये ओपी प्रभारी ने एक्सिडेंट में घायलों की मदद करने वालों को इनाम देने की बात कही. कहा गया

कि अपराध पर नियंत्रण के लिये पुलिस मुस्तैद रहेगी. आम लोग उनसे सीधा संपर्क कर सकते हैं. जरूरत पड़ी तो आपातकालीन 112 नंबर डायल कर दें पुलिस तुरंत पहुंच जायेगी. सबसे पहले सभी ने एसडीपीओ बाखला और नये ओपी प्रभारी कुमार को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया. मौके पर जिप सदस्य बादल चन्द्र बाउरी, तपन बाउरी, लखी देवी, मुखिया अजय राम, अर्जुन सिंह, दीपक सिंह, ठाकुर प्रसाद, सुकरा गोप, पपाई घोष, चंचल गोराई, बप्पा गोस्वामी, सूरज गुप्ता, अनवर हुसैन, शौकत अली के अलावे ग्रामीण मौजूद थे.

मोदी के कार्यक्रम को लेकर डीसी ने प्रतिनियुक्त किये नोडल अधिकारी

पीएम मोदी के कार्यक्रम को लेकर पुख्ता तैयारी

संवाददाता। धनबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक मार्च को सिंदरी स्थित हर्ल के उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर पुख्ता तैयारी की जा रही है. जिला प्रशासन ने अपनी तैयारी में जगह जगह नोडल अधिकारी नियुक्त किये हैं . उपायुक्त वरुण रंजन ने प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर अलग अलग नोडल अधिकारी बनाये हैं. जिसमें प्रधानमंत्री कार्यालय एवं झारखंड सचिवालय से समन्वय स्थापित करने के लिए एडीएम लॉ एंड आर्डर को नोडल अधिकारी बनाए गए हैं. इसके साथ ही एडीएम हीं कार्यक्रम में आने वाले एवं भाग लेने वाले सभी व्यक्तियों, पदाधिकारियों, कर्मियों एवं मीडिया कर्मियों को पहचान पत्र निर्गत करेंगे. इनके साथ जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, धनबाद प्रतिनियुक्त रहेगें.

हवाई अड्डा एवं हैलीपैडः कार्यक्रम के मद्देनजर हर्ल, बरबड्डा हवाई अड्डा एवं बलियापुर हवाई पट्टी में हैलीपैड से संबंधित सभी व्यवस्था कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमण्डल करेंगे . हर्ल में भ्रमण कार्यकम के सम्पूर्ण प्रभार में उप-विकास आयुक्त, धनबाद रहेंगे. हैलीपेड के लिए जिला पंचायती राज पदाधिकारी, धनबाद नोडल पदाधिकारी होगें.कंट्रोल रूम एवं रुट लाइन के लिए महेश्वर महतो, सहायक नगर आयुक्त, धनबाद नोडल पदाधिकारी होगें . प्रधानमंत्री के बरवाअड्डा में भ्रमण कार्यकम के सम्पूर्ण प्रभार में नगर आयुक्त रहेंगे. बरवाअड्डा हेलीपैड एवं स्वागत के लिए जिला खनन पदाधिकारी नोडल पदाधिकारी होगें .

यहां पंडाल की व्यवस्था के लिए जिला आपूर्ति पदाधिकारी नोडल पदाधिकारी होगें . प्रधानमंत्री के हेलीपेड से मंच तक भ्रमण से सबंधित सभी व्यवस्थाएं प्रकाश कुमार, सहायक नगर आयुक्त करेंगे . अपर समाहर्ता के ऊपर पूरे कंट्रोल रूम का भार होगा . ट्रैफिक व्यवस्था से संबंधित मामले के लिए मो० सबीर आलम, सिटी मैनेजर रहेगें. प्रस्तावित कार्यक्रम के मद्देनजर परिसदन भवन के सभी व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, धनबाद सदर को नोडल पदाधिकारी बनाया गया है.

नगर निगम करेगा साफ सफाई एवं सड़कों की मरम्मत

उपायुक्त ने नगर निगम के नगर आयुक्त को निर्देश दिया है कि कार्यकम स्थल एवं उसके आस-पास के क्षेत्र अन्तर्गत सड़क की मरम्मत, समतलीकरण, साज-सज्जा, साफ-सफाई, लाइट की व्यवस्था, झाड़ी का कटाई आदि एवं अन्य आवश्यक व्यवस्था करें .ट्रैफिक व्यवस्था के लिए पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) नोडल पदाधिकारी होगें . मीडिया को जानकारी एवं विभिन्न स्थलों पर बैनर / होर्डिंग आदि की व्यवस्था करने हेतु जिला जन-सम्पर्क पदाधिकारी को नोडल पदाधिकारी बनाया गया है. वहीं प्रधानमंत्री के आगमन से लेकर प्रस्थान तक एम्बुलेंस से लेकर चिकित्सक की तैनाती के लिए सिविल सर्जन को नोडल अधिकारी बनाया गया है.

उपायुक्त ने की प्रशिक्षण कोषांग की तैयारियों की समीक्षा

धनबाद। उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी वरुण रंजन ने रविवार को समाहरणालय में प्रशिक्षण कोषांग की तैयारियों की समीक्षा की. उन्होंने प्रशिक्षण कोषांग से आगामी लोकसभा निर्वाचन की तैयारियों के बारे में जानकारी ली. इस अवसर पर मुख्य प्रशिक्षक दिलीप कुमार कर्ण ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से मतदान पदाधिकारियों के प्रशिक्षण के बिंदुओं से अवगत कराया. साथ ही स्लाइड्स में अंकित बिंदुओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी. उपायुक्त ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान ही गूगल शीट के माध्यम से पोलिंग पर्सनल का मूल्यांकन लिया जाय और उसका परिणाम भी उन्हें बताया जाय. उन्होंने ईवीएम के हैंड्स ऑन प्रशिक्षण पर जोर देने का निर्देश दिया. उपायुक्त ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) एप डेवलप किया जा रहा है. इसमें सारी महत्वपूर्ण जानकारी रहेंगी और उस पर मूल्यांकन भी किया जा सकेगा. साथ ही कहा कि पोलिंग पार्टी के सुलभ सहायता के लिए प्रत्येक बूथ पर लॉजिस्टिक पार्ट को मजबूत किया जा रहा है. उन्होंने पावर प्वाइंट में ईवीएम मूवमेंट के संबंध में आवश्यक तथ्य को शामिल करने का निर्देश दिया.प्रशिक्षण कोषांग के नोडल पदाधिकारी सह एलआरडीसी नरेश रजक ने भी क्रमवार तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि अगले माह एसएसएलएनटी महिला महाविद्यालय, पीके राय महाविद्यालय तथा गुरुनानक महाविद्यालय में मतदान पदाधिकारियों का प्रशिक्षण कार्य प्रारंभ किया जाएगा. इसका कैलेंडर बना लिया गया है.

गरीब का बेटा ढुल्लू जनता को लूटकर अरबपति बन बैठा हैः सूरज महतो

संवाददाता। कतरास

अपने आप को गरीब का बेटा बताने वाले विधायक ढुल्लू महतो अचानक हजारों हजार करोड़ों का मालिक कैसे हो गया.जिस ढुल्लू पर बाघमारा की जनता ने विश्वास कर उसे चंदा देकर विधायक बनाया, आज वह व्यापारी बन बैठा है.उक्त बातें रविवार को जन शक्ति दल द्वारा आयोजित बाघमारा परिवर्तन पदयात्रा को संबोधित करते हुए दल के सुप्रीमो सूरज महतो ने कही .उन्होंने विधायक पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कोयला चोरी ढोल पीटने वाले ढुल्लू कोयला चोरों का सरदार है. 15 सालों में विधायक ने बाघमारा को लूटने का काम किया है. इनकी गलत कार्यो के कारण पूरे देश में बाघमारा का नाम बदनाम हुआ है. अब जनता इनकी

गलत कारनामों से वाकिफ हो चुकी है. अगर जनता का आशीर्वाद मुझे प्राप्त हुआ तो जनता का लूटा हुआ पैसा शुद्ध समेत वापस दिलवाने का काम करुंगा. इसके पूर्व सूरज महतो अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ कतरास राहुल चौक से पद यात्रा कर कतरास बाजार भटमुडना पंचगढी थाना चौक होते का भ्रमण करते हुए सूर्य मंदिर परिसर पहुंचे, जहां पद यात्रा सभा में तब्दील हो गई .मौके पर शंभू पाण्डेय, मो सुल्तान, रणधीर महतो, सुरेश महतो, बलराम महतो, महादेव दास,सोनू सिंह, रविन्द्र रजवार, सोनू चौधरी, प्रवीन शर्मा, सरयू राम, राजकुमार तिवारी, सुबोध महतो, सतीश,प्रकाश सहित अन्य लोग उपस्थित थे.

पंचेत ओपी के नए प्रभारी प्रभात रंजन ने पदभार संभाला

निरसा। पंचेत ओपी के नए प्रभारी प्रभात रंजन राय ने पदभार संभाल लिया है. क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने रविवार को ओपी पहुंचकर नए ओपी प्रभारी का स्वागत किया. प्रभात रंजन राय ने उनसे क्षेत्र की समस्याओं की जनकारी ली.

साथ ही सभी जनप्रतिनिधियों को अपना पर्सनल नंबर देते हुए कहा कि किसी भी समय उन्हें फोन कर समस्या से अवगत करा सकते हैं. मिल-बैठककर उनका समाधान किया जाएगा. बिचौलियों के चक्कर में पड़ने की जरूरत नहीं है.

विस्थापितों के साथ हो रहा सौतेला व्यवहार : अमरदीप

संवाददाता। कतरास

केशलपुर ग्रीन पार्क में विस्थापित संघर्ष मोर्चा का रविवार को मिलन समारोह का आयोजन किया गया . जिनकी अध्यक्षता सागर महतो ने की. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित विस्थापित संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष अमरदीप महतो ने कहा कि बीसीसीएल विस्थापितों के साथ सौतेला व्यवहार कर रहा है. विस्थापितों की जमीन पर पहाड़ और खाई बनाकर जमीन को बर्बाद कर दिया. विस्थापितों के रोजगार की कोई व्यवस्था नहीं हो रही है. जबरन जमीन अधिग्रहण की जा रही है. रैयती की जमीन बाहरी ठेकेदारों को ठेकेदारी देकर माला माल कर रही है और विस्थापितों रैयतों की हकमारी कर

रही है. कहा गया कि बीसीसीएल 75 प्रतिशत रोजगार साथ-साथ जितने भी ठेकेदारी के काम हो रहे हैं विस्थापित परिवार को दे नहीं दो कंपनी के खिलाफ उग्र आंदोलन किया जाएगा. विस्थापित संघर्ष मोर्चा बाहरी ठेकेदार और कंपनी को विस्थापित क्षेत्र से खेदने का काम करेंगे . मौके पर सुनील महतो ,,रॉबिन महतो ,दिलीप महतो, उमेश सिंह, विक्की प्रमाणिक, विजय दास श्याम पांडे पवन कुमार पप्पू प्रमाणिक,,बिट्टू महतो, विशाल महतो मौजूद थे.

मजदूरों के लिए ईमानदारी से काम करें: आशनी सिंह

संवाददाता। धनबाद

राष्ट्रीय जनता कामगार संघ के कार्यकारिणी की बैठक रविवार को पृथ्वी मेंशन में हुई. संघ के सदस्यों ने अध्यक्ष इंदू देवी और महामंत्री आशनी सिंह का स्वागत किया. इस दौरान संघ की मजबूती पर व्यापक चर्चा हुई . आशनी सिंह ने कहा कि मजदूरों की समस्याओं पर ईमानदारी से काम करने की जरूरत है. बैठक में सुनील कुमार सिंह, मिथिलेश कुमार तिवारी, कौशल सिंह, नरेश यादव, अंगद सिंह, तिलक पासवान, कुमार नंदगोल, आलोक वर्मा, आशीष भानु सिंह, गुप्तेश्वर सिंह, विकास कुमार सिन्हा, प्रशांत कुमार, मोनू सिंह, विमलेश सिंह, अनिरुद्ध सिंह, रतिश कुमार सिंह, राहुल सिंह, मो. सददाम आदि मौजूद थे.

अमन चैन रखना प्राथमिकता : राजीव

निरसा। मासस के मीडिया प्रभारी सह कालूबथान पूलिस जन सहयोग समिति के संयोजक जितेन दे एवं आंखद्वारा पंचायत के पंचायत समिति सदस्य नवनी दां ने कालूबथान ओपी में पदस्थापित नये ओपी प्रभारी राजीव प्रकाश का शॉल ओढाकर स्वागत किया. वहीं जितेन दे ने ओपी प्रभारी से कहा कि कालूबथान क्षेत्र काफी शांतिपूर्ण क्षैत्र है . यहां के अधिकतर लोग खेती बाडी व मजदूरी कर खट कमाने वाले हैं. लेकिन कभी कभी ऐसा होता है कि आपसी झुठे मामले में फंसकर चालाक लोगों के चंगुल में फंसकर थाना पुलिस व कोट कचहरी का चक्कर काट काटकर अपना सबकुछ बर्बाद कर देता हैं, इसलिए किसी भी आवेदन की सही से जांच पडताल करने के बाद ही आगे की कार्रवाई करें.

संत निरंकारी मिशन धनबाद जोन के राजेंद्र के नेतृत्व में कार्यक्रम

कतरी नदी व मंदिर की सफाई की गई

संवाददाता। कतरास

प्रोजेक्ट अमृत के तहत देशव्यापी कार्यक्रम के तहत संत निरंकारी मिशन धनबाद जोन के अनुयायी राजेंद्र शिवहरे के नेतृत्व में चिह्नित स्थल मां लिलौरी स्थान परिसर व वहां स्थित कतरी नदी का सफाई अभियान चलाया गया.इस दौरान संत निरंकारी मिशन के अनुयायियों के द्वारा कतरी नदी और मां लिलौरी मंदिर परिसर की अभूतपूर्व सफाई की गई.अभियान में मिशन के धनबाद प्रमुख जी एस मित्तल बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए।मां लिलौरी स्थान परिसर सहित नदी घाट की युद्ध स्तर पर साफ सफाई देखते ही बन रही.यहां तक कि नदी के जल को भी स्वच्छ करने के उद्देश्य से नदी के कचरे की सफाई भी की गई.

1500 चिह्नित स्थलों की सफाई

मिशन प्रमुख जी एस मित्तल जी ने इस सम्बंध में कहा कि इस देशव्यापी कार्यक्रम के तहत देशभर में करीब 1500 चिह्नित स्थलों की सफाई की जानी है . जिसको लेकर आज धनबाद में भी यह अभियान चलाया गया है . स्वच्छ जल स्वच्छ मन के उद्देश्य को लेकर यह अभियान चलाया ज रहा है . इस अभियान में केंद्रीय प्रकति मंत्रालय सहित सभी विभागों और आमजनों का भरपूर सहयोग मिल रहा है . वहीं सफाई अभियान को लेकर मंदिर में आ रहे श्रद्धालुओं ने अभियान के कार्य को सराहना की .श्रद्धालुओं का मानना है कि मिशन के द्वारा इस अभियान से आमजनों की आंखे खोलने का काम किया है .

ऑनलाइन बुलेट खरीदने में गंवाए 60 हजार रुपए

धनबाद। आनलाइन बुलेट खरीदने के चक्कर में एक बीसीसीएल कर्मी से 60 हजार रुपए की साइबर ठगी हो गई है. मामले की शिकायत करने पीड़ित सरायढेला निवासी सूरज नेगी साइबर थाना पहुंचे थे. घटना के संबंध में बताया कि वह बुलेट बाइक खरीदना चाहते थे. इसी बीच फेसबुक पर उन्हें सेकेंड हैंड बुलेट बाइक बिक्री की दिखी, जिसकी कीमत मात्र 35 हजार रुपए बताई जा रही थी. इस पर उन्होंने फोन किया. उसने बताया कि वह गिरिडीह का रहने वाला है. बताया कि उसका एक एप है, जिससे वह अपना सैकेंड हैंड बाइक बेचने का बिजनेस करता है. अगर इस एप के जरीए वह बाइक खरीदेंगे तो तीन हजार रुपए और कम कर दिया जाएगा. इसके बाद उसने एक लिंक बीसीसीएल कर्मी को भेजी. सूरज ने जब उस लिंक को छुआ तो थोड़ी देर के बाद उसके खाते से 60 हजार रुपए गायब हो गए.

गोल संस्था | निदेशक संजय आनंद ने फाइनल टच देने का सटीक मार्गदर्शन दिया

70 दिन की रणनीति नीट में सफलता का रास्ता तय करेगी

संवाददाता। धनबाद

मेडिकल व इंजीनियरिंग की तैयारी कराने वाली संस्थान गोल ने अपने छात्रों के बीच सेमिनार का आयोजन किया. धनबाद केंद्र निदेशक संजय आनंद ने नीट के बचे 70 दिनों में सफलता के छुपे रहस्यों की जानकारी दी एवं फाइनल टच देने की बहुत ही सटीक रणनीति एवं अनिवार्य मार्गदर्शन दिया. उन्होंने कहा कि छात्र बिना थके, बिना हारे, बिना रुके अपनी पढ़ाई को जारी रखें. शिक्षकों के पढ़ाए गये नोट्स, स्टडी मैटेरियल्स, ऑल इंडिया टेस्ट, स्पॉर्ट टेस्ट एवं डीपीपी का सही तरीके से अध्ययन कर अपने ड्रीम कॉलेज को पा सकते हैं. छात्रों को टिप्स देते हुए संजय ने कहा कि हर एक टेस्ट सफलता की ओर एक कदम है. कभी ना छोड़ें एवं टेस्ट पेपर का विश्लेषण के बाद अपने कमियों पर काम करें. अपने मार्क्स की तुलना दूसरों से ना करें. मार्क्स कम हो या ज्यादा से न ही घबरायें और न ही अति-आत्मविश्वासी बने. हर दिन अपना बेस्ट दें. आज के डाउट्स को डिस्कशन एवं टीचर्स के सहयोग से आज ही क्लियर कर शॉट नोट्स में लिखें .

अपनी क्षमता अनुसार हर दिन कितने प्रश्नों को सॉल्व करें? निगेटिव मार्किंग से कैसे बचें? स्टडी रूटीन कैसी हो? क्या, कब और कैसे पढ़ें? क्या ना पढ़ें? मार्क्स को कैसे बढ़ाएं? फियर फैक्टर से कैसे बचें? थ्यूरिटिकल, फॉर्मूला बेस्ड, मेमोरी बेस्ड के साथ ही कॉसेप्चुअल एवं लॉजिक बेरड एशरशन-रिजन जैसे प्रश्नों की तैयारी कैसे करें? ऐसी तमाम प्रश्नों को अपने विशेषज्ञ से मिलकर समाधान लें. कभी भी निगेटिव दबाव, तनाव नहीं लें बल्कि जवाबदेही को समझे, नींद पूरी करें, निगेटिव चीजों से दूर रहें, जो टाइम कील करे. फिजिक्स, फिजिकल केमेस्ट्री, इन-ऑर्गेनिक और ऑर्गेनिक एवं बायोलॉजी के लिए समयानुसार अलग-अलग तरीके से रणनीति बनाकर समय का सही सदुप्रयोग करें.

वर्षा वर्मा को शिक्षा पर मिली पीएचडी की उपाधि

कतरास। टाटा स्टील सिजुआ ग्रुप के संवेदक बीएन लाल की पत्नी वर्षा वर्मा ने शिक्षा विषय पर पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है. वर्षा राजस्थान स्थित जेजेटीयू यूनिवर्सटी से उसने सत्र 2019-23 तक शिक्षा ग्रहण किया. संस्था के अध्यक्ष डा देवेंद्र सिंह ढुल ने एक भव्य कार्यक्रम में पीएचडी की उपाधि दी. वर्षा वर्मा ने बताया कि देश में शिक्षित समाज की आवश्यकता को देखते हुए शिक्षा विषय पर खोज किया.इस खोज पर मेने पीएचडी की उपाधि हासिल की.उन्होंने कहा कि भविष्य में वह शिक्षा के क्षेत्र में काम करना चाहती है. समाज में शिक्षा का अलख जगाना उनका उद्देश्य है. इस बेहतरीन सफलता का श्रेय अपने पति को देते हुए कहा कि उनसे पूरा सहयोग मिला.

आजसू ने 23 युवाओं को नौकरी दिलाने में मदद की :शेखर वर्मा

संवाददाता। तेतुलामारी

बीसीसीएल सिजुआ क्षेत्र संख्या 5 के चंदौर बस्ती के रैयत व बेरोजगार युवकों ने शेखर वर्मा के नेतृत्व में आजसू के बैनर तले रविवार को प्रेस वार्ता का आयोजन किया . प्रेस वार्ता में वक्ताओं ने कहा कि तेतुलमारी चंदौर पैच में जब से चेन्नई राधा आउटसोससिंग यी है सभी नेता अपना उल्लू सीधा करने में लगे हैं. किसी भी नेता के द्वारा आज तक एक भी नियोजन दिलाने का कार्य नहीं किया गया है. जबकि आजसू के जिला उपाध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि नरेश महतो ने कंपनी के आते ही 23 बेरोजगार युवाओं को नियोजन दिलाने का काम किया है. आज भी

रैयतों के नियोजन व मुआवजा को लेकर संघर्ष कर रहे हैं. लेकिन कुछ नेता रैयत बेरोजगार युवकों को दो माह से एलएलपी कंपनी में नियोजन दिलाने काम झूठा आश्वासन देकर बरगलाया जा रहा है. जो अब ऐसा नहीं होगा. चंदौर बस्ती के युवक आजसू के बैनर तले कंपनी में रोजगार लेने का काम करेगी. प्रेस वार्ता में शेखर वर्मा, भरत वर्मा, विकास बाउरी, प्रदीप बाउरी, प्रशांत वर्मा, सूरज वर्मा शामिल थे.

ब्रीफ खबरें

लिपिक और कंप्यूटर ऑपरेटरों का स्थानांतरण

बोकारो। लोकसभा चुनाव 2024 को ध्यान में रखकर राज्य से लेकर जिले में तबादलों का दौर जारी है. इस क्रम में बोकारो उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी विजया जाधव के आदेश पर अवर निबंधन कार्यालय में कार्यरत कई लिपिक एवं कंप्यूटर ऑपरेटर का स्थानांतरण किया गया है. तबादला हुए सभी कर्मियों को 26 फरवरी तक नई पदस्थापना एवं स्थानांतरित कार्यालय में योगदान देने को सुनिश्चित करने को कहा गया है.इनमें प्रधान लिपिक सरिता कुमारी मिश्र तथा निम्न वर्गीय लिपिक सत्येंद्र कुमार राम का स्थानांतरण जिला अपर निबंधन कार्यालय चास से अवर निबंधन कार्यालय बेरमो (तेनुघाट) किया गया है.

बोकारोः झुग्गीवासियों ने सेक्टर चार में की बैठक

बोकारो। बोकारो के सेक्टर 4 जी स्थित झोपड़पट्टी में रविवार शाम झुग्गी-झोपड़ी वासी सह फुटपाथ दुकानदार महासंघ की बैठक हुई. बैठक में आगामी 6 मार्च को नगरसेवा भवन के घेराव को सफल बनाने को लेकर चर्चा हुई. बताया गया कि बोकारो इस्पात नगर प्रशासन विभाग के अतिक्रमण हटाओ अभियान के खिलाफ अब झुग्गी-झोंपड़ीवासी भी संगठित हो रहे हैं.बैठक की अध्यक्षता महासंघ के संरक्षक सह आम आदमी पार्टी के प्रदेश मीडिया सह प्रभारी कुमार राकेश ने की.

स्कॉर्पियो- बाइक की की टक्कर में दो घायल

साहिबगंज। बरहेट थाना क्षेत्र के साहिबगंज गोविंदपुर मुख्य मार्ग अंतर्गत तलबड़िया चौक समीप स्कॉर्पियो एवं मोटरसाइकिल की टक्कर से दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों में मोटरसाइकिल चालक सन्मानी गांव निवासी चुन्नू मुर्मू (25) ओर चुन्नू सोरेन (26) हैं. वे लिट्टीपाड़ा से फुटबॉल मैच देखकर वापस बरहेट लौट रहे थे, इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे स्कॉर्पियो का संतुलन खोने से सीधे मोटरसाइकिल से टक्कर हो गई.

नव पदस्थापित थाना प्रभारी का स्वागत

कसमार (बोकारो)। बोकारो जिले के कसमार थाना में नव पदस्थापित थाना प्रभारी भजन लाल महतो एवं एसआई रंजन कुमार का स्वागत रविवार को कसमार प्रखंड मुखिया संघ ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया. इस दौरान मुखिया संघ के अध्यक्ष हारु रजवार, संघ के सचिव चन्द्रशेखर नायक, उपाध्यक्ष अमरेश कुमार महतो, राजेन्द्र महतो ने नये थाना प्रभारी से क्षेत्र में अमन चैन व शांति व्यवस्था कायम रखने की बात कही. मुखिया संघ ने थाना प्रभारी से क्षेत्र में चल रहे अवैध शराब, जुआ जैसे मामलों पर अंकुश लगाने की बात कही. इस दौरान उन्होंने मुखिया संघ के सदस्यों का आभार व्यक्त किया.

भू विस्थापितों की समस्या को लेकर की गई बैठक

गोड्डा। ईसीएल द्वारा भूविस्थापितों की समस्या को लेकर सोमवार को ललमटिया स्थित माकपा नेता अशोक साह के आवास पर एक बैठक आयोजित की गई. बैठक मे छोटा भोडाय के रैयतों को अभिलंब स्थापित करने एवं छूट गए रैयतों को अविलंब प्लॉट आवंटित करने, राजमहल परियोजना के आउटसोर्सिंग कंपनी में बेरोजगारों को रोजगार देने, बड़ा भोडाय के रैयतों को ललमटिया कॉलोनी में बसे हुए परिवार को प्लॉट आवंटित करने तथा सीएचपी में कामगारों को बकाया राशि का भुगतान करने की मांग को लेकर बैठक में चर्चा की गई.

गिरिडीह में बनने वाले क्रिटिकल केयर अस्पताल में सभी आधुनिक सुविधाएं होंगी

अस्पताल का पीएम ने किया ऑनलाइन शिलान्यास

संवाददाता। गिरिडीह

मोहलीचूआ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 100 बेड के क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल का रविवार की शाम आनलाइन शिलान्यास किया. सिविल सर्जन डॉ एसपी मिश्रा ने बताया कि 3.4 एकड़ में निर्माण की जाने वाली क्रिटिकल केयर अस्पताल में सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होगी. कहा कि 52 करोड़ की लागत से यह क्रिटिकल हॉस्पिटल बनाया जा रहा है. प्रधानमंत्री ने राजकोट से झारखंड के 7 जिलों में कुल 9 चिकित्सा संस्थानों का आनलाइन शिलान्यास किया. इधर सिविल सर्जन के अलावा पूर्व विधायक निर्भय सहवादी, सांसद प्रतिनिधि दिनेश यादव, भाजपा नेता चुन्नूकांत, विनय सिंह ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक शाहाबादी ने कहा कि प्रधानमंत्री का गिरिडीह को यह अनुपम भेट है. स्वास्थ्य के क्षेत्र में गिरिडीह नई ऊंचाइयां तय करेगा.

विधायक आए और चले गए

शिलान्यास समारोह में गिरीडीह विधायक सुदीप्य कुमार सोनू भी आमंत्रित थे. कार्यक्रम स्थल पर सोनू आए भी पर चंद मिनट में ही कार्यक्रम स्थल से निकल गए. दरअसल यह कार्यक्रम सरकारी न रहकर भाजपा का बनकर रह गया था. संभवत विधायक को यह रास नहीं आया. मामले में विधायक से संपर्क साधने की कोशिश की गई, पर उनसे संपर्क नहीं हो पाया. वहीं गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी को भी कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था पर संसद की अनदेखी लगातार जारी है.

प्रधानमंत्री मोदी का गोड्डा स्टेशन पर होगा संबोधन

संवाददाता। गोड्डा

अमृत स्टेशन विकास योजना के तहत गोड्डा स्टेशन पर रविवार को कार्यक्रम आयोजित किया गया है. देश के 554 स्टेशन का एक साथ ऑनलाइन संबोधन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाना है. देश के चुनिंदा स्टेशन में गोड्डा का नाम शामिल होना एक गौरव की बात है. इस योजना के तरह स्टेशन को खूबसूरत बनाया जाना है साथ ही बुनियादी सुविधाओं को भी उपलब्ध करवाना है इसके लिए एक्सीलेटर का निर्माण पाथवे का निर्माण एवं अन्य सुविधाएं को उपलब्ध करवाया जायेगा.

ऑनलाइन संबोधित करेंगे: इस अवसर पर पीएम ऑनलाइन संबोधित करेंगे जिसमे गणमान्य लोग भी शामिल होंगे. इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है जिसे बच्चे भाग लेंगे तथा पूर्व में चयनित बच्चों को पुरस्कृत भी किया जाएगा. ज्ञात हो कि गोड्डा में रेलबका आगमन महज दो साल पहले ही हुआ है. इतने कम दिनों में गोड्डा स्टेशन पर एक एक दर्जन के करीब गाड़ियों का परिचालन किया जा रहा है इसमें लंबी दूरियों की गाड़ी दिल्ली कोलकाता टाटा रांची पटना लखनऊ की गाड़ियां शामिल है. इसे सफल बनाने के लिए रेलवे के अधिकारी गोड्डा पहुंचकर कार्यक्रम की मॉनिटरिंग कर रहे हैं.

हाथियों का आतंक जारी,दो महिलाओं को सूंड़ से उठाकर फेंका, जख्मी

गोमिया में जंगली हाथी ने वृद्ध को पटककर मार डाला

संवाददाता। बोकारो

बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड में रविवार सुबह झुंड से बिछड़े एक जंगली हाथी ने जमकर तांडव मचाते हुए एक वृद्ध को पटककर मार डाला, वहीं दो महिलाओं पर भी हमला कर सूंड़ से उठाकर फेंक दिया, जिससे दोनों महिलाएं गंभीर रूप से घायल हैं. दोनों घायल महिलाओं को बोकारो जेनरल अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है. जानकारी के अनुसार रविवार सुबह 6 बजे गोमिया प्रखंड के कोदवाटांड़ गांव में झुंड से बिछड़ा एक जंगली हाथी गांव में प्रवेश कर गया और कोदवाटांड़ के टोला बंगलाटांड़ में हाथी ने 64 वर्षीय बुजुर्ग सानू मुर्मू पर हमला कर उसे कुचलकर मार डाला. घटना सानू मुर्मू के घर के समीप ही घटी है. घटना की सूचना मिलते ही सैंकड़ों की संख्या में ग्रामीण जूट हुए हैं.

गोमिया के कोदवाटांड़ में हाथी के हमले के बाद जुटी भीड़ व पुलिस.

सूंड़ से उठाकर फेंके गए दोनों घायल.

कई लोंगों ने भाग कर बचाई जान

कोदवाटांड़ की घटना के बाद हाथी ने थोड़ी दूरी पर माड़घाटी के सामने लकड़ी लेने गई ललपनिया बैंक मोड़ निवासी भीम तुरी की पत्नी मंजरी देवी को भी घायल कर दिया. उसे टीटीपीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया, इसके बाद सीएचसी गोमिया ले जाया गया है. कोटवाटांड़ से पहले हाथी चेलियाटांड़ गांव में घुसा था, जहां गांव की एक 24 वर्षीय महिला सुहानी हेंब्रम घर के निकट अपने कुएं में पानी लेने के लिए गई थी. तभी हाथी ने उस पर हमला कर दिया. जिससे महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई है. सुहानी के आसपास और भी कई महिलाएं थी, जो किसी तरह जान बचाकर भाग गईं. सुहानी हेंब्रम का पति महाराष्ट्र में काम करने गया है. आसपास के ग्रामीणों ने उसे फौरन गोमिया अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से बेहतर इलाज के लिए उसे बोकारो जेनरल अस्पताल रेफर कर दिया गया है. जानकारी के अनुसार झुंड में तीन हाथी थे. दो हाथी चेलियाटांड़ की ओर से जंगल चले गए, वहीं एक हाथी भटककर कोदवाटांड़ की ओर आ गया है, जिससे ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है.

अबुआ आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृति पत्र वितरण समारोह

मुख्यमंत्री के हाथों 73,59,60,000 रुपये किस्त के रूप में हस्तांतरित

संवाददाता। साहिबगंज

बरहेट प्रखंड के भोगनाडीह स्थित फुटबॉल मैदान तीन जिलों साहिबगंज, पाकुड़, गोड्डा के लाभुकों के बीच अबुआ आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृति पत्र वितरण समारोह में मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने हिस्सा लिया.मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के हाथों से 73,59,60,000 किस्त के रूप में डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई.वहीं योजना के तहत साहिबगंज,पाकुड़ और गोड्डा के 24573 परिवारों को प्रथम चरण में आवास देने का लक्ष्य है.

वंशजों से मुलाकात की: मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन द्वारा सर्वप्रथम अमर शहीद सिद्धो कान्हो कि प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. इसके उपरांत मुख्यमंत्री ने वीर शहीद सिद्धो कान्हो के वंशजों से मुलाकात भी की.वहीं मुख्यमंत्री एवं आदरणीय अतिथिगणों का पारंपरिक संथाली नृत्य से स्वागत किया गया.अबुआ आवास योजना अंतर्गत स्वीकृत पत्र वितरण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री एवं अतिथिगणों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर विधिवत कार्यक्रम का शुभारंभ किया. कार्यक्रम में मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन का उपायुक्त साहिबगंज हेमंत सती ने पौधा देकर स्वागत किया.वहीं तीन जिलों जैसे साहिबगंज, पाकुड़, गोड्डा के लाभुकों के बीच अबुआ आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृति पत्र वितरण समारोह में मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने हिस्सा लिया. मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के द्वारा साहिबगंज के 7911,पाकुड़ के 6649,गोड्डा के 9972 जरूरतमंद को अबुआ योजना का लाभ मिला.

अवैध शराब निर्माण कारोबारी के यहां छापा, स्प्रिट जब्त की गई

संवाददाता। गोड्डा

अवैध रूप से देसी शराब का निर्माण करने और उसे बिक्री करने के कारोबार में संलिप्त कारोबारी के घर मुफ्फसिल थाना की पुलिस ने छापेमारी कर भारी मात्रा में शराब निर्माण मैं प्रयुक्त होने वाली सामग्री को जब्त की है. मामला गोड्डा मुफस्सिल थाना अंतर्गत ग्राम साबेजोड़ा का है. इस बात की जानकारी देते हुए सदर एसडीपीओ जेपीएन चौधरी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के बाद उनके निर्देश पर विशेष दल का गठन किया गया. प्रशिक्षु डीएसपी सह मुफस्सिल थाना प्रभारी कुमार गौरव के नेतृत्व में पुलिस की टीम एवं उत्पाद विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से छापेमारी की.

यह छापेमारी ग्राम साबेजोड़ा स्थित स्व मांगन मंडल के खाली पड़े झोपड़ीनुमा आवास पर की गई. जिसमें निरंजन मंडल शराब निर्माण का कार्य कर रहा था. छापेमारी की टीम आने से पहले ही निरंजन मंडल फरार हो चुका था. छापेमारी में स्प्रिट से भरी 20 जरकिन बरामद की गई है. जिसमें छह सौ लीटर स्प्रिट था.

भालू के बच्चे को घर पर रखने के आरोपी को जेल

गोड्डा। जंगली प्राणी भालू के बच्चे को घर पर रखे होने की सूचना पर वन विभाग में कार्रवाई करते हुए भालू के बच्चे को बरामद कर लिया जबकि इस घर पर रखने की आरोपी गृह मलिक को जेल भेज दिया गया है. मामला गोड्डा जिला अंतर्गत पथरगामा प्रखंड के रानीपुर गांव का है. वन विभाग के अधिकारी संजय कुमार से मिली जानकारी के अनुसार वरीय पदाधिकारी को यह सूचना मिली थी कि रानीपुर गांव में घर पर छुपा कर भालू के बच्चे को रखा गया है. इस सूचना पर टीम बनाकर जब वन कर्मियों को उस गांव में भेजा गया तो आरोपी के घर से छह माह के मादा भालू के बच्चे को बरामद कर लिया गया.

'आप' बोकारो जिला समिति का किया गया विस्तार

संवाददाता। बोकारो

बोकारो के सेक्टर तीन स्थित इग्नू सेंटर में बैठक कर आम आदमी पार्टी बोकारो जिला समिति का विस्तार किया गया. बैठक की अध्यक्षता जिला संयोजक विधान चंद्र राय ने की. बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष हरेंद्र नाथ चौबे और जिला प्रभारी मो मेहबूब आलम मुख्य रूप से उपस्थित थे. प्रदेश संयोजक देवनाथ सिंह की अनुशंसा पर जिला कमिटी का विस्तार करते हुए राजेश कुमार सिंह को महासचिव, धर्मेंद्र शर्मा को कोषाध्यक्ष, अशोक कुमार को सह कोषाध्यक्ष, बैजनाथ गोराई को सह संयोजक, अरविंद विकास को जिला प्रवक्ता, अशोक कुमार को मीडिया प्रभारी, शंभुनाथ चौधरी और बिनोद उपाध्याय को संरक्षक, मंजुला देवी को महिला प्रकोष्ठ ग्रामीण जिला संयोजक, बिनोद दुबे को मजदूर प्रकोष्ठ जिला संयोजक, गयासुद्दीन अंसारी को उपाध्यक्ष बनाया गया.

हेमंत की रिहाई को लेकर झामुमो ने गोमिया में निकाली न्याय यात्रा

केंद्र सरकार घमंड में आकंठ डूबी : योगेंद्र

संवाददाता। बोकारो

बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड के फुटकाडीह बाजार टांड़ में झामुमो ने न्याय यात्रा निकाली. इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि केंद्र की सरकार घमंड में आकंठ डूबी हुई है. देश को तानाशाही के जरिए चलाना चाह रही है. लोकतांत्रिक तरीके से जब एक आदिवासी युवा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की लोकप्रियता से घबरा गए तो तो सत्ता के हनक के तहत साजिशों का ताना बाना बुन कर जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करते हुए हेमंत बाबू को जेल भेजने का काम किया है. उन्होंने कहा कि झारखंड की सवा तीन करोड़ जनता अब जाग चुकी है. केंद्र के इशारे पर हुए सारे खेल को समझ चुकी है और आगामी चुनावों में इसकी भारी कीमत भाजपा को चुकानी पड़ेगी. उन्होंने कहा कि जल्द हेमंत सोरेन की रिहाई नहीं हुई तो आदिवासी मूलवासी व्यापक उग्र आंदोलन करने को तैयार हैं.

कार्यकर्ताओं ने जोरदार तरीके से आवाज बुलंद की

इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की रिहाई एवं न्याय की मांग को लेकर झामुमो कार्यकर्ताओं ने जोरदार तरीके से आवाज बुलंद करते हुए केंद्र सरकार की तानाशाही के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. न्याय यात्रा में लगभग पांच किमी पैदल मार्च करते हुए सभी कार्यकर्ता केरी स्थित रामदास सोरेन चौक पहुंचे. इस दौरान दोनों पूर्व विधायक समेत अन्य कार्यकर्ताओं ने स्व रामदास सोरेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता गोमिया प्रखंड अध्यक्ष लुदू मांझी ने किया.

पोंडा पंचायत कमेटी के प्रभारी बने मणिलाल, मनोज सह प्रभारी

संवाददाता। कसमार (बोकारो)

पोंडा पंचायत के प्राथमिक विद्यालय कोचागोड़ा में रविवार को जेबीकेएसएस कसमार प्रखंड कमिटी की बैठक हुई. इस बैठक में गोमिया विधानसभा पर्यवेक्षक सह प्रभारी अमरेश कुमार महतो और कसमार प्रखंड जोनल प्रभारी भुवनेश्वर महतो मुख्य रूप से उपस्थित रहे. इस दौरान जेबीकेएसएस के पोंडा पंचायत कमिटी का गठन किया गया. जिसमें मणिलाल महतो को पोंडा पंचायत कमेटी का प्रभारी और मनोज कुमार को सह प्रभारी बनाया गया. इसके अलावा शेखर कुमार को मीडिया प्रभारी और जेठु महतो, कृति महतो व नेपाल कुमार महतो को संरक्षक बनाया गया.

टाइगर जयराम महतो को जिताने का लिया संकल्प: बैठक में शामिल लोगों ने लोकसभा चुनाव 2024 में टाइगर जयराम महतो को भारी मतों से जीताकर दिल्ली भेजने का संकल्प लिया. साथ ही झारखंड के जल, जंगल और जमीन समस्याओं का निराकरण करने और इससे जुड़े कानून को प्रभावी रूप से लागू कराने का काम करेंगे. मौके पर मनोज कुमार, संजय कुमार, प्रहलाद कुमार, दिलीप कुमार, मुकेश कुमार, मुकुंद कुमार, ठूपन महतो, कपिलेश्वर, विनय कुमार, सुलोचना देवी, झानूर देवी मौजूद थी.

गिरिडीह पदयात्रा में शामिल सैकड़ों लोगों ने उसरी नदी को बचाने का लिया संकल्प

नदी व पर्यावरण बचाने के लिए घर-घर चलेगा अभियान

संवाददाता। गिरिडीह

- उसरी के बाद प्रदूषण के लिए औद्योगिक क्षेत्र में चलाया जाएगा अभियान : राजेश सिन्हा
- आम और खास को पर्यावरण अभियान से जोड़ना है बड़ा अभियान : कृष्ण मुरारी शर्मा

उसरी नदी को बचाने के लिए उसरी नदी जहां से शुरू हुई है वहां से गिरिडीह तक घर घर नदी और पर्यावरण को बचाने का अभियान चलाया जाएगा. उक्त बातें उसरी बचाओ अभियान के संयोजक मंडली के सदस्य राजेश सिन्हा ने रविवार को पदयात्रा कार्यक्रम में कही. उन्होंने कहा कि उसरी नदी को बचाने और संवारने की दिशा में हम सब मिलकर एक गैर राजनैतिक संगठन के बैनर तले काम कर रहे हैं और परिणाम बहुत जल्द दिखेगा. उसरी नदी के बाद औद्योगिक क्षेत्र में आंदोलन होगा.

हर व्यक्ति का कर्तव्य है

संयोजक मंडली के सदस्य व सामाजिक कार्यकर्ता कृष्ण मुरारी शर्मा ने कहा कि उसरी नदी और पर्यावरण को बचाना हर व्यक्ति का कर्तव्य है. उन्होंने छात्र, नौजवान, मजदूर, किसान सभी से उसरी बचाओ अभियान से जुड़ने की अपील की. जिला बीस सूत्री के उपाध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि उसरी नदी के संरक्षण और संवारने के लिए सरकार जिला प्रशासन गंभीर है. जिला पर्यावरण समिति के सदस्य राजकुमार राज ने कहा कि जिला प्रशासन ने उसरी बचाओ अभियान की सभी मांगों को मान लिया है और उस पर जल्द काम भी शुरू होगा.

सभी का सहयोग जरूरी है

लायंस क्लब के अध्यक्ष अरविंद कुमार ने कहा कि उसरी बचाओ अभियान अच्छा काम कर रहा है. उन्होंने कहा कि अच्छे काम में सभी का साथ और सहयोग जरूरी है. महिला नेत्री कुसुम सिन्हा ने उसरी बचाओ अभियान में नारी शक्ति को आगे आने का आह्वान किया.

महत्वपूर्ण योगदान रहा

पदयात्रा कार्यक्रम को सफल बनाने में उसरी बचाओ अभियान कोर कमेटी के सदस्य और सलाहकार समिति के सदस्य के साथ ही उसरी बचाव अभियान के सभी सदस्य आम और खास लोग का महत्वपूर्ण योगदान रहा, कोर कमेटी के अरविंद कुमार, कुशुम सिन्हा, आलोक मिश्रा, सूरज नयन का योगदान रहा.

विद्यालय के घटिया निर्माण का विरोध करने पर दर्ज कर दी शिकायत

थाने में झूठी शिकायत पर आक्रोश

संवाददाता। गिरिडीह

महेशलुंडी हाई स्कूल बिल्डिंग के घटिया निर्माण का विरोध करने वाले स्थानीय युवकों के खिलाफ थाने में झूठी शिकायत की बात सामने आई है. इसे लेकर आक्रोशित लोगों ने रविवार सुबह भाकपा माले नेता राजेश यादव की अगुवाई में महेशलुंडी में एक बैठक की. लोगों ने वरीय पुलिस अधिकारियों से मामले की जांच और वास्तविक दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की.

मीटिंग करने के उपरांत यादव ने कहा कि पिछले दिनों घटिया निर्माण की बात सामने आने पर उन्होंने उपायुक्त गिरिडीह को इसकी जांच और कार्रवाई को लेकर संगठन के लेटर पैड पर लिखित आवेदन दिया था. जानकारी मिली कि उसके बाद एक 3 सदस्यीय जांच टीम का गठन भी हुआ. लेकिन कल बिना जांच फिर से काम शुरू कर दिए जाने पर स्थानीय कुछ युवकों ने निर्माण स्थल जाकर जानकारी लेनी चाही तो उन युवकों पर मुफ्फसिल थाने में झूठे आरोपों के साथ शिकायत कर दी है. इसी शिकायत पर थाने की एक पुलिस अधिकारी ने नामित लोगों के घर जाकर और फोन करके उन्हें थाना बुलाया है. माले नेता ने कहा कि सभी आरोपित गांव के सीधे साधे और सामाजिक सरोकार वाले व्यक्ति हैं. घटिया स्कूल निर्माण के कारण उन्होंने विरोध किया और इसी आलोक में झूठी शिकायत भी की गई है.

प्राथमिक उर्दू विद्यालय, डुमरौन के मुख्य गेट पर 30 फीट की मीनार बनाने के मामले पर बीईओ ने लिया संज्ञान

मीनार बनाने वाले की पहचान में जुटे इचाक अंचलाधिकारी

शुभम संदेश इंपैक्ट

संवाददाता। हजारीबाग

इचाक प्रखंड के डुमरौन में उर्दू प्राथमिक विद्यालय के मुख्य गेट पर गांव के ही कुछ लोगों द्वारा अपना जमीन बाता कर 30 फीट का मीनार बनाने का मामला सामने आया था. इस मामले में स्कूल के शिक्षक ने इचाक बीईओ को तीन बार आवेदन दिया था. लेकिन शिक्षा विभाग के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई. हालांकि आवेदन देने के बाद बीईओ दो-तीन बार निरीक्षण में जरूर आए थे, पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया था.

इस संबंध में बीते 23 फरवरी के अंक में शुभम संदेश ने प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी. इसके बाद मामले पर संज्ञान लेते हुए रविवार को इचाक अंचल अधिकारी डुमरौन उर्दू प्राथमिक विद्यालय पहुंचे और मीनार बनाने वाले की पहचान करने में जुट गए. उन्होंने स्कूल के शिक्षकों से भी कई जानकारी ली. इस संबंध में ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल की जमीन अगर मौखिक रूप से सरकार को दान में दी गई थी, तो बिना रजिस्ट्री शिक्षा विभाग इस निजी जमीन पर सरकारी स्कूल कैसे खोल दिया. वर्तमान में इस स्कूल में एक सरकारी और दो पारा शिक्षक पदस्थापित हैं.

इधर मीनार बनने की खबर प्रकाशित होने के बाद इचाक बीईओ हरकत में आए और अंचल अधिकारी को जमीन चिह्नित करने को कहा है.

खबर असर

- तीन दिन पूर्व 'शुभम संदेश' ने प्रकाशित की थी खबर
- शिक्षक ने इचाक बीईओ को दिया था तीन बार आवेदन

पूर्व में आवेदन के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

स्कूल के एक सहायक शिक्षक ने बताया कि जब गांव के कुछ लोगों द्वारा निजी जमीन कह कर स्कूल के मुख्य गेट पर मीनार बनाया जा रहा था, तो उस वक्त तीन बार इचाक बीईओ को आवेदन दिया गया था. उसमें साफ तौर पर लिखा था कि गांव के ही 6-7 व्यक्ति स्कूल के गेट पर 30 फीट का रेडीमेड मीनार बना रहे हैं और वे इसे अपनी जमीन बता रहे हैं, लेकिन विभाग द्वारा उस वक्त कोई कार्रवाई नहीं की गई.

स्कूल को मदरसा बता रहा मुस्लिम समुदाय

मुस्लिम समुदाय के कई लोगों ने बताया कि यह जमीन सरकार को नहीं दी गई है और ना ही सरकार ने इस जमीन पर अपना कोई भवन बनाया है. गांव के ही लोगों ने चंदा इकट्ठा कर मदरसा बनाया था, जहां बाद में वह स्कूल चलने लगा. ऐसे में सरकार या शिक्षा विभाग इस जमीन को अपना कैसे समझ रही है? इस संबंध में इचाक बीईओ बंशीधर राम का पक्ष लेने के लिए फोन किया गया, पर उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया.

ब्रीफ खबरें

केरेडारी के नये थाना प्रभारी ने दिया योगदान

केरेडारी। थाना में गुरुवार को नए थाना प्रभारी अजीत कुमार ने योगदान दिया. पदभार संभालने के बाद उन्होंने सभी पुलिस पदाधिकारियों तथा थाना कर्मियों से परिचय प्राप्त किया और विभिन्न विभागीय फाइलों के अवलोकन के उपरांत मातहत पदाधिकारियों और कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि केरेडारी थाना क्षेत्र को अपराधमुक्त और कानून तथा शांति व्यवस्था कायम रखना मेरी प्राथमिकता होगी. उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस व ग्रामीणों के बीच माधुर संबंध कायम रहे, इसका सदैव प्रयास होगा. किसी तरह की समस्या के लिए आम जनता सीधे थाना आकर अपनी समस्याओं से अवगत करा सकते हैं. कानून सम्मत समाधान किया जाएगा.

बरही विधायक ने किया सड़क का शिलान्यास

चौपारण। प्रखंड क्षेत्र में विधायक उमाशंकर अकेला ने सबसे महत्वपूर्ण सड़क का शिलान्यास किया. इस संबंध में मीडिया प्रभारी मनोज कुमार यादव ने बताया कि बरही विधायक द्वारा रविवार को कठम्बा से भगहर भाया परसातरी और बसरिया से बरवाडीह, बेलाही, फुलवरिया भाया रामपुर तक पथ सुदृढ़ीकरण का शिलान्यास किया गया. वहीं भगहर में ट्रांसफार्मर का उद्घाटन भी किया गया. विधायक ने कहा है कि इस सड़क के बनने से हजारों लोग लाभान्वित होंगे और चौपारण से काफी कम समय में भगहर पहुंच पाएंगे. यह सड़क बहुत ही जल्द बनकर तैयार होगा. उद्घाटन समारोह में जिप सदस्य रवि अकेला, बीरबल साहू, रेवाली पासवान, दिनेश यादव सहित बड़ी संख्या मे ग्रामीण मौजूद थे.

वन्य प्राणी सुरक्षा समिति दुधमटिया की हुई बैठक

टाटीझरिया। वन्य प्राणी सुरक्षा समिति की बैठक रविवार को वन एवं पर्यावरण सह जागरूकता भवन दुधमटिया में हुई. अध्यक्षता जगदीश चंद्र यादव ने की. इस दौरान पिछली बैठक की समीक्षा करते हुए शेष राशि का ब्योरा दिया गया. वहीं, समिति का रजिस्ट्रेशन कराने का निर्णय हुआ. इसके लिए कागजी कार्य जल्द पूरा करने को कहा गया. जागरूकता अभियान चलाने समेत समिति की अगली बैठक चार अप्रैल को करने आदि पर चर्चा हुई. बैठक में खेमलाल महतो, परमेश्वर यादव, मुकेश साव, मूलचंद ठाकुर, कौलेश्वर यादव, मिथिलेश पाठक, महेश अग्रवाल, शंभु सिंह, रामविलास शर्मा, सुजीत वर्णवाल, तिलकराज सिंह, जिवलाल प्रजापति, चोलो प्रजापति समेत अन्य मौजूद थे.

मेगा विधिक सेवा सशक्तिकरण शिविर में प्रधान जज ने की लोगों से अपील

योजनाओं का लाभ उठाएं : सिन्हा

मेगा शिविर

- डीसी ने शिक्षा और महिला सशक्तीकरण पर बल दिया
- छात्र-छात्राओं को दिलाई मतदाता जागरूकता शपथ

संवाददाता। हजारीबाग

जिला विधिक सेवा प्राधिकार व जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में रविवार को नगर भवन में जिला स्तरीय मेगा विधिक सेवा सशक्तीकरण शिविर का आयोजन किया गया. शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सत्य प्रकाश सिन्हा, उपायुक्त नैंसी सहाय, पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह, डालसा सचिव, निदेशक समाजिक सुरक्षा पदाधिकारी निवेदिता राय द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया.

अपने संबोधन में प्रधान एवं जिला सत्र न्यायाधीश सत्य प्रकाश सिन्हा ने कहा कि इस तरह के शिविर के आयोजन का एकमात्र उद्देश्य लोगों को उनके अधिकार, सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना है और हर जरूरतमंद तक लाभ पहुंचाना है. उन्होंने आम लोगों से योजनाओं का लाभ लेने एवं दूसरे को भी इसकी जानकारी देने की अपील की. इससे समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजना की जानकारी पहुंच सकेगी और उसका लाभ उठाकर वह अपने जीवन स्तर को बेहतर कर समाज को आगे बढ़ाने में सहयोग करेंगे.

उपायुक्त नैंसी सहाय ने अपने संबोधन में कहा कि यह शिविर जिले के सभी 16 प्रखंडों में आयोजित किए जा रहे हैं. उन्होंने शिक्षा और महिला सशक्तीकरण पर बल दिया और कहा कि इन दोनों की भूमिका समाज के उन्नति में अहम है. उन्होंने कहा कि लोगों के शिक्षित होने से ही उनमें जागरूकता होगी और फिर वे अपने अधिकारों के प्रति जानकार होकर विकसित बनेंगे. समाज के उन्नत होने से ही देश उन्नति के पथ पर अग्रसर होगा. इस तरह के शिविर के आयोजन के उद्देश्य को आगे भी बरकरार रखने की बात कही. वहीं, पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने आम लोगों से स्वयं योजनाओं का लाभ लेने एवं दूसरे को भी इसकी जानकारी देने की अपील की. इस दौरान स्वीप अंतर्गत मतदाता जागरूकता अभियान को लेकर उपस्थित छात्र-छात्राओं के बीच मतदाता जागरूकता का शपथ पाठ भी किया गया.

लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण

शिक्षा विभाग : 5 छात्रों को जाति प्रमाण पत्र, एनएससी बोस आवासीय विधालय के 5 छात्रों के बीच पुस्तक का वितरण किया गया.
अबुआ आवास : सदर प्रखंड के 5 लाभुकों को अबुआ आवास योजना का स्वीकृति पत्र वितरण किया गया.
कृषि विभाग : 3 लाभुकों को केसीसी ऋण एवं 2 लाभुकों को मिट्टी जांच की स्वीकृति दी गई.
जन्म-मृत्यु विभाग : 3 मृतकों के परिजनों को मृत्यु प्रमाण पत्र सौंपा गया.
कल्याण विभाग : दो दिव्यांगों को ट्राई साइकिल व टू व्हीलर व्हील चेयर का वितरण किया गया.
जेएसएलपीएस : संतोषी सखी मंडल को 1.7 करोड़ का बैंक लिंकेज एवं करवेकलां महिला अंकुल संगठन को 40 लाख के सीआईएफ ऋण की स्वीकृति प्रदान की गई.
आपूर्ति विभाग : 5 लाभुकों के बीच धोती-साड़ी का वितरण किया गया.
बाल विकास परियोजना : 8 छात्राओं को सावित्रीबाई फुले की राशि का वितरण किया गया.
पशुपालन विभाग : 3 लाभुकों के बीच पोल्ट्री फार्म खोलने हेतु चूजा का वितरण किया गया.
मनरेगा योजना : तीन लाभुकों को बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना का लाभ दिया गया. बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत एक लाभुक को आम बागवानी योजना से जोड़ा गया.
मुख्यमंत्री पशुधन योजना : 2 लाभुकों को पशु शेड निर्माण की स्वीकृति दी गई.
पेंशन योजना : 5 लाभुकों को पेंशन योजना से जोड़ा गया तथा 15वें वित्त योजना से पांच योजनाओं को प्रशासनिक स्वीकृति दी गई.

शिक्षित होने से ही लोगों में बढ़ेगी जागरूकता : सब जज

95 लाख 90 हजार की परिसंपत्ति का वितरण

चौपारण। प्रखंड सभागार में बीडीओ प्रेमचंद सिन्हा के नेतृत्व व डालसा सचिव गौरव खुराना के निर्देशन में लीगल इंपावरमेंट कैंप का आयोजन किया गया. शिविर का उद्घाटन सब जज विक्रम रंजन, उप प्रमुख प्रीति कुमारी, बीडीओ प्रेमचंद सिन्हा, सीओ संजय यादव, बीईईओ राकेश कुमार, 20 सूत्री उपाध्यक्ष विकास यादव, बीपीओ संतोष कुमार, पैनल लॉयर मुरली कुमार राणा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया.

सब जज रंजन ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में अधिकांश लोग कानून के बारे में जानकारी नहीं होने के कारण सामाजिक न्याय से वंचित रह जाते हैं. उन्होंने कहा कि आप सभी शिक्षा पर जोर दें. शिक्षित होने पर ही जागरूकता बढ़ेगी. संविधान के अनुच्छेद 39 (क) में हर नागरिक को सामाजिक न्याय प्रदान करने की बात की गई है. इसके अनुसार, हर नागरिक को समान अवसर के साथ-साथ आसानी से न्याय उपलब्ध होना चाहिए. इसके अंतर्गत आर्थिक रूप से अक्षम लोगों को सरकारी खर्च पर वकील, कोर्ट फीस के लिए खर्च, अभिलेख कागजातों की सुविधाएं लोगों को प्राप्त करवाना है. इस दौरान लोगों को प्रखंड में संचालित सारी योजनाओं को बारे में बताया गया. वहीं, बीडीओ ने विभिन्न योजनाओ में 95 लाख 90 हजार का परिसंपति का वितरण लाभुकों के बीच किया.

कार्यक्रम के बाद सब जज विक्रम रंजन ने मुख्यालय भवन में फीता काट कर लीगल केंद्र का उद्घाटन किया. कार्यक्रम का संचालन प्रमोद सोनी ने किया. शिविर में असिस्टेंट अजय दयाल, मुखिया सुनीता देवी, गंदोरी दागी, कृष्णा रविदास, अभिमन्यु प्रसाद भगत सहित अन्य लोग मौजूद थे.

उत्तरी छोटानागपुर अपडेट

श्री जगन्नाथ सेवा फाउंडेशन ने खोला अस्पताल

चौपारण। क्षेत्र में पहली बार भव्य रथयात्रा के आयोजक श्री जगन्नाथ सेवा फाउंडेशन के तत्वावधान में स्वास्थ्य सेवा की शुरुआत रविवार को केंदुआ मोड़ में जय जगन्नाथ अस्पताल के रूप में आरंभ हो गई. हरे राम, हरे कृष्णा के भक्ति कीर्तन के साथ पूर्व विधायक मनोज यादव तथा इस्कॉन धर्मगुरु डॉ. केशवानंद प्रभु ने संयुक्त रूप से फीता काट कर उद्घाटन किया. उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व पूर्व विधायक ने कहा कि स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है. उन्होंने जगरनाथ सेवा फाउंडेशन के लगातार नि.स्वार्थ सामाजिक कार्य की प्रशंसा की. वहीं डॉ केशवानंद प्रभु ने कहा कि क्षेत्र की सेवा अध्यात्मिक उन्नति के साथ ही स्वास्थ्य सेवा के रूप में करनी है. संचालक डॉ. रुपेश कुमार ने बताया कि इस अस्पताल में बेहद कम खर्च पर बड़े शहरों की तर्ज पर स्वास्थ्य सुविधा दी जाएगी. वहीं, संचालक अभिषेक सिंह ने बताया कि हजारीबाग में रांची से श्रेष्ठ चिकित्सक सेवा देंगे.

दवाई दोस्त के दोबारा टेंडर की उठी मांग

हजारीबाग। सदर अस्पताल में सरकारी दवा दुकान बंद होने की खबर पर नव झारखंड फाउंडेशन के केंद्रीय अध्यक्ष किशोरी राणा ने कहा कि जब सरकार ने जरूरतमंदों के लिए निःशुल्क दवा दुकान खोली है, तो फिर अस्पताल परिसर में ही दवाई दोस्त दुकान को खोलने की क्या आवश्यकता थी. अगर दवाई दोस्त सरकार का एक अंग है, तो फिर दवाई दोस्त गरीबों की मदद क्यों नहीं कर रहा है. उन्होंने यह भी कहा कि सदर अस्पताल में दवाई दोस्त के लिए क्या वन टाइम के लिए टेंडर हुआ था? अगर नहीं, तो फिर दोबारा टेंडर क्यों नहीं किया गया ? वहीं, कांग्रेस के डिस्ट्रिक्ट को-ऑर्डिनेटर सुजीत नागवाला ने कहा कि अगर अस्पताल प्रबंधक दवाई दोस्त काउंटर का दोबारा टेंडर नहीं करवाते हैं और निःशुल्क दवा दुकान को भीड़भाड़ वाली जगह पर नहीं खोला गया, तो आंदोलन करने से बाध्य होंगे. उन्होंने यह भी कहा कि दवाई दोस्त खुद को सरकारी बता मरीज को गुमराह करता है.

2019 से पहले के प्राइवेट स्कूलों को मिले मान्यता

हजारीबाग। झारखंड प्राइवेट स्कूल संगठन के तत्वाधान में केंद्रीय कमिटी की एक बैठक जैपनिज डेफोडिल स्कूल, हजारीबाग में संगठन के अध्यक्ष बिनोद भगत की अध्यक्षता में हुई. बैठक में झारखंड सरकार से मांग की गई की 2019 से पहले खुले सभी स्कूलों को बिना शर्त मान्यता दी जाए. साथ ही प्राइवेट स्कूलों के शिक्षकों को अनुभव के आधार पर शिक्षक बहाली में प्राथमिकता देने, बिना भेदभाव के सभी बच्चों को छात्रवृत्ति देने, प्राइवेट स्कूलों के बच्चों का भी केंद्रीय विद्यालय में नामांकन लेने आदि की मांग रखी गई. वहीं कहा गया कि राज्य सरकार द्वारा नया कानून बना कर थोपने से राज्य के 70% परिवार के बच्चे प्रभावित हो जाएंगे. बैठक में जिले के सभी प्रखंडों के अध्यक्ष और सचिव ने एक स्वर में कहा कि यदि हमारी मांगों को सरकार नहीं मानती है, तो हम सभी सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे. बैठक में सभी 16 प्रखंड से आए पदाधिकारी शामिल रहे.

आजसू पार्टी को ग्राम स्तर पर करें मजबूत : नमन

हजारीबाग। स्थानीय परिसदन भवन में आजसू पार्टी की सदर विधानसभा क्षेत्र के पदाधिकारियों की बैठक जिला अध्यक्ष सह केंद्रीय प्रवक्ता विकास राणा की अध्यक्षता में हुई. मंच संचालन केंद्रीय सदस्य विजय वर्मा ने किया. बैठक में मुख्य अतिथि हजारीबाग सदर विधानसभा के संगठन प्रभारी नमन कुमार ठाकुर तथा विशिष्ट अतिथि आजसू पार्टी के वरिष्ठ नेता केंद्रीय समिति सदस्य आनंद सिंह, केंद्रीय सचिव सिद्धार्थ शंकर राय, महिला मोर्चा की केंद्रीय सचिव संगीता बारला उपस्थित थीं. बैठक को संबोधित करते हुए विकास राणा ने कहा कि आजसू पार्टी युवाओं की पार्टी है और पार्टी सुप्रीमो पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो झारखंड के युवाओं के दर्द को समझते हैं. वहीं, मुख्य अतिथि सदर विधानसभा क्षेत्र के संगठन प्रभारी नमन कुमार ठाकुर ने कहा कि आजसू पार्टी के संगठन को ग्राम स्तर पर मजबूत करना हमारा लक्ष्य है. सभी कार्यकर्त्ता आपस में मिलकर संगठन का विस्तार करें.

आरोप सही, तो इस्तीफा देंगी मुखिया : मलेश्वर

रामगढ़। चितरपुर प्रखंड की सुकरीगढ़ा पंचायत के मुखिया पति मलेश्वर नायक ने रविवार को प्रेस वार्ता कर अपने ऊपर लगे सारे आरोप को बेबुनियाद व निराधार बताया. उन्होंने कहा कि मेरे द्वारा किसी से भी पैसे की मांग नहीं की गई है. द्वेष की भावना से महिला द्वारा आरोप लगाकर मेरे एवं मुखिया की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया गया है. गौरतलब हो कि चितरपुर प्रखंड के सुकरीगढ़ा पंचायत अंतर्गत बबनीडीह निवासी अरुण प्रसाद की पत्नी बबीता देवी ने अबुआ आवास दिलाने के नाम पर मुखिया पति एवं जल सहिया पति पंचम प्रसाद पर 25 हजार रुपए रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है. मामले में डीसी ने चितरपुर बीडीओ को आवेदन में उल्लेखित तथ्यों के आलोक में जांच करने का निर्देश दिया है. वहीं, आरोप सही पाने पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने को कहा है. वहीं, मुखिया पति ने कहा कि जांच में वे दोषी निकले, तो उनकी पत्नी मुखिया पद से इस्तीफा दे देंगी.

जिला विधिक सेवा प्राधिकार शिविर में ग्रामीणों को किया गया जागरूक

सड़क हादसे में क्लेम केस करें : सीजेएम

संवाददाता। टाटीझरिया

प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में जिला विधिक सेवा प्राधिकार का शिविर लगाया गया. सीजेएम, न्यायिक दंडाधिकारी, प्रमुख व बीडीओ ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया. प्रमुख संतोष मंडल ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि आप यहां अपनी समस्याओं को रखें और शिविर का लाभ उठाएं.

शिविर का मुख्य उद्देश्य कानूनी जागरूकता लाना है. वहीं, सीजेएम एसएन लामे ने कहा कि प्रायः देखा जाता है कि जब सड़क दुर्घटनाएं होती है, तो लोग सड़क जाम कर देते हैं और आने-जाने वाले लोग घंटों परेशान रहते हैं. जामकर्ता नौकरी और पैसे की मांग करते हैं. ऐसा करने से बेवजह की परेशानी बढ़ती है. आप क्लेम केस कीजिए, कम से कम पांच लाख रुपये तो मिल ही जाएंगे. यदि कहीं कोई नहीं सुनता है, तो प्राधिकार में आएं. आपको निःशुल्क वकील मिलेगा और न्याय भी मिलेगा. उन्होंने झरपो की 12 महिलाओं पर भी कहा कि पढ़े-लिखे नहीं होने के कारण लोग ठगी के शिकार हो जाते हैं. इन महिलाओं को भी केस करना चाहिए.

इस अवसर पर न्यायिक दंडाधिकारी वीणा होरो, अधिवक्ता अजय कुमार, उप प्रमुख रवि वर्णवाल, बीडीओ रश्मि खुशबू मिंज, सांसद प्रतिनिधि एमके पाठक, महेश अग्रवाल ने भी संबोधित किया. कार्यक्रम के दौरान 8 लाभुकों के बीच धोती-साड़ी, चार लाभुकों को अबुआ आवास स्वीकृति पत्र, चार मजदूर को मनरेगा का जाब कार्ड, दो लाभुकों को बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना स्वीकृति पत्र दिया गया. जेएसएलपीएस द्वारा महिला एसएचजी ग्रुप को 10 लाख 50 हजार रुपये का चेक दिया गया.

विधिक जागरूकता

- पढ़े-लिखे नहीं होने के कारण लोग हो रहे ठगी के शिकार
- हर प्रकार की कानूनी सहायता देगा जिला विधिक प्राधिकार

आचार्य विद्यासागर जी महाराज को दी श्रद्धांजलि

चौपारण। जैन धर्मशाला में जैन मुनि आचार्य विद्यासागर जी महाराज को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई. जैन समाज द्वारा बताया गया कि पूरे देश में एक साथ दिव्य मुनि को श्रद्धांजलि अर्पित की गई. श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक मनोज यादव ने कहा कि मुनि जी त्याग के प्रतिमूर्ति थे. उनका जीवन मानव कल्याण के लिए समर्पित था. ऐसे दिव्य मुनि हर समय अपने भक्तों के साथ रहते हैं. इनका जीवन ही सेवा के लिए हुआ था. सभा का संचालन करते हुए संदीप जैन ने मुनि महाराज के जीवन पर विस्तार से चर्चा की. श्रद्धांजलि सभा में अशोक जैन, शांति लाल जैन, नीरज जैन, रोहित जैन, सूरज जैन, विमला देवी, कांता जैन, मंजू जैन, रेखा जैन, सुमन जैन, रुचि जैन, अंशु जैन, रीमा जैन, रिद्धि जैन, शालू जैन, अभिमन्यु भगत, बालेश्वर बर्णवाल, राजदेव यादव, शशि शेखर, किशोर राणा, भूपेंद्र यादव, सुरेंद्र स्वर्णकार, वीरेंद्र रजक सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे.

चितरपुर में सांसद ने किया मंथन डायग्नोस्टिक सेंटर का उद्घाटन

जनता को होगा फायदा : चंद्रप्रकाश

संवाददाता। रामगढ़

चितरपुर बस स्टैंड के समीप एसआर मार्केट में आईटी मेडिकल मंथन डायग्नोस्टिक सेंटर का उद्घाटन सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने किया. मौके पर विशिष्ठ अतिथि गोमिया विधायक लंबोदर महतो भी मौजूद थे. मुख्य अतिथि चंद्रप्रकाश चौधरी ने कहा कि चितरपुर जैसे छोटे से गांव में इस तरह के डायग्नोस्टिक सेंटर खुलने से क्षेत्र के लोगों को काफी सुविधा होगी.

वहीं संचालक इंतेखाब आलम ने बताया कि डायग्नोस्टिक सेंटर में लोगों को कम दर में आधुनिक सुविधाएं मिलेगी. सेंटर में अल्ट्रासॉउन्ड, कलर डॉपलर, एक्स-रे, इसीजी, खून, पेशाब एवं मल की संपूर्ण जांच सुविधा मिलेगी. साथ ही एपेंडिस, हर्निया, पथरी, बच्चेदानी आदि के ऑपरेशन की सुविधा मिलेगी. वहीं स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा जांच, डिलीवरी की भी सुविधा यहां उपलब्ध है. मौके पर एमडी मेडिसिन डॉ नीलोफर परवीन, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ विनीता प्रभा, फिजिशियन एवं सर्जन डॉ अब्दुल वकील निजामी, रेडियोलॉजिस्ट डॉ अरुण कुमार, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ स्नेहलता के अलावा आजसू के केंद्रीय सचिव अमृतलाल मुंडा, केंद्रीय सदस्य अब्दुल हकीम अंसारी, चितरपुर पूर्वी मुखिया भानुप्रकाश महतो, राजकिशोर महतो, दिवाकर नायक, मादूद आलम, मो. जाहिद, मो. शाहिद, तौकीर, सलीम अंसारी, बाबू साहेब, दिलावर अली उर्फ राजन, तल्हा आदि मौजूद थे.

मिलेगी सुविधा

- कम दर में मिलेंगी आधुनिक जांच सुविधाएं : संचालक
- स्त्री रोग विशेषज्ञ के द्वारा जांच की सुविधा भी उपलब्ध

उद्घाटन नहीं होने से स्वास्थ्य उपकेंद्र चयकला में 9 महीने से लटका है ताला, पुराने भवन की हालत जर्जर

स्वास्थ्य विभाग को महिलाओं के दर्द की तनिक भी परवाह नहीं

संवाददाता। चौपारण

शोभा की वस्तु बना हुआ स्वास्थ्य उपकेंद्र चयकला का नवनिर्मित भवन.

प्रखंड अंतर्गत महराजंगज के चक्रसार में 36 वर्षों से संचालित स्वास्थ्य उपकेंद्र चयकला जर्जर होने के कारण नए भवन में शिफ्ट करना है. नया भवन 9 माह पूर्व ही बन कर तैयार है. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, ठीकेदार द्वारा नये भवन की चाबी भी एएनएम को सौंप दी गई है, लेकिन उद्घाटन नहीं होने के वजह से यहां ताला लटका हुआ है. वहीं, विभाग भी उद्घाटन को लेकर कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रही है.

ऐसे में गर्भवती महिलाओं का प्रसव या रूटीन चेकअप एक निजी कमरे में ही किया जा रहा है, जहां आवश्यक सुविधाओं का भी अभाव है. आखिर 9 महीने से सिर्फ उद्घाटन नहीं होने की वजह से अस्पताल में ताला लटका रहना, कहीं न कहीं विभागीय निष्क्रियता को दर्शाता है. बता दें कि स्वास्थ्य उपकेंद्र का नया भवन जिला परिषद द्वारा बनाया गया है.चयकला पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि हेलाल अख्तर भी स्वास्थ्य उपकेंद्र को नए भवन में जल्द शिफ्ट करवाने को लेकर प्रयासरत हैं, ताकि क्षेत्र के महिलाओं को रूटीन चेक अप सहित अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं में सहूलियत हो सके. उन्होंने कहा कि बहुत जल्द ही नए भवन में स्वास्थ्य उपकेंद्र को शिफ्ट किया जाएगा.

एक माह में 70 से 80 गर्भवती महिलाओं का प्रसव : स्वास्थ्य उपकेंद्र चयकला में प्रखंड के अलावे दूसरे प्रखंडों से भी महीने में लगभग 70 से 80 गर्भवती महिलाएं डिलेवरी करवाने लिए पहुंचती हैं. पुराने भवन के जर्जर होने के कारण अस्पताल को एक रूम में शिफ्ट कर दिया गया है. इससे महिलाओं को प्रसव सहित अन्य रूटीन चेकअप के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. अस्पताल में कार्यरत एएनएम अरुणा सिन्हा ने बताया कि अस्पताल का नया भवन बनकर 9 माह पूर्व बन कर तैयार है. पर अब तक उद्घाटन नहीं होने के कारण मेन गेट में ताला लटका है. उन्हें भी स्वास्थ्य जांच वगैरह में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

विभाग मौन

- एक निजी कमरे में की जा रही है जांच और प्रसव
- आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं से महरूम हैं महिलाएं

मेडिकल अपशिष्ट के डिस्पोजल की व्यवस्था नहीं

एएनएम अरुणा सिन्हा ने बताया कि स्वास्थ्य उपकेंद्र चयकला के नये भवन निर्माण के दौरान कचड़ा प्रबंधन की जो व्यवस्था थी, उसे भी हटा दिया गया है. इसके कारण गर्भवती महिलाओं के प्रसव के उपरांत प्लेसेंटा किट सहित अन्य अपशिष्ट सामग्रियों के डिस्पोजल में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. एएनएम ने यह भी कहा कि गांव की महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देना हमारा दायित्व है, पर यह तभी संभव हो पाएगा, जब स्वास्थ्य उपकेंद्र अतिशीघ्र नए भवन में शिफ्ट होगा और केंद्र में प्लेसेंटा किट के निदान के लिए कचड़ा डिस्पोजल सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो.

संत निरंकारी मिशन ने की भैरवी नदी की साफ-सफाई

संवाददाता। रामगढ़

संत निरंकारी मिशन रजरप्पा शाखा ने अमृत महोत्सव के दौरान वामन धारा के भैरवी नदी तट पर स्वच्छता अभियान चलाया. इस मौके पर सेवा दल के सदस्य और सत्संग प्रेमी मौजूद थे. कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे शाखा मुखी दयानंद प्रसाद ने कहा कि नदियों को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी हम नागरिकों की है. स्वच्छ जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं कर सकते हैं. वहीं, सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने स्वच्छ जल, स्वच्छ मन को आधार बताते हुए प्रकृति रक्षा का संदेश दिया.

कार्यक्रम के बाद लंगर का भी आयोजन किया गया. मौके पर सत्येंद्र नायक, अशोक महतो, कौलेश्वर महतो, राजकुमार, मौसम, रोशन, संजय साव, केदार मुंडा, कोयलन नायक, रामचंद्र, मोतीलाल महतो, गोविंद चौधरी, जगदीश चौधरी, मेघनाथ करमाली, सरस्वती देवी, अनीता देवी, रजनी देवी, सरिता देवी, शांति देवी, रीता देवी, संतोषी देवी, शारदा देवी, पदुम देवी, सुमित्रा कुमारी, सुनीता देवी, सीता देवी, अंजली कुमारी, रामचंद्र नायक, लक्ष्मी देवी, देवानंद करमाली, रणवीर,मनीष,पदुम देवी,सरजू मांझी, घमाडी नायक सहित अन्य मौजूद थे.

स्वच्छता अभियान

- प्रकृति रक्षा के लिए स्वच्छता जरूरी : दयानंद प्रसाद
- स्वच्छ जल, स्वच्छ मन जीवन का आधार : माता सुदीक्षा

लोस चुनाव

हजारीबाग सीट में आजसू की दिलचस्पी

प्रवीण कुमार। रांची

एनडीए के घटक दल आजसू को लोकसभा चुनाव में ऊबड़-खाबड़ रास्तों से आगे निकलना होगा. हालांकि आजसू कई कार्यक्रमों के साथ मिलन समारोह के बहाने अपने जनाधार को बढ़ाने में जुटी है. राज्य में अगर क्षेत्रीय दलो की बात की जाए तो आजसू पार्टी ही एक मात्र राज्य में पंजीकृत क्षेत्रीय दल है जो अलग- अलग मुद्दों पर सालोंभर गतिविधियां जारी रखती है. अलग-अलग मुद्दों को लेकर राज्यस्तरीय अभियान भी चलाती है. एक समय आजसू पार्टी ने राज्य को विशेष राज्य का दर्ज दिलाने के लिए बड़ा अभियान चलाया, लेकिन आज यह मुद्दा पार्टी के एजेंडे में नहीं दिखता. ओबीसी अरक्षण के सवाल पर भी पार्टी मुखर जरूर हुई, लेकिन मामला मुकाम तक नहीं पहुंचा.

राजनीति के ऊबड़-खाबड़ रास्तों से आजसू को निकलना होगा आगे

- आजसू के लिए आसान नहीं है गिरिडीह से हजारीबाग स्विच करना
- विशेष राज्य का मुद्दा आजसू के एजेंडे से हुआ गयाब

गठवंधन को लेकर आजसू नहीं खोल रही पत्ते

आजसू पार्टी मिलन समारोह सहित पार्टी की विभिन्न गतिविधियों से जनाधार बढ़ाने का प्रयास कर रही है. लेकिन सीट शेयरिंग पर अब तक कोई बड़ा बयान पार्टी की ओर से नहीं आया है. राजनीति के गलियारों में चर्चा इस बात की हो रही है कि आजसू गिरिडीह छोड़ हजारीबाग सीट में दिलचस्पी दिखा रही है. साथ ही रांची लोकसभा सीट पर भी पार्टी की नजर है. लोकसभा चुनाव में पार्टी दो सीटों पर दवेदारी कर सकती है. वहीं इस बात का पार्टी को भी इल्म है कि वह अगर अधिक सीटो की मांग करेगी तो वह पूरी नहीं होगी. पार्टी विधानसभा चुनाव में ज्यादा सीटें मिल सकें, इसलिए लोकसभा में दो या दो से अधिक सीटों पर दावेदारी कर अपना पलडा एनडीए में भारी करना चहती है. बताते चलें कि 2019 में पहली बार बीजेपी ने आजसू के साथ लोक सभा चुनाव गठबंधन में लड़ा था. राज्य की 14 में से 11 सीटें बीजेपी और एक सीट आजसू ने जीती थी. इस बार भी दोनों पार्टियों के मिल कर चुनाव लड़ने की संभावना है. गिरिडीह संसदीय सीट से आजसू पार्टी प्रत्याशी चंद्रप्रकाश चौधरी भी विजयी रहे. पांच साल के बाद अब आजसू पार्टी और बीजेपी नेता सीट की अदला-बदली करने पर विचार कर रहे हैं. दोनों दलों के नेता इस बदलाव में अपने फायदे की तलाश कर रहे हैं.

आजसू का हजारीबाग संसदीय क्षेत्र में प्रभाव

हजारीबाग संसदीय क्षेत्र के आने वाले रामगढ़ विधानसभा सीट से अभी आजसू पार्टी की सुनीता देवी विधायक हैं. वहीं रामगढ़ सीट से चंद्रप्रकाश चौधरी भी तीन बार चुनाव जीत चुके हैं. वहीं हजारीबाग संसदीय क्षेत्र के बड़कागांव और मांडू विधानसभा चुनाव में भी पिछले चुनाव में आजसू पार्टी ने दमदार उपस्थिति दर्ज कराई थी. यही कारण है कि चंद्रप्रकाश चौधरी अपनी परंपरागत सीट की ओर लौटना चाहते हैं. वहीं गिरिडीह सीट का पांच बार प्रतिनिधित्व कर चुके बीजेपी के पूर्व सांसद रबीन्द्र पांडेय भी चाहते हैं कि आजसू पार्टी के हजारीबाग शिफ्ट हो जाने से वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्हें फायदा मिल सकेगा.

जयंत सिन्हा का पत्ता काटना आसान नहीं

हजारीबाग सीट से भले ही आजसू पार्टी की ओर से अपनी दावेदारी की जा रही है. लेकिन केंद्रीय नेतृत्व के सामने जयंत सिन्हा का प्रोफाइल बड़ा है. पार्टी के अंदर उनकी पहचान वित्तीय मामलों के वरिष्ठ नेताओं की है. केंद्रीय नेतृत्व उन्हें वित्तीय मामलों में बड़ी जिम्मेदारी देता रहा है. वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की टास्क टीम का हिस्सा हैं. जबकि जयंत सिन्हा बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के भी करीबी माने जाते हैं. ऐसे में पार्टी के कुछ नेताओं का मानना है कि जयंत सिन्हा का पत्ता काटना आसान नहीं होगा.

मनीष जायसवाल, जेपी पटेल और मनोज यादव की दावेदारी

हजारीबाग सीट से जयंत सिन्हा जहां लगातार तीसरी बार चुनाव मैदान में हैट्रिक बनाने की रणनीति तैयार में जुटे हैं. वहीं बीजेपी के अंदर ही जयंत सिन्हा को बड़ी चुनौती मिल रही है. हजारीबाग सदर के बीजेपी विधायक मनीष जायसवाल, मांडू विधायक जेपी पटेल और पूर्व विधायक मनोज यादव की ओर से भी अपनी दावेदारी पेश की जा रही है. कांग्रेस विधायक दल के पूर्व नेता हजारीबाग के अलावा चतरा सीट के लिए भी दावेदारी कर रहे हैं. वहीं पूर्व सांसद यदुनाथ पांडेय भी ताल ठोंक रहे हैं. इसके अलावा आईएएस कोचिंग चलाने वाले एके मिश्रा भी भाग्य आजमाना चाहते हैं.

- कांग्रेस विधायक दल के पूर्व नेता हजारीबाग के अलावा चतरा के लिए भी दावेदारी कर रहे हैं

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष षष्ठ भाव में चंद्रकेतु है. किसी से ऋण लेने से पहले सोच विचार कर लें. सरकारी कार्यालयों में रुके काम मनोनुकूल रहेंगे. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रह सकती है. लेन-देन में जल्दबाजी बिलकुल न करें.

वृषभ शिक्षा में कोई लापरवाही नहीं करें. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें. शारीरिक हानि की आशंका है. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. हनुमानजी को चमेली तेल व सिंदूर अर्पण करें.

मिथुन माता को हड्डी संबंधित बाधा हो सकती है. स्थिति अनुकूल होगी. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. निर्णय सोच कर ले, शत्रुभय रहेगा. धनहानि हो सकती है. भावना पर नियंत्रण रखें. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. निवेश शुभ रहेगा.

कर्क अच्छी आय होगी. कोई छोटी और सुलभ यात्रा का योग है. मानसिक उलझन दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. नौकरी में चैन रहेगा. किसी पुरानी बीमारी से परेशानी हो सकती है. नए मित्र बनेंगे. विवेक का प्रयोग करें.

सिंह आपके व्यवहार से सामाजिक सरोकार बढ़ेगा. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा. लगन और मेहनत से धनार्जन होगा. समय उत्तम है. इसका लाभ लें. गाय को भोजन दें.

कन्या कार्य करने पर आय होगी, पर दौड़धूप अधिक रहेगी. लाभ के अवसर हाथ से निकल सकते हैं. कार्य होगा, जिससे आय में निश्चितता रहेगी. किसी नये कार्य का जोखिम न लें. गणेश जी का पूजन ध्यान करें.

तुला कार्य नहीं बनने से मन खिन्न होगा. पर थोड़े प्रयास से रुके कार्य बनेंगे. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. समाजसेवा करने की प्रेरणा प्राप्त होगी. मान-सम्मान मिलेगा. आय के नए स्रोत प्राप्त होंगे. धन प्राप्ति सुगम होगी.

वृश्चिक आय का अच्छा स्रोत मिलेगा. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. घर में मेहमानों का आगमन हो सकता है. व्यय होगा. शुभ समाचार प्राप्त होगा. घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल बनेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. संतान पक्ष की चिंता रहेगी.

धनु थकान व कमजोरी रह सकती है. अप्रत्याशित लाभ की संभावना है. व्यावसायिक यात्रा लंबी हो सकती है. लाभ होगा. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. भाग्य की अनुकूलता बनी रहेगी. अन्न का दान करें.

मकर कोई अप्रत्याशित खर्च सामने आ सकता है. आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है. किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है. अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा. कुछ कार्य नहीं होने से चिंता तथा तनाव रहेंगे. आय बनी रहेगी.

कुंभ कार्य का तनाव रह सकता है. बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. नए काम मिल सकते हैं. आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. उत्साह व प्रसन्नता रहेगी. शनि को खुश करें.

मीन जीवनसाथी से किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है. व्यापार के माध्यम से आय अच्छी होगी. कार्य में तत्काल लाभ नहीं मिलेगा. कार्यप्रणाली में सुधार होगा. आय के नए स्रोत प्राप्त होने के योग हैं. मित्रों व रिश्तेदारों की सहायता कर पाएंगे.

पीएम ने योजनाओं का किया शिलान्यास

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को गुजरात के राजकोट से झारखंड की 138.17 करोड़ रुपये की 9 स्वास्थ्य परियोजनाओं का ऑनलाइन शिलान्यास किया. इसमें रिम्स, रांची के अलावा गढ़वा व पाकुड़ के जिला अस्पतालों में 50-50 बेड (प्रति सीसीयू 23.75 करोड़) एवं गिरिडीह जिला अस्पताल में 44.5 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले 100 बेड के क्रिटिकल केयर ब्लॉक का शिलान्यास शामिल है. साथ ही देवघर जिले में 242.88 लाख की लागत से बनने वाले तीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का भी शिलान्यास किया. इसके अलावा 20 करोड़ की लागत से बनने वाले फूलो झानो मेडिकल कॉलेज, दुमका और कोडरमा मेडिकल कॉलेज, कोडरमा से संबद्ध बीएससी नर्सिंग कॉलेज का भी शिलान्यास किया.

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने धनबाद ने किया पार्टी कार्यालय का उद्घाटन

राज्य में अबुआ आवास के नाम पर सिर्फ भ्रष्टाचार : बाबूलाल

खास बातें

- चार को प्रखंड मुख्यालयों पर धरना-प्रदर्शन करेगी भाजपा
- एक मार्च को धनबाद का दौरा करेंगे पीएम मोदी

संवाददाता। धनबाद

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने रविवार को धनबाद की हाउसिंग कॉलोनी में लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए पार्टी के कार्यालय का उद्घाटन किया. उद्घाटन के बाद समारोह को संबोधित करते हुए मरांडी ने कहा कि राज्य में जब से नई सरकार बनी है, राज्य पूरी तरह भ्रष्टाचार में लिप्त हो गई है. सरकार अबुआ आवास देने के नाम पर सिर्फ वसूली कर रही है. सरकारी कार्यालयों में बिना पैसा दिए कोई काम नहीं हो रहा है. इस करप्शन के खिलाफ भाजपा राज्य के सभी प्रखंड मुख्यालयों पर 4 मार्च को धरना-प्रदर्शन करेगी. उन्होंने सांसद, विधायक समेत कार्यकर्ताओं से 4 मार्च के आंदोलन को सफल बनाने की अपील की साथ ही प्रधानमंत्री के एक मार्च के दौरे के बारे में सभी गांव, टोला और मोहल्लों में जाकर जानकारी देने को कहा. उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या के राम मंदिर में राम लला की स्थापना के बाद से देश में काफी परिवर्तन आया है, एक अलग माहौल बना है. मरांडी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद पहली बार प्रधानमंत्री का झारखंड आगमन हो रहा है इसलिए झारखंडी अपनी पारंपरिक वेश-भूषा, ढोल-नगाड़े, गाजे-बाजे के साथ भारी तादाद में पहुंचकर उनका स्वागत करें. मौके पर धनबाद विधायक राज सिन्हा, बोकारो विधायक बिरंची नारायण, निरसा विधायक अपर्णा सेनगुप्ता, बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो, प्रदेश मंत्री गणेश मिश्रा, सरोज सिंह, सत्येंद्र कुमार, सुरेश साहू, रोहित लाल सिंह, जिला अध्यक्ष श्रवन राय, ग्रामीण जिला के पूर्व अध्यक्ष ज्ञान रंजन सिन्हा, हरिप्रकाश लाटा, रागिनी सिंह, सिंदरी विधायक इंद्रजीत महतो की पत्नी तारा देवी, संजीव अग्रवाल, रमेश राही आदि उपस्थित थे.

पीएम के कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाया जाएगा : सांसद पशुपतिनाथ

स्थानीय सांसद पशुपतिनाथ सिंह ने कहा कि धनबाद लोकसभा सीट भाजपा के लिए चुनाव में गारंटी वाली सीट है. इसलिए पीएम के कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाया जाएगा. इस दौरान पीएन सिंह ने इस बार 400 पार, अबकी बार फिर से मोदी सरकार का नारा लगाया. कार्यालय उद्घाटन के बाद बाबूलाल मरांडी सहित सभी नेताओं व कार्यकर्ताओं ने पीएम के मन की बात भी सुनी.

सीयूजे का दीक्षांत समारोह 28 को 67 छात्रों को मिलेंगे गोल्ड मेडल

संवाददाता। रांची

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड का तीसरा दीक्षांत समारोह 28 फरवरी को होगा. भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगी. दीक्षांत समारोह में 1539 छात्र-छात्राओं को डिग्री दी जाएगी. इसके अलावा 67 छात्रों को गोल्ड मेडल, तीन छात्रों को चांसलर मेडल और 35 को पीएचडी की उपाधि दी जाएगी. छात्रों के लिए ड्रेस कोड सफेद कुर्ता-पजामा और छात्राओं के लिए साड़ी रखा गया है. इस बात की जानकारी सीयूजे के कुलपति प्रोफेसर क्षिति भूषण दास ने दी.

दीक्षांत समारोह की सारी तैयारी पूरी

कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने बताया कि दीक्षांत समारोह की सारी तैयारी पूरी कर ली गयी हैं. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दीक्षांत समारोह कार्यक्रम में एक घंटा तक रुकेंगी. इस दीक्षांत समारोह में झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, भारत की शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी के चांसलर समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे. बताया कि विश्वविद्यालय काफी उन्नति कर रहा है.

न्यूज अपडेट

राज्य की पांच खिलाड़ी भारतीय टीम में चयनित

रांची। नेपाल में एक से 10 मार्च तक आयोजित बालिका सैफ अंडर 16 फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा रविवार को हई. ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के द्वारा चयनित टीम में झारखंड की पांच खिलाड़ियों को शामिल किया गया, जिसमें अनिता डुंगडुंग, सुरज मुनी कुमारी, एलिजा बेथ लकड़ा (आवासीय बालिका फुटबाल प्रशिक्षण केंद्र इंडोर स्टेडियम गुमला), अनुष्का कुमारी (आवासीय बालिका फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र,हजारीबाग), दिव्यानी लिंडा (रांची) शामिल हैं. इनके चयन पर खेल सचिव मनोज कुमार, खेल निदेशक सुशांत गौरव, खेल विभाग के पदाधिकारियों,झारखंड फुटबॉल संघ के अधिकारी, साई रांची के विनोद सिंह, राज्य के खेल प्रशिक्षकों समेत अन्य खेल प्रेमियों ने शुभकामनाएं दी.

नक्सलियों की तलाश में जंगल में घुसी फोर्स

किरीबुरु। टोंटो व गुआ सीमांत थाना अन्तर्गत सारंडा व कोल्हान आरक्षित वन क्षेत्र के जंगलों में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के खिलाफ आपरेशन तेज कर दिया है. ग्रामीण सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार 24-25 फरवरी की मध्य रात्रि कोबरा, सीआरपीएफ व झारखंड पुलिस के सैकड़ों पदाधिकारी व जवान अचानक विभिन्न वाहनों पर सवार होकर गुआ थाना क्षेत्र के नक्सल प्रभावित जंगलों में पहुंचे तथा तीन अलग-अलग टुकड़ियों में बंट कर गुआ व रोवाम के बीच से जंगल के अंदर प्रवेश किया. इन जवानों को ग्रामीणों ने कारो नदी को पार कर टोंटो थाना क्षेत्र अन्तर्गत कोल्हान जंगल में भी जाते देखा गया.

राज्यपाल से मिले दक्षिण पूर्व रेलवे मंडल प्रबंधक

रांची। दक्षिण पूर्व रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक जेएस बिंद्रा ने रविवार को राजभवन में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की.इस दौरान चक्रधरपुर के अपर रेल प्रबंधक, विनय कुजूर भी मौजूद थे. राजभवन ने इसे शिष्टाचार भेंटवार्ता बताया है.

बरकट्ठा प्रखंड मैदान में इंकलाब नौजवान सभा का युवा जोहार महासम्मेलन

10 वर्षों में युवा ही छले गये : विनोद सिंह

संवाददाता। रांची

इंकलाबी नौजवान सभा युवा जोहार महासम्मेलन बरकट्ठा प्रखंड मैदान में संदीप जायसवाल की अध्यक्षता में हुई. इसकी शुरुआत किसान आन्दोलन में शहीद किसानों को श्रद्धांजलि देकर हुई. मौके पर माले विधायक विनोद सिंह ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने युवाओं को ही सबसे अधिक छलने का काम किया है. नया रोजगार तो छोड़िए, सभी नियुक्तियों को ठेकेदारी में तब्दील कर रोजगार पर ही ताला लगा दिया गया. पीएम आवास योजना राज्य में बंद है. मिड डे मील, जल सहिया स्वास्थ्य सहिया, पोषण सखी कोई भी हो सबके साथ वादा खिलाफी की गई है. अब केंद्र सरकार के मातहत सरकारी उपक्रमों में स्थानीय को 75 प्रतिशत रोजगार देने का नियम लागू नहीं होगा. बालू हो या ढीबरा अब केंद्र की अनुमति से उठाव करना होगा. दस बार कोडरमा से भाजपा को जिताने वाले ढिबरा मजदूरों पर केंद्र ने नया नियम थोप कर जीना मुश्किल कर दिया है. मजदूरों के शव गांव तक वापस लौटे तो इसके लिए केंद्र उन प्रवास मजदूरों के लिए कोई कानून नहीं बनाया है. आयुष्मान कार्ड देश में लागू नहीं होता है. एनएच और जेटी रोड से टोल टैक्स की तो उगाही की जाती है, पर कंपनियों की लापरवाही से सड़क दुर्घटना में मौत के लिए कंपनियों को दंडित नहीं किया जाता है.

उन्होंने कहा कि ओबीसी के आरक्षण में राज्यपाल ही अड़ंगा पैदा कर रहे हैं. लाल झंडे का एक भी प्रतिनिधि जीतकर लोकसभा में जाएगा तो झारखंड की सड़कों की आवाज लोकसभा में उठेगी. पूर्व विधायक राजकुमार यादव ने कहा कि देश में अच्छे दिन का माहौल कहीं से नहीं है. आज देश व देश के संविधान और लोकतंत्र को बचाना छात्र युवाओं का पहला काम है. उन्होंने कहा कि किसानों का आंदोलन देश के आवाम की लडाई है.

महिला नेत्री जयंती चौधरी ने कहा कि युवाओं को पढ़ने के साथ राजनीति भी जरूरी है, क्योंकि छात्र युवाओं की राजनीति से हर तानाशाह सरकार डरती है.

इलेक्ट्रॉनिक गोदाम में लगी भीषण आग

जमशेदपुर। सीतारामडेरा थाना अंतर्गत बाराद्वारी सनी मंदिर के पास उस वक्त अफरा-तफरी मच गई. जब सुनील कुमार के इलेक्ट्रॉनिक गोदाम में अचानक आग लग गई. गोदाम से आग की लपटें निकलता देख सुनील ने इसकी सूचना झारखंड अग्निशमन विभाग को दी और स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाने के प्रयास में लग गए. इधर, सूचना पाते ही दो दमकल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास में जुट गई है. खबर लिखे जाने तक आग पर पूरी तरह काबू नही पाया जा सका है. सुनील ने बताया कि वे उषा इंटरप्राइजेज नाम से एक कंपनी चलते है. घर के निचले तल्ले में उनकी कंपनी का गोदाम है. आज सुबह उनके गोदाम में एसी, पंखा और कूलर आया था. सुबह आठ बजे सामान रखवाने के बाद वे सब्जी लेने चले गए. थोड़ी देर बाद ही घर से फोन आया कि गोदाम से धुआं निकल रहा है.

लेंगे ज्ञान

सीयूजे व हंगूक अध्ययन विवि. दक्षिण कोरिया ने एमओयू पर हस्ताक्षर किया

सैमसंग के 13 सॉफ्टवेयर इंजीनियर सीयूजे में पढ़ेंगे हिंदी

तरुण कुमार चौबे। रांची

राजधानी रांची स्थित झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) में जल्द ही दक्षिण कोरिया के छात्र पढ़ने आयेंगे. दरअसल, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय एवं हंगूक अध्ययन विश्वविद्यालय, दक्षिण कोरिया ने एमओयू पर हस्ताक्षर किया है. इस समझौते के तहत विश्व प्रसिद्ध कोरियाई कंपनी सैमसंग के 13 सॉफ्टवेयर इंजीनियर्स झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के फॉर ईस्ट लैंग्वेजेज विभाग में हिंदी पढ़ने आएंगे. हंगूक विश्वविद्यालय ने सैमसंग कंपनी से आ रहे सॉफ्टवेयर इंजीनियर्स की सूची सीयूजे को सौंप दी है.

वीसी ने कोरिया के तीन विवि का दौरा किया था

सीयूजे के कुलपति प्रो केबी दास के दक्षिण कोरिया के दस दिवसीय यात्रा के दौरान उन्होंने दक्षिण कोरिया के तीन विश्वविद्यालयों - हंगूक विदेशी भाषा अध्ययन विश्वविद्यालय, केम्योंग विश्वविद्यालय एवं बुसान विदेशी भाषा अध्ययन विश्वविद्यालय का दौरा किया और भारत एवं भारत की उभरती अर्थव्यवस्था, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं कोरियाई छात्रों के लिए भारत का महत्व जैसे विषयों पर व्याख्यान में हिस्सा लिया.

झारखंड की संस्कृति से भी रू-ब-रू होंगे इंजीनियर

सैमसंग के सभी इंजीनियर हिंदी भाषा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति एवं खास कर झारखंड की संस्कृति से भी रू-ब-रू होंगे. फॉर ईस्ट लैंग्वेजेज के प्राध्यापक एवं प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर शशि कुमार मिश्रा ने बताया कि झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति के आदेशानुसार इस प्रोग्राम के तहत झारखंड की आदिवासी कला-संस्कृति से संबंधित कक्षाएं भी शामिल की जाएंगी एवं झारखंड की भाषाई एवं प्राकृतिक विविधता आदि से संबंधित व्याख्यान का भी आयोजन किया जाएगा, ताकि हिंदी के साथ-साथ उन्हें झारखंड की सांस्कृतिक परंपरा भाषाई एवं प्राकृतिक विविधता से परिचित कराया जा सके.

आनेवाले दिनों में दूरगामी परिणाम देखने को मिलेंगे

दक्षिण कोरियाई कंपनी सैमसंग के 13 सॉफ्टवेयर इंजीनियर्स का सीयूजे में हिंदी पढ़ने आना वास्तव में विश्वविद्यालय के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि आने वाले दिनों में इसके दूरगामी परिणाम देखने को मिलेंगे. इस प्रोग्राम की रूपरेखा झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो केबी दास के दक्षिण कोरिया के दस दिवसीय यात्रा के दौरान तैयार की गयी. कुछ ही दिनों के अंदर दोनों विश्वविद्यालयों ने आपसी सहमति से दक्षिण कोरियाई कंपनी सैमसंग के 13 सॉफ्टवेयर इंजीनियरों के आमंत्रण को स्वीकृति दे दी.

घर घुस युवक की गोली मारकर हत्या

संवाददाता। बालूमाथ (लातेहार)

बालूमाथ पुलिस अनुमंडल क्षेत्र स्थित टोटी हेसला में अपराधियों ने घर में घुस कर एक युवक की गोली मार कर हत्या कर दी. मृतक की पहचान ओमप्रकाश गुप्ता के रूप में हुई है और वह ऑटो चलाता था. घटना के विरोध में आक्रोशितों ने बारियातू में बालूमाथ-चतरा मार्ग को जाम कर दिया और घटना में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे. सड़क जाम की सूचना पर बालूमाथ एसडीपीओ आशुतोष सत्यम वहां पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया. एसडीपीओ ने आश्वासन दिया कि पुलिस जल्द ही घटना का पर्दाफाश करेगी और शामिल अपराधियों को गिरफ्तार कर लेगी. इसके बाद लोगों ने सड़क जाम हटाया. युवक की हत्या को लेकर इलाके में कई तरह की चर्चा हो रही है. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है.

किसने और क्यों गोली मारी, जांच में जुटी पुलिस

घटना के संबंध में बताया जाता है कि शनिवार रात युवक खाना खाकर घर में सो रहा था. इसी दौरान परिजनों ने ओमप्रकाश के चीखने और गोली चलने की आवाज सुनी. परिजन कमरे से बाहर आए तो देखा कि ओमप्रकाश जमीन पर लहूलुहान पड़ा हुआ था. आनन-फानन में परिजन उसको बालूमाथ अस्पताल ले गये. जांचपरांत उसे मृत घोषित कर दिया. सूचना पर बारियातू थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गयी है.

लोकतंत्र की राह पर अवरोधक

देश आम चुनाव के मुहाने पर खड़ा है. निर्वाचन आयोग चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले की तैयारियों में जुटा है. देश में कितने मतदाता हैं, पिछली बार से इस बार कितने नए मतदाता जुड़े, युवा मतदाताओं की संख्या कितनी है, ऐसे तमाम आंकड़े आने शुरू हो चुके हैं. सर्वेक्षण एजेंसियां किस्म-किस्म के सर्वे कराने में जुट चुकी हैं. आज चुनाव हुए तो कौन जीतेगा, मोदी या राहुल किसका चेहरा मतदाताओं की पहली पसंद है, एनडीए और इंडिया गठबंधन में किसका पलड़ा भारी है, राम मंदिर उद्घाटन का फायदा भाजपा को होगा या नहीं, किसान आंदोलन का कितना असर चुनावों पर पड़ेगा, ऐसे कई सवालों के इर्द-गिर्द सर्वे हो रहे हैं और उनके नतीजों के आधार पर देश की भावी सरकार बनाई जा रही है. इन सवालों में एक सवाल और पूछा जाना चाहिए कि क्या इन चुनावों में या इन चुनावों के बाद लोकतंत्र के बचने की कितनी उम्मीदें बाकी रह जाएंगी. क्योंकि फिलहाल देश का जो माहौल है, उसमें लोकतंत्र के आगे बैरिकेड्स लगाए जा चुके हैं. बैरिकेड्स की एक ओर लोकतंत्र और दूसरी ओर सरकार दिखाई दे रही है. शांतिपूर्ण तरीके से विरोध के अपने अधिकार का इस्तेमाल करते हुए ही किसान पंजाब-हरियाणा से आगे बढ़ रहे थे, लेकिन उनपर लगातार आंसू गैस के गोले और छर्रे चलाए जा रहे हैं. पिछले किसान आंदोलन में भी सरकार ने ऐसी ही ज्यादतियां की थीं. तब साढ़े सात सौ से अधिक किसानों की मौत हो गई थी और इस बार फिर किसानों के शहीद होने का सिलसिला शुरू हो चुका है. कुछ दिन पहले एक प्रौढ़ किसान की आंदोलन के दौरान मौत हुई थी और बुधवार को 22 बरस के एक युवा किसान की मौत हो गई. किसानों का आरोप है कि हरियाणा पुलिस ने गोलियां चलाईं, जिनमें कुछ लोग घायल हुए, कुछ लापता हैं और एक युवा किसान की मौत हो गई है. शांति के साथ विरोध करने वालों पर ऐसा अत्याचार साफ बता रहा है कि लोकतंत्र का अध्याय देश में बंद कर नया पाठ शुरू करने की तैयारी हो चुकी है. निर्वाचन आयोग ईवीएम में गड़बड़ी की बात नहीं मानता. हालांकि भाजपा के लिए यही श्रेयस्कर होगा कि वह या तो विपक्ष की शंकाओं का समाधान करे या फिर मतपत्रों से चुनाव के लिए राजी हो. तभी लोकतांत्रिक और निष्पक्ष चुनाव के उसके दावे सही होंगे. फिलहाल तो यही दिख रहा है कि भाजपा लोकतंत्र की कसौटी पर खरे उतरने की कोई फिक्र नहीं कर रही है, उसे केवल 4 सौ पार की सीटों की फिक्र है. भाजपा पर यह आरोप भी विपक्ष का है कि वह जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करती है. गुरुवार सुबह ही खबर आई कि जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक से जुड़े कम से कम 30 ठिकानों पर सीबीआई ने छापे मारे हैं. ये छापे जम्मू और कश्मीर में किरू हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट कॉन्ट्रैक्ट से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामले में मारे जा रहे हैं.

> पिछले किसान आंदोलन में भी सरकार ने ऐसी ही ज्यादतियां की थीं. तब साढ़े सात सौ से अधिक किसानों की मौत हो गई थी और इस बार फिर किसानों के शहीद होने का सिलसिला शुरू हो चुका है. कुछ दिन पहले एक प्रौढ़ किसान की आंदोलन के दौरान मौत हुई थी.

सुभाषित

अजरामरवत्प्राज्ञो विद्यामर्थञ्च चिन्तयेत्।
गृहीत इव केशेषु मृत्युना धर्ममाचरेत्।।

बुद्धिमान व्यक्ति को अपने को वृद्धावस्था और मृत्यु से रहित समझकर ज्ञान और धन अर्जित करना चाहिए और जैसे मृत्यु उसके सिर पर सवार हो, उसे धर्म का पालन करना चाहिए.

दलबदलुओं के लिए भाजपा सबसे मुफीद

एक तरफ पूरे देश में मोदी–मोदी का नारा है, तो दूसरी तरफ 2014 के बाद सबसे ज्यादा दलबदलू नेता भाजपा में गए हैं. एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ 2014 से 2021 तक विधायक–सांसद स्तर के 426 नेताओं ने भाजपा का दामन थामा है. उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल समेत देश के 5 ऐसे राज्य हैं, जहां दलबदलू नेताओं की वजह से ही भाजपा जनाधार बढ़ा पाने में सक्षम हुई. 2014 के चुनाव में करीब 10 सीटों पर भाजपा ने दलबदलुओं को टिकट दिए थे.

• देश-काल

बृजेंद्र दूबे

2024 के आम चुनाव से पहले पीएम नरेंद्र मोदी दावा कर रहे हैं कि इस बार भाजपा 370 पार और एनडीए 400 पार का आंकड़ा छू लेगा, लेकिन मजबूत होता इंडिया गठबंधन और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की सफलता कुछ अलग ही हकीकत बयां कर रही है. अब देखना है कि आम चुनाव के नतीजे क्या होते हैं. हां, एक चीज सच है कि चुनावी सीजन शुरू होते ही दलबदल का देशव्यापी खेल शुरू हो गया है. पिछले कुछ दिनों में 4 राज्यों के दो दर्जन से ज्यादा नेताओं ने पाला बदल लिया है. दल बदलने वालों में पूर्व सीएम से लेकर महापौर स्तर के नेता शामिल हैं. मौजूदा दलबदल का खेल महाराष्ट्र से शुरू हुआ है, जहां पूर्व सीएम और दिग्गज कांग्रेसी अशोक चव्हाण भाजपा में शामिल हो गए. राजस्थान कांग्रेस के विधायक महेंद्रजीत सिंह मालवीय ने भी हाथ का साथ छोड़ कर कमल का दामन थाम लिया. मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ की भी दल बदलने की चर्चा थी, लेकिन आखिरी वक्त पर उन्होंने यूटर्न ले लिया. हालांकि, कमलनाथ के करीबी और जबलपुर के मेयर जगत बहादुर अन्नू जरूर कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हो गए.

देश में दलबदल का भी अपना इतिहास है. यह खेल 1960-70 में हरियाणा से शुरू हुआ था. धीरे-धीरे यह सियासी रोग पूरे भारत में फैलता चला गया. 2014 के बाद से नेताओं के दलबदल के मामलों में काफी तेजी आ गई है. एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के मुताबिक सांसद और विधायक स्तर के 1 हजार से ज्यादा नेता 2014-21 दल बदल के खेल में शामिल हुए. इन सालों में सबसे ज्यादा पलायन कांग्रेस से हुआ. 2014-21 तक विधायक-सांसद स्तर के 399 नेताओं ने कांग्रेस का साथ छोड़ा. दूसरे नंबर पर बहुजन समाज पार्टी रही. बीएसपी छोड़ने वाले नेताओं की संख्या 170 के आसपास थी. सत्ताधारी भाजपा से भी नेताओं का मोहभंग कम नहीं हुआ. 7 साल में 144 नेता भाजपा छोड़ दूसरी अन्य पार्टियों में शामिल हो गए. 2014 के बाद भारत में दल बदलने वाले नेताओं में पूर्व सीएम, केंद्रीय मंत्री स्तर के नेता भी शामिल रहे हैं. 2014 से अब तक 8 पूर्व सीएम पाला बदल चुके हैं. इनमें अशोक चव्हाण, कैप्टन अमरिंदर सिंह और नारायण राणे के नाम प्रमुख हैं. वहीं 20 से ज्यादा केंद्रीय मंत्री भी दलबदल के खेल में शामिल हुए.

आंकड़ों की मानें तो 2014 के बाद सबसे ज्यादा दलबदलू नेता भाजपा में गए हैं. एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ 2014 से 2021 तक विधायक-सांसद स्तर के 426 नेताओं ने बीजेपी का दामन थामा है. वहीं 2021 से 2023 तक विधायक और सांसद स्तर के करीब 200 नेता भाजपा में शामिल हो गए. 2021 से 2023 तक गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा दलबदल का खेल हुआ. इस दौरान कांग्रेस में सिर्फ 176 दलबदलू नेता शामिल हुए. कांग्रेस और भाजपा के अलावा दलबदलुओं की सबसे पसंदीदा जगह एनडीए की सहयोगी शिवसेना और लोजपा जैसे दल रहे हैं. केंद्र की सत्ता में आने के बाद भाजपा ने दलबदलुओं को भी पद से खूब नवाजा. वर्तमान में भाजपा ने 7 राज्यों की कमान दलबदलू नेताओं को दे रखी है. इनमें बिहार, असम, झारखंड और बंगाल जैसे राज्य शामिल हैं. बिहार में सम्राट चौधरी विधायक दल के नेता और प्रदेश अध्यक्ष हैं. सम्राट ने अपना राजनीतिक करियर की शुरुआत राष्ट्रीय जनता दल से की थी. बाद में जेडीयू और हम होते हुए वे भाजपा में आ गए. बिहार में लोकसभा की कुल 40 सीट हैं. असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा भी मूल कांग्रेसी हैं. उन्होंने 2015 में पाला बदलते हुए भाजपा का दामन थाम लिया था. असम में लोकसभा की कुल 14 सीट हैं. झारखंड में भाजपा की कमान बाबूलाल मरांडी के पास है. मरांडी अभी प्रदेश अध्यक्ष हैं, लेकिन उनकी भी गिनती दलबदलू नेताओं में होती है. भाजपा में आने से पहले मरांडी जेवीएम के प्रमुख थे. झारखंड में लोकसभा की कुल 14 सीटें हैं. भाजपा ने पश्चिम बंगाल में भी दल बदल कर आए शुभेंदु अधिकारी पर ही भरोसा जताया है. शुभेंदु बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं. शुभेंदु ने करियर की शुरुआत तृणमूल कांग्रेस से की थी. बंगाल में लोकसभा की 42 सीट हैं. इन राज्यों के अलावा अरुणाचल, त्रिपुरा और मणिपुर में भी दलबदलुओं के हाथ में ही भाजपा की कमान है. तीनों राज्य के मुख्यमंत्री पहले कांग्रेस में रह चुके हैं. दिलचस्प बात यह है कि उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल समेत देश के 5 ऐसे राज्य हैं, जहां दलबदलू नेताओं की वजह से ही भाजपा जनाधार बढ़ा पाने में सक्षम हुई. 2014 के चुनाव में करीब 10 सीटों पर भाजपा ने दलबदलुओं को टिकट दिए थे. 2017 के यूपी विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जमकर दलबदलुओं की खातिरदारी की. भाजपा को इसका फायदा मिला और 300 से ज्यादा सीटों पर जीत हासिल कर पार्टी ने सरकार बना ली. चुनाव बाद यूपी कैबिनेट में भी दलबदलुओं का दबदबा दिखा. चुनाव से पहले नेताओं के पलायन को लेकर हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बयान दिया था. उन्होंने कहा था, कांग्रेस में सिर्फ एक परिवार की राजनीति होती है. पार्टी भाई और भतीजेवाद में फंस गई है, इसलिए नेता वहां से इधर आ रहे हैं. दलबदल को रोकने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने साल 1985 में भारत के संविधान में 52वां संशोधन किया, जिसके बाद 10वीं अनुसूची आस्तित्व में आया. इसके मुताबिक विधायकों पर कार्रवाई का अधिकार स्पीकर को दिया गया है. इसमें अंदर और बाहर दोनों जगह उनके आचरण के लिए अयोग्यता की कार्रवाई का अधिकार दिया गया है. हालांकि, कई मामलों में देखा गया है कि शिकायत के बावजूद इस पर कार्रवाई नहीं हुई है. उदाहरण के लिए 17वीं लोकसभा के दौरान तृणमूल कांग्रेस ने अपने 3 सांसद शिशिर अधिकारी, दिव्येंदु अधिकारी और सुनील मंडल के खिलाफ 2021 में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन सत्र खत्म होने के बाद भी तीनों पर कार्रवाई नहीं हुई. दलबदल कानून में दो तिहाई विधायकों के एक साथ अलग होने पर किसी भी तरह की कार्रवाई का नियम नहीं है. कई जगह पर देखा गया है कि कार्रवाई से बचने के लिए एकसाथ विधायक पार्टी छोड़ देते हैं. दलबदल कानून सिर्फ चुने हुए जनप्रतिनिधियों पर ही लागू होता है, इसलिए बड़े-छोटे नेता आसानी से पार्टी बदल लेते हैं.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

मानसिक विकार

जब भी ऐसी कोई घटना प्रकाश में आती है, संस्कार व संस्कृति को सप्रयोजन भांडना शुरू हो जाता है, लेकिन संस्कार व संस्कृति को बार बार दुत्कारने के फलस्वरूप, लोगों में दुनिया व समाज की परवाह न करने का भाव जड जमाता है. अनुशासन विहीन भाव को स्वछंदता का खुला मैदान मिल जाता है. ऐसे में मनोविकारी अपनी कामकुंठा को बेहिचक अभिव्यक्त करने का दुस्साहस करता है. मनोविकारी को अवसर देने के लिए जिम्मेदार कौन है? हम ही न? फिल्म, टीवी आदि मीडिया, ऐसी क्रूर काम-घटनाओं के समाचार द्वारा 'काम' और 'दुख' दोनों को बेचता है. साथ ही बिकने के लिए प्रस्तुति को और भी वीभत्स रूप देता है. मीडिया व विज्ञापन प्रतिदिन, निसंकोच और बेपरवाह होकर, कामविकारों को सहजता से प्रस्तुत करते हैं. परिणाम स्वरूप कामतृष्णा और कामविकारों को सहज सामान्य मनवा लिया जाता है. संयम को दमित कुंठा और उच्छ्रंखलता को प्राकृतिक चित्रित किया जाता है. इस प्रकार मनोविकार आम चलन में आते हैं. ऊपर से तुर्रा यह कि यौनाचारों को उपेक्षित रखे, बच कर रहे तो हौवा, टैबू आदि न जाने क्या क्या कहकर, समाज को अविकसित करार दिया जाता है. कहिए कौन है जिम्मेदार? नैतिक शिक्षा तो जैसे बाबाओं के प्रवचन के समान परिहास का ही विषय बन गया है. और हम सुधरे हुए लोगों ने नैतिक शिक्षा और आदर्श चरित्र पालन को मजाक बनाने में अपना भरपूर योगदान किया है. आज नैतिक समतावान, सरल और चरित्र प्रतिबद्ध लोग तो किसी फिल्म के कॉमेडी करेक्टर बन कर रह गए है. घर के संस्कार कितने भी दुरस्त रखें जायें, बाहरी रहन सहन, वातावरण के संयोग से विकारों का आना अवश्यंभावी है. शिक्षितों का उछृंखल व्यवहार, अशिक्षितों को भी छद्म आधुनिक दिखने को प्रेरित करता है. इंटरनेट पर पसरी वीभत्स अश्लीलता ने विक्षिप्तता की सीमा पार कर ली है. उन पर आते वीभत्स कामाचार के प्रयोग, रोज रोज पुराने पडते जाते हैं. खून में उबाल और आवेगों को बढाने के लिए विकार के तीव्र से तीव्रतम प्रयोग होते जाते हैं, और क्रूर और दुर्दांत. ये पोर्न साईटें, निरंतर और भी हिंसक, दर्दनाक, पीडाकारक दृश्य परोसते हैं. पीडन से आनंद पाने की विकृत अदम्य तृष्णा. ऐसी पिपासा का किसी भी बिंदु पर शमन नहीं होता, किंतु नशे की खुराक की तरह कामेच्छा और भी क्रूरतम होती चली जाती है. प्रत्येक कारण को टालने के बजाय सभी के समुच्य पर विचार करना होगा. प्रलोभन से अलिप्त रहकर. पुरुषार्थ में पर्याप्त सम्भावनाएं हैं. बस, प्रयास ईमानदार होने चाहिए. आप क्या कहते हैं इन निष्कर्षों पर?

धरती बचाने की दिशा में दुनिया की पहल

• जलवायु

पवन नागर

चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतरने वाला भारत जब तकनीक में इतना संपन्न है तो धरती पर यह तकनीक काम क्यों नहीं करती? पिछली गर्मी में बारिश के कारण किसानों की फसलें खराब हो गई थीं, जबकि मानसून में कहीं सूखे के कारण तो कहीं अधिक वर्षा के कारण किसानों की फसलों को बहुत नुकसान हुआ. ऐसे में किसानों के इस नुकसान का पूर्वानुमान लगाने वाली कोई तकनीक अभी तक हमारे पास क्यों नहीं है? जलवायु परिवर्तन ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिये हैं. आने वाले सालों में यह और भी खतरनाक हो सकता है. अभी हमारे देश के कुछ राज्य सूखे का सामना कर रहे हैं तो कई राज्यों को अधिक वर्षा के कारण बाढ़ और भू-स्खलन की घटनाओं का सामना करना पड़ रहा है. ऐसा नहीं है कि जलवायु परिवर्तन का असर सिर्फ भारत में ही हो रहा है. पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन का असर हो रहा है, जिसके कारण दुनियाभर के लोग इससे प्रभावित हो रहे हैं. गौरतलब है कि जलवायु परिवर्तन से किसानों को सबसे ज़्यादा परेशानी का सामना करना पड़ेगा, खासकर उन किसानों को जिनके पास खेती के अलावा और कोई आजीविका नहीं है. मतलब छोटे और मध्यम किसानों पर इसका सीधा प्रभाव पड़ेगा, जिसके कारण न सिर्फ इनके परिवार संकट में आएंगे, बल्कि खेती-किसानी से जुड़े सभी लोग प्रभावित होंगे और खाद्यान्न संकट पैदा होगा सो अलग. जलवायु परिवर्तन के कारण किसानों की फसलें खराब हो रही हैं, जिससे खाद्य सामग्रियों के दाम अप्रत्याशित रूप से बढ़ रहे हैं. जलवायु परिवर्तन की समस्या से निजात पाने में हर व्यक्ति को अपना योगदान देना होगा. चूंकि इस समस्या के उत्पन्न होने में हर व्यक्ति का हाथ है, इसलिए इसके समाधान में भी हर व्यक्ति को भागीदार होना होगा. जिस प्रकार से हमने पर्यावरण को बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, ठीक वैसे ही हम सबको पर्यावरण को ठीक करने के लिए कमर कस लेना चाहिए. ऐसा नहीं है कि जलवायु परिवर्तन का संकट सिर्फ एक दिन में खड़ा हो गया है और एक दिन में इसका हल निकल जाएगा. यह धीरे-धीरे होने वाली एक घटना है और इसका समाधान भी धीरे-धीरे ही होगा. वैसे तो देश-विदेश की सारी समस्याओं की चर्चा आमजन कर ही लेते हैं, परंतु जलवायु परिवर्तन पर चर्चा करने के लिए किसी के पास समय नहीं है, बल्कि कहना चाहिए कि जलवायु परिवर्तन की समस्या को आमजन कोई समस्या ही नहीं मानते. इसीलिए यह समस्या इतनी विकराल हो गई है.जैसे भोजन की गुणवत्ता पर किसी का ध्यान नहीं है, वैसे ही जलवायु परिवर्तन पर भी किसी का ध्यान नहीं है. 'हरित क्रांति' के बाद हमारे देश में रसायन आधारित खेती के कारण शुद्ध और पोषणयुक्त भोजन का अभाव हो गया है. हमारा देश ही नहीं, अपितु विश्वभर के लोग रसायनयुक्त भोजन करने पर मजबूर हैं. जिस भोजन से जीवन चलना है उस पर किसी का ध्यान ही नहीं कि उसे किस विधि से उत्पादित किया जा रहा है या उसको उपजाने में कितने ज़हरीले रसायनों का इस्तेमाल हो रहा है. इसी कारण विभिन्न बीमारियों का जन्म हो रहा है.जितनी ऑक्सीजन साल भर में पौधों से लें, उतनी वापस करने के लिए उतने पौधे हर साल लगाएं. यदि प्रकृति साल भर तरह-तरह के फल खाने को दे रही है तो मेरी भी जिम्मेदारी है कि फलदार वृक्ष लगाऊं. यदि जंगलों से वर्षा हो रही है तो जंगलों को बचाने, बनाने में सहयोग करूं. नदियों से हमारा जीवन चल रहा है तो हमको नदियों को बचाकर रखना होगा, न कि उनको प्रदूषित करना है. इस प्रकार प्रकृति हमको जीवन जीने के लिए जो भी कुछ दे रही है, उसे कीमती समझकर उसका सम्मान करें और उसको नुकसान पहुंचाने वाला कोई भी कार्य न करें. जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने की दिशा में यही सबसे बड़ा कदम होगा.किसानों से अपेक्षा है कि वे खेती करने के वर्तमान तरीकों को बदल लें और देश-काल-परिस्थिति के हिसाब से खेती करें, प्रकृति को नुकसान हो ऐसी खेती नहीं करें. रसायन आधारित खेती के दुष्परिणाम अब पूरे विश्व के सामने आने लगे हैं. इन रसायनों के कारण ही भू-जल ज़हरीला हो रहा है, वायु प्रदूषण फैल रहा है और मृदा की उर्वरा शक्ति भी कमज़ोर हो रही है, जबकि खेती के लिए इन तीनों चीज़ों का शुद्ध होना बहुत ज़रूरी है. इनके बिना खेती की कल्पना करना बहुत ही मुश्किल है. इसलिए जितनी जल्दी हो, इन रसायनों से तौबा कर लें. सजग रहें, सतर्क रहें.

> पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन का असर हो रहा है, जिसके कारण दुनियाभर के लोग इससे प्रभावित हो रहे हैं. गौरतलब है कि जलवायु परिवर्तन से किसानों को सबसे ज़्यादा परेशानी का सामना करना पड़ेगा, खासकर उन किसानों को जिनके पास खेती के अलावा और कोई आजीविका नहीं है.

लाखों दिलों की धड़कन की आवाज खामोश

• स्मृति शेष

जाहिद खान

आख़िरकार, वह आवाज़ ख़ामोश हो गई, जो लाखों लोगों के दिलों पर राज करती थी. जिस आवाज़ से जुड़कर, मुल्क का आम आदमी भी एक अपनापन महसूस करता था. कुछ वक्त के लिए ही सही, वह अपना ग़म-ओ-रंज भूल जाता था. अब वह आवाज़ उन्हें कभी सुनाई नहीं देगी. आज़ादी के बाद जिन लोगों ने रेडियो को आम आदमी तक पहुंचाया, उसकी लोकप्रियता बढ़ाई, उनमें अव्वल नंबर पर अमीन सयानी का नाम था. जो अब दुनिया को सदा के लिए अलविदा कह गये. वह कुछ सालों से सेहत की परेशानियों से गुज़र रहे थे. एक दौर था, जब अमीन सयानी रेडियो की आवाज़ थे. उसकी पहचान थे. यूं कहें कि रेडियो की आवाज़ के मायने अमीन सयानी थे. हफ्ते में एक बार बुधवार के दिन पूरी फैमिली साथ बैठती. रेडियो पर जैसे ही उनका सुपर हिट प्रोग्राम 'बिनाका गीतमाला' शुरू होता, तो वक्त जैसे थम जाता. ऐसी मक़बूलियत बहुत कम रेडियो प्रोग्राम और एनाउंसर को हासिल हुई है. अमीन सयानी के बड़े भाई हामिद सयानी रेडियो सीलोन में प्रोड्यूसर थे. उन्होंने ही अमीन सयानी का रिश्ता रेडियो से जोड़ा. हामिद सयानी के मशविरे पर अमीन सयानी ने ऑल इंडिया रेडियो में हिंदी ब्रॉडकास्टर के लिए आवेदन किया. अब इस बात पर शायद ही कोई यक़ीन करे कि उनकी आवाज़ रेडियो के लिए रिजेक्ट कर दी गई थी. इस घटना के बाद अमीन सयानी थोड़ा निराश हो गए. अपने गाइड और उस्ताद हामिद सयानी के पास पहुंचे, तो उन्होंने अमीन से रिकॉर्डिंग के दौरान रेडियो स्टेशन के हिंदी कार्यक्रम सुनने को कहा. अमीन सयानी ने ब्रॉडकास्टिंग का फ़न सीखने और उसे फॉलो करने में जी-जान लगा दिया. बीसवीं सदी के पांचवें दशक में रेडियो सीलोन पर हामिद सयानी की पेशकश में अंग्रेज़ी गीतों का एक प्रोग्राम बहुत बढ़िया प्रदर्शन कर रहा था. इस कामयाबी से मुतास्सिर होकर एड कंपनी ऐसा ही एक प्रोग्राम हिंदी फ़िल्मी गीतों का भी करना चाहती थी. अपनी यह चाहत उन्होंने हामिद सयानी को बयान की. हामिद सयानी ने यह प्रोग्राम खुद्द न करते हुए अमीन सयानी को इसके लिए राज़ी कर लिया. इस तरह रेडियो पर एक शानदार प्रोग्राम के सफ़र का आग़ाज़ हुआ, जिसका नाम 'बिनाका गीतमाला' था. आज से सात दहाई पहले यानी 3 दिसंबर, 1952 को सात गानों की सीरीज़ का पहला प्रोग्राम रिले किया गया, जिसे खूब्र पसंद किया गया. पहले ही प्रोग्राम से इसे जो कामयाबी मिली, फिर अमीन सयानी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा. वे रातों-रात आवाज़ की दुनिया में स्टार बन गए. रेडियो सीलोन में पहले प्रोग्राम के बाद, 'बिनाका गीतमाला'की तारीफ़ में श्रोताओं के तक़रीबन नौ हज़ार ख़त पहुंचे. यह सिलसिला आगे भी क़ायम रहा. एक दौर ऐसा भी आया, जब हर हफ्ते ख़त की तादाद पचास हज़ार तक पहुंच गई. रेडियो और आवाज़ की दुनिया में पहले किसी प्रोग्राम को इतनी बड़ी कामयाबी नहीं मिली थी. रेडियो सीलोन और फिर उसके बाद आकाशवाणी के विविध भारती पर प्रसारित 'बिनाका गीतमाला' की चालीस बरस से भी ज्यादा समय तक, देश में ही नहीं दुनिया के कई देशों में धूम रही. दुनिया में कोई दूसरा रेडियो या टीवी प्रोग्राम इतने लंबे वक़्त और एक साथ पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफ़गानिस्तान, श्रीलंका और खाड़ी के मुल्कों में मक़बूल नहीं रहा. इस प्रोग्राम के चाहने वाले दक्षिण एशिया, मध्यपूर्व, पूर्वी एशिया और यूरोप के कुछ मुल्कों में भी थे. आज भी रिसर्च का विषय है कि इस कामयाबी के पीछे हिंदी फ़िल्मी नग़मों का जादू था या अमीन सयानी की चहकती आवाज़, या फिर प्रोग्राम को पेश करने का उनका दिलकश अंदाज़. 'बिनाका गीतमाला' के अलावा अमीन सयानी ने रेडियो पर जो भी प्रोग्राम पेश किए, सभी कामयाब रहे. अमीन सयानी का नाम ही इन प्रोग्राम की कामयाबी की जमानत होता था. 'एस कुमार्स का फ़िल्मी मुक़दमा', 'फ़िल्मी मुलाकात', 'सैरिडॉन के साथी', 'मराठा दरबार', 'संगीत के सितारों की महफ़िल' वगैरह ऐसे कई प्रोग्राम हैं, जो अमीन सयानी की दिलकश आवाज़ और दिलचस्प पेशकश से श्रोताओं के जेहन में आज भी ज़िंदा हैं. अमीन सयानी ने अपने रेडियो कैरियर के दौरान फ़िल्मी दुनिया के टॉप कलाकारों, गायकों, संगीतकारों और गीतकारों के इंटरव्यू लिए. पचास हज़ार से ज्यादा रेडियो प्रोग्रामों के लिए काम किया और पन्द्रह हज़ार से भी अधिक विज्ञापनों में अपनी आवाज़ दी जो एक रिकॉर्ड है.

> रेडियो पर जैसे ही उनका सुपर हिट प्रोग्राम 'बिनाका गीतमाला' शुरू होता, तो वक्त जैसे थम जाता. ऐसी मक़बूलियत बहुत कम रेडियो प्रोग्राम और एनाउंसर को हासिल हुई है. अमीन सयानी के बड़े भाई हामिद सयानी रेडियो सीलोन में प्रोड्यूसर थे. उन्होंने ही अमीन सयानी का रिश्ता रेडियो से जोड़ा. हामिद सयानी के मशविरे पर अमीन सयानी ने ऑल इंडिया रेडियो में हिंदी ब्रॉडकास्टर के लिए आवेदन किया.

मीडिया में अन्यत्र

राजकोषीय घाटे को कम करने की पहल

इस माह के आरंभ में पेश किए गए अंतरिम बजट में सरकार ने राजकोषीय घाटे को नियंत्रित करने और बाहरी उधारी को सीमित करने पर नए सिरे से जोर दिया. वित्त वर्ष 25 में राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 5.1 फीसदी तक सीमित रखने का लक्ष्य रखा गया है, जो वित्त वर्ष 24 (संशोधित अनुमान) की तुलना में 71 आधार अंकों के समेकन को दर्शाता है. कर-जीडीपी अनुपात में भी इजाफा हुआ और यह वित्त वर्ष 24 के 10.1 फीसदी से बढ़कर वित्त वर्ष 25 (बजट अनुमान) में 11.7 फीसदी हो गया. कर-राजस्व उछाल में भी सुधार हुआ. इसके साथ ही राजस्व व्यय में नियंत्रित वृद्धि, पूंजीगत व्यय को प्रदान किए गए प्रोत्साहन के साथ मिलकर यह प्रदर्शित करती है कि उधार का एक बड़ा हिस्सा अब पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण की दिशा में निर्देशित है.उल्लेखनीय बात है कि राजस्व व्यय और पूंजीगत आवंटन में अनुपात में जो गिरावट आई है वह संकेत देती है कि सरकार व्यय की गुणवत्ता सुधारने का प्रयास कर रही है, जबकि इस दौरान वह राजकोषीय समेकन के मार्ग पर बने रहना चाहती है.दिलचस्प बात यह है कि यह पत्र पूंजीगत व्यय को नए सिरे से परिभाषित करता है और विकास संबंधी व्यय पर नजर डालता है. इसका दायरा व्यापक है क्योंकि इसमें सामाजिक और आर्थिक व्यय शामिल है जो स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल, डिजिटलीकरण और जलवायु जोखिम को भी समेटे हुए है. इसका उद्देश्य है राजस्व व्यय के उन घटकों को शामिल करना जो वास्तव में भौतिक और मानव पूंजी निर्माण के रूप में सामने आ सकते हैं. इसके साथ ही पूंजीगत व्यय के उस हिस्से को अलग करना जो वृद्धि को बढ़ावा देने वाला नहीं हो. वित्त वर्ष 25 में पूंजीगत व्यय के जहां जीडीपी के 3.4 फीसदी रहने का लक्ष्य तय किया गया है, वहीं विकास संबंधी व्यय के जीडीपी के 4.2 फीसदी के बराबर रहने का अनुमान है. आमतौर पर यह माना जाता है कि कम सरकारी व्यय अल्पावधि में आर्थिक वृद्धि को कमजोर करता है. परंतु राजकोषीय समेकन दीर्घावधि में वृद्धि को गति दे सकता है. ऐसा दीर्घावधि में ब्याज दरों को कम करके किया जा सकता है. इससे निजी निवेश आएगा और उसी समय अधिक उत्पादक व्यय मसलन भौतिक और मानव पूंजी में सार्वजनिक निवेश तथा लक्षित सामाजिक व्यय के लिए राजकोषीय गुंजाइश बनेगी. इस बारे में पत्र में जो उपाय सुझाए गए हैं उनमें श्रम शक्ति को नए सिरे से कौशल संपन्न बनाना, डिजिटलीकरण में निवेश करना और ऊर्जा किफायत हासिल करना शामिल है. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

वरना/वर्ना

किसी शायर ने क्या खूब कहा है- एक तेरा ही ख्याल है हमारे पास वरना अकेले में कौन मुस्कुराता है. लोग कहते हैं पढ़ाई पर अभी से ही ध्यान दो वरना फेल कर जाओगे. तुम मेरी बात मान लो वरना किसी बड़े धोखे के शिकार हो जाओगे. आप खाना खा लीजिए वरना (नहीं तो) मैं भी खाना नहीं खाऊंगी. इन वाक्यों में वरना शब्द अनिवार्य रूप से आया है. वरना फारसी मूल का अव्यय शब्द है और इसका प्रयोग हिंदी भाषा में जम कर होता है. समस्या इस शब्द के प्रयोग में नहीं है, बल्कि दो वर्तनियों में प्रचलित इसके रूपों की है-वरना और वर्ना. जन सामान्य के मन में इस शब्द के प्रयोग करते समय यह सवाल उठता है कि क्या लिखें? वरना लिखें या वर्ना? दोनों में कौन सही है. यहां यह बता देना आवश्यक है कि वरना कहें या वर्ना, दोनों का मतलब एक ही है-अन्यथा, नहीं तो, फिर. प्रायः हिंदी शब्दकोशों में वरना शब्द को ही मान्यता दी गयी है. हिंदी शब्दकोशों में वर्ना शब्द का उल्लेख भी नहीं किया गया है, लेकिन रेख्ता उर्दू हिंदी शब्दकोश में वर्ना शब्द को ही मान्यता दी गयी है. इसे भी फारसी मूल का ही बताया गया है और शायर महमूद शाम के इस शेर का भी उल्लेख किया गया है-ये और बात कि चाहत के ज़ख़्म गहरे हैं, तुझे भुलाने की कोशिश तो वर्ना की है बहुत. कुछ भाषाविदों का मानना है कि वरना और वर्ना दोनों में कोई अंतर नहीं है, लेकिन अर्थ के दृष्टिकोण से ही. विचार करने की बात यह है कि हिंदी वर्तनी के अनुसार क्या लिखना सही है. जहां तक मैं समझ पाया हूं वरना ही सही वर्तनी है. वरना का एक मतलब किसी को वरण करना(स्वीकार या अंगीकार करना) भी होता है. जैसे- माता सीता ने श्री राम को अपने पति के रूप में वरण(स्वीकार या अंगीकार) किया. इससे मिलता जुलता शब्द है वरन, जिसका मतलब है ऐसा नहीं, बल्कि, विपरीत.

आप कुछ समझते क्यों नहीं बाबा!

• तीर-तुक्का

सुरेन्द्र वर्मा

दुनिया मूर्खों से भरी पड़ी है. एक ढूंढो हज़ार मिलते हैं. कुछ अक्लमंद लोग मूर्खों से इतना परहेज़ करते हैं कि वे उनकी शक्ल नहीं तक नहीं देखना चाहते. ऐसा नहीं है कि बुद्धिमान लोग मूर्खता नहीं करते, लेकिन वे बस, शुरू शुरू में ही मूर्खता करते हैं. बाद में संभल जाते हैं, किन्तु बाद में जब वे मूर्खता करते हैं तो वह छोटी-मोटी मूर्खता नहीं होती. वह हिमालयी- मूर्खता होती है. हमारा प्रजातंत्र जनता का राज है. ज़ाहिर है, जनता में बुद्धिमानों की बजाय अधिकतर लोग मूर्ख ही होते हैं और बुद्धिमान भी मूर्खता करने से बाज़ नहीं आते. हम मूर्खों में से ही अपना नेता चुनते हैं और बाद में खुद ही रोते हैं कि हम बड़े मूर्ख हैं जो ऐसा नेता चुन लिया. ऐसी गलती न करने की हम कसम खाते हैं, लेकिन बार बार यही गलती कर बैठते हैं. क्या किया जाए, मूर्ख जो ठहरे. हमें कोई अधिकार नहीं है कि हम अपने को मूर्ख बनाएं, लेकिन दूसरों को मूर्ख बनाने में हम खुद ही बन बैठते हैं. एक मूर्ख और एक धूर्त में फर्क करना बड़ा कठिन होता है. जो वास्तव में मूर्ख है, वह सच्चा मूर्ख होता है, धूर्त नहीं होता. वह कभी धूर्त बनने की कोशिश करे तो भी मूर्ख ही बन जाता है. मुश्किल तब आती है कि जब एक धूर्त अपनी धूर्तता कारगर करने के लिए एक मूर्ख का सफल अभिनय करने लगता है और लोग, जो अधिकतर मूर्ख ही होते हैं, उसके जाल में फंस जाते हैं. धूर्तों की सफलता मूर्खों पर ही आश्रित है. मुझे हमेशा मूर्खों से डर बना रहता है, क्योंकि मैं कभी स्वयं को आश्वस्त नहीं कर पाता कि सामनेवाला मूर्ख है या धूर्त. मूर्खों का भी एक प्ररूप-शास्त्र (टाइपोलाजी) है. आदमी मूर्ख पैदा हुआ है और ताउम्र मूर्ख ही बना रहता है.बच्चों की मूर्खताएं बचपना कहलाती हैं, जवानी की मुर्खता दीवानगी होती है (गधा-पचीसी).और बुढापे की नासमझी तो मूर्खता से भी गई-बीती है। मेरा पोता मोबाइल हाथ में लिए मुझसे कह रहा था, बाबा आप तो समझते ही नहीं हैं! मैंने कहा, तुम ठीक कह रहे हो.जब मैं बच्चा था, मेरे पिता मुझसे कहते थे, इतनी बार बताया तू समझता क्यूं नही है. बड़ा हुआ तो यही जुमलेबाजी मुझे अपने स्कूल और कालेज के अध्यापकों से सुननी पड़ती थी. विवाह के बाद पत्नी ने मुझे समझाने में कोई कोर-कसर नहीं रखी. पर मैं मूर्ख का मूर्ख. अब मेरा बेटा और मेरे बेटे का बेटा कहता है, आप समझते क्यों नहीं बाबा! हम तो जन्मजात और ताउम्र मूर्ख ही ठहरे, समझें कैसे?

सुकून

वर्कप्लेस और काम

हम सभी का अच्छा खासा समय वर्कप्लेस पर गुजरता है. इसलिए इस जगह पर 'फील गुड' की काफी ज्यादा जरूरत है. अगर हम वर्कप्लेस में खुश नहीं हैं, तो हमारा काम उससे प्रभावित होगा. व्यक्ति जब अपने काम और वर्कप्लेस से संतुष्ट रहता है, तो उसकी प्रोडक्टिविटी पर सीधा असर पड़ता है. वह बेहतर ढंग से काम करता है, ज्यादा काम करता है और थकता भी नहीं. वर्कप्लेस पर अच्छा महसूस करने के लिए हमें तीन स्टेप लेने होंगे -

- अगर हमें काम ही पसंद नहीं है, तो हमें काम बदल लेना चाहिए. वर्कप्लेस से हम संतुष्ट नहीं है, तो वर्कप्लेस बदलने के बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए. कुछ लोग हिम्मत करके अपना वर्कप्लेस चेंज करते हैं. ज्यादातर लोग यह हिम्मत नहीं जुटा पाते. लेकिन रिस्क लेना चाहिए. ऐसे कई लोग हैं जिन्होंने 50 की उम्र के बाद अपना काम और वर्कप्लेस बदला है और कामयाब भी हुए हैं. आक्रोश लेकर, असंतुष्ट मन से काम कर हम कभी अच्छा महसूस नहीं कर सकते.
- अगर हम काम बदल नहीं सकते तो हमें एडजस्ट करना सीखना चाहिए. अपने काम करने के तरीके में बदलाव लाना चाहिए. अपने को इंप्रूव करना चाहिए ताकि काम को बेहतर ढंग से कर सकें, अपने काम को इंजॉय कर सकें.
- अगर बॉस हमारे काम से संतुष्ट नहीं है, या हमारे बात व्यवहार से खुश नहीं है, तो स्वाभाविक है वह हमारे ऊपर टीका टिप्पणी करता ही रहेगा. इससे हमारी मानसिक शांति भंग होगी. हम हमेशा तनाव में रहेंगे. जरूरी है कि बॉस के अनुसार अपने आप को बदलें. वह जैसा चाहता है, उसके अनुसार काम करें. अगर हम उसके गुड बुक्स में रहेंगे, तो हमें मानसिक तनाव नहीं रहेगा और हम अच्छा महसूस करेंगे. हम बॉस को नहीं बदल सकते इसलिए जरूरी है कि उसके अनुसार अपने आप को बदलें, अगर हम मानसिक शांति चाहते हैं.

घर

मोटिवेशन

जिंदगी को बेहतर बनाने का फंडा– एफजीए

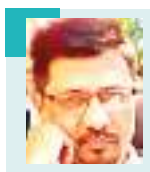

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

टर्म एफजीए इन दिनों काफी ट्रेंड कर रहा है. शायद आपने सुना होगा. अगर नहीं सुना तो आज इस टर्म से वाकिफ हो जाइए क्योंकि यह हमारी जिंदगी से बहुत क्लोजली जुड़ा हुआ है. इसका फुल फॉर्म है - फील गुड अप्रोच अर्थात अच्छा महसूस करने वाला दृष्टिकोण. लोग लगातार काम किए जा रहे हैं, भाग-दौड़ कर रहे हैं, पैसा कमा रहे हैं, नाम कमा रहे हैं लेकिन अफसोस, खुश नहीं हैं, अच्छा महसूस नहीं कर रहे हैं. जरूरी है कि आदमी जो करे, अच्छा महसूस करे. अब अच्छा महसूस कोई कैसे करेगा! आज इसी पर करें चर्चा....

हम सभी घर में काफी समय बिताते हैं. घर में अच्छा फील करने की सख्त जरूरत है. यह बात हमें अच्छी तरह से जान लेना चाहिए कि हम हर किसी को खुश नहीं कर सकते. तो इसका उपाय है कि जितना संभव है, हम अपने परिवार के लिए करें. अनावश्यक डिमांड को इग्नोर करें. परिवार में सिर्फ एक व्यक्ति के फील गुड अप्रोच से बात नहीं बनने वाली. इसके लिए सभी सदस्यों को प्रयास करना होगा. यह तभी संभव है जब परिवार के सदस्य मोबाइल की दुनिया से बाहर निकलें. परिवार के सदस्य शाम या रात के समय साथ बैठें, अच्छी सकारात्मक बातें करें. वही घिसा पिटा शिकायत और जरूरत का पिटारा लेकर न बैठ जाएं. परिवार में बातचीत का दरवाजा खुला हो, थोड़ा हंसी मजाक होता रहे तो माहौल खुशनुमा रहेगा, जिंदगी आनंददायक हो जाएगी.

सोच

आज का हर व्यक्ति ओवरथिंकिंग का शिकार है. इसमें से ज्यादातर बातें नकारात्मक होती हैं, इधर-उधर की बेकार की बातें होती हैं. हम कई व्यक्तियों के प्रति आक्रोश पाले रहते हैं. कुछ घटनाओं को लेकर दिन रात परेशान रहते हैं. जब दिन रात व्यक्ति नकारात्मक सोचेगा, बेकार की बातों से दिमाग को भरेगा, तो अच्छा महसूस कैसे करेग! जैसे मोबाइल की मेमोरी फुल हो जाती है, तो उसे खाली करना पड़ता है. इसी तरह व्यक्ति को दिमाग खाली करने की जरूरत है. और यह आसान काम नहीं है. इसके लिए ऑटो सजेशन की जरूरत पड़ेगी.

अचेतन को बोलना होगा

सोने से पहले अपने अवचेतन मन को सुझाव दें. कहें कि मुझे उन व्यक्तियों से दूर रहना है जो मेरी परेशानी का कारण हैं. मैं दिमाग से सारी नकारात्मक घटनाओं को हटा रहा हूं जो मुझे परेशान करती हैं. फिर ईश्वर को याद कर सो जाएं. सुबह उठकर 5 से 10 मिनट आंखें बंद कर अचेतन मन से बोलना होगा - आज का दिन उत्साह से भरा हुआ है. आज का दिन बहुत अच्छा जाएगा. मैं खुश हूं, ऊर्जा से भरा हुआ हूं. भीतर से हमें ऐसा महसूस भी करना होगा. मनोविज्ञान के अनुसार कोई भी काम आदमी अगर लगातार 66 दिनों तक करता है, तो वह उसकी आदत बन जाती है. यह प्रक्रिया अगर हम 66 दिन रोज करें तो काफी हद तक हम नकारात्मक लोग से दूर हो जाएंगे, और बेकार सोच से बाहर आ जाएंगे. तब हम अच्छा महसूस करेंगे.

मूल मंत्र

जब तक जिंदगी है, क्यों न अच्छा फील किया जाए. इसका ठीक से आनंद उठाया जाए. इसके लिए जरूरी है, हम अपने काम को इंजॉय करें, अपने संबंधों को बेहतर बनाएं और ओवरथिंकिंग से बाहर आएं. विश्व प्रसिद्ध जिम्नास्ट नादिया कोमानेची ने बहुत सही सलाह दी है - जिंदगी की यात्रा में हमारी कोशिश होनी चाहिए कि हमारा आज कल से बेहतर हो. हमें जो काम पसंद है, उसके प्रति हमारा प्यार और जुनून सदैव कायम रहना चाहिए.

इन दिनों मेरी किताब : तन मन मुसाफिर

एक यायावर की डायरी

श्रीनिवास

यह किरण जी की तीसरी किताब है. मेरे लिए विशेष रुचि की इसलिए भी है कि मुझे भी यात्रा-पर्यटन पसंद है. मगर पूरा मौका नहीं मिल सका, जितना चाहता था. भारत में तो थोड़ा बहुत घूमा भी, पर मेरे हाथ में यदि विदेश यात्रा वाली रेखा रही हो, तो वह कोटा नेपाल की यात्रा से पूरा हो गया है. विदेशों के बारे में वहां हो आये मित्रों-परिचितों से सुन कर या यात्रा वृत्तांत पढ़ कर ही जानता रहा हूं. किरण जी की घुमक्कड़ी के किस्से रूबरू भी सुनता रहा हूं. कई बार साथ भी रहा हूं. और इस किताब का बहुत सारा हिस्सा छपने से पहले पढ़ चुका हूं. अब वह किताब के रूप में सामने है. किताब में खूबसूरत हिमाचल प्रदेश की यात्राओं का विवरण भी है. एक बार मैं भी लेखिका, इनकी मित्र और अपनी लाइफ पार्टनर कनक (जो अब नहीं हैं) के साथ हिमाचल गया था. "तन मन मुसाफिर" में जब उस यात्रा वृतांत (जो कई अध्यायों में विस्तार से समेटा गया है) को पढ़ा तो वहां की खूबसूरत यादें साकार होने लगी. किरण जी ने जिस सहज भाषा में वहां की संस्कृति, परम्पराओं को जोड़ते हुए उसका वरना किया है वह पढ़ने पर आकर्षक लगता है. 'कश्मीर की खूबसूरत वादियों' के बारे में पढता रहा हूं, फिल्मों में उसके नज़ारे देखता रहा हूं, लेकिन जाने का मौका वहां नहीं मिला है. पर इस किताब में पढ़ कर उन खूबसूरत वादियों की जीवंतता का अनुभव सहज ही हो जाता है. किताब में वहां की आंखों देखी पढ़ते हुए ऐसा लगा, जैसे मैं भी वहां भटक रहा हूं. 'धर्मशाला' की खूबसूरती का एहसास है, जो इस किताब से एक बार फिर जीवंत हो गया.

मगर इस किताब में मेरी विशेष रुचि विदेश यात्राओं में थी. अमेरिका- इंग्लैंड के बारे में तो जानकारी अधिक सुलभ है, मगर यूरोप में अनेक देश हैं, जिनकी खूबसूरती नहीं, उनके अलग सामाजिक जीवन, जिसमें आम लोगों के बीच बराबरी, ख़ास कर स्त्री-पुरुष समता का बहुत ऊंचा स्थान है, के बारे में जानने की हमेशा इच्छा रही है. वहां का खुलापन, खुशहाली, अपराध का कम होना आदि भी आकर्षण और जिज्ञासा का एक कारण रहा है. ऐसा ही एक अनोखा देश नीदरलैंड (या हॉलैंड) भी है. 'नीदरलैंड : जहां हवा में ही आजादी घुली हुई है' शीर्षक से भी उसके अनोखेपन का थोड़ा एहसास हो जाता है. किरण जी ने अपनी एक महिला मित्र के साथ नीदरलैंड की राजधानी एमस्टरडम का चर्चित रेड लाइट एरिया देखने का भी 'साहस' (कुछ लोग शायद बेशर्मी भी कहें) दिखाया, यह अच्छा लगा. उसके बिना एमस्टरडम का विवरण शायद अधूरा ही रहता. यहां अधिक बताना उचित नहीं होगा, मगर हम भारतीयों, ख़ास कर मध्यम वर्ग के लोगों के लिए वहां का नजारा सचमुच हैरान करने वाला है.

पूर्वी यूरोप के बारे में तो और कम जानता हूं. सोवियत संघ के खेमे से अलग होने के बाद इन देशों का क्या और कैसा बदलाव हुआ, यह जिज्ञासा हमेशा रही है. वह कमी इस किताब से बहुत हद तक पूरी हुई. म्यूनिख (जर्मनी), क्रोएशिया, प्राग (चेकोस्लोवाकिया), स्लोवेनिया और बुडापेस्ट के बारे में पहली बार इतना कुछ जान पाया. हालांकि एकाध चूक हुई है- लिखने या संपादन में- जैसे प्राग चेकोस्लोवाकिया का एक शहर (राजधानी) है, मगर शीर्षक प्राग एक छोटा पर सुबसूरत देश' छप गया. भूगोल से अनभिज्ञ पाठकों को भ्रम हो सकता है.

पूरब के देशों में इंडोनेशिया भी एक ख़ास देश है. विश्व के सर्वाधिक मुसलिम आबादी वाले इस देश की संस्कृति पर भारत और हिंदू धर्म का प्रभाव आज भी अक्षुण है. कम्बोडिया मूलतः बौद्ध धर्मावलम्बियों का देश है, मगर वहां प्राचीन हिंदू मंदिरों के अवशेष विद्यमान हैं. इस किताब को पढ़ कर वियतनाम और कम्बोडिया को और करीब से जानने का मौका मिला. मॉरीशस को तो हम दूर में बसे एक मिनी भारत के रूप में ही जानते रहे हैं, इस यात्रा वृत्तांत से वह धारणा फिर पुष्ट हुई. मिस्र (इजिप्ट) का प्राचीन इतिहास भी हमेशा और जानने की इच्छा जगाता रहा है. किरण जी ने इस इच्छा को बहुत कुछ पूरा तो किया, मगर जिज्ञासा और बढ़ा दी.

कुल मिला कर देश-दुनिया में रुचि रखने वालों के लिए यह यात्रा वृतांत, जिसे एक यायावर की डायरी भी कहा जा सकता है, एक पठनीय किताब है. कुछ लोग तो इसे पढ़ कर यात्रा का प्रोग्राम बनाने लगें शायद.

पुस्तक : तन मन मुसाफिर
पृष्ठ संख्या : 176
प्रकाशक : अनुज्ञा बुक्स, दिल्ली
मूल्य – 299 रुपये

कीजिए दिमाग खाली

कहा जाता है कि खाली दिमाग शैतान का घर है, पर यह यूनिवर्सल टूथ नहीं. कई बार खाली रह कर ही मशीनी जिंदगी से निजात मिलती है और हम नई ऊर्जा पाते हैं. कई रिसर्च रिपोर्ट में जाहिर हुआ है कि कुछ समय खाली बैठने से क्रिएटिविटी और प्रोडक्टिविटी दोनों में इजाफा होता है. एक बार वर्किंग डे या वीकेंड पर कुछ घंटे से एक-दो दिन तक बिल्कुल खाली बिता कर देखें. कुछ टिप्स आपके लिए-

तनाव कम करें

लगातार एक शेड्यूल को दोहराने से चिड़चिड़ापन बढ़ने लगता है. हम बर्नआउट की चपेट में आने लगते हैं. थकान, ऊर्जा में कमी, चिंतित रहना, गुस्सा-चिड़चिड़ापन आदि होती है. बिना भविष्य की चिंता के कुछ पल विराम को एंजॉय करें.

खुद को जानें

विराम के इन पलों में खुद को जानिए, समझिए. जब व्यक्ति खुद के विचारों के साथ बैठता है तो उसे न्यूरोसाइंस की दुनिया में डिफॉल्ट मोड नेटवर्क (डीएनएम) कहते हैं और इसे खुद से जुड़ने में मददगार माना जाता है.

भटकिए नहीं

काम की अधिक व्यस्तता कई बार हमें शराब, धूम्रपान, ओवरइटिंग, सोशल मीडिया का अधिक इस्तेमाल आदि में भी भटका देती है. कुछ समय खाली रहना हमने इन आदतों से छुटकारा पाने में मदद दे सकता है.

छुट्टी इनसे भी जरूरी

केवल काम से छुट्टी लेना ही काफी नहीं. इस अवधि में मोबाइल, टीवी, सोशल मीडिया, लोगों और किताबों तक से छुट्टी लेना है. किसी भी तरह की गतिविधि ने शामिल न होकर खाली बैठना और खुद को एक्सप्लोर करना, यही उद्देश्य है.

कबाड़ में खूबसूरती

वेस्ट मेटेरियल से बेस्ट मेटेरियल तैयार करने में जो सुख है, वह अलहदा है. जरा सी क्रिएटिविटी की छौंक बेकार सामान को खूबसूरत और उपयोगी बना सकती है. आज फ्यूज बल्ब और एग ट्रे के रियूज के लिए कुछ आइडियाज...

फ्यूज बल्ब

फ्यूज बल्बों में अपना पसंदीदा रंग पेंट करें. इन सारे बल्बों को तार से लटकाइए और आपस में मिलाकर हैंगिंग शो पीस बना दीजिए. इनका हैंगिंग प्लांटर भी बना सकते हैं. इसमें थोड़ा पानी डाल कर मनी प्लांट, ड्रैकेना, चाइनीज एवरग्रीन, पोथोस आदि लगा सकते हैं. इसे बालकनी में हैंग कर सजा सकते हैं. आप इन बल्बों को कलर कर कलरफुल डोरी में बांधकर झालर बना सकते हैं. बल्ब के अंदर तेल डालिए और उसमें एक बाती लगाइए. कॉटन के एक हिस्से को बाहर रखिए. इसे ऑयल लैंप की तरह इस्तेमाल करें.

एग ट्रे

एग ट्रे का इस्तेमाल कर आप प्लांट को उगाने के लिए किया जा सकता है. सबसे पहले, कार्टन के तल में कुछ छेद करके जल निकासी की जगह बनाएं. एग ट्रे को किसी पुराने ट्रे के नीचे रख दिया जाए ताकि किसी भी तरह का पानी बह न जाए. पूरे अंडे के कार्टन या सिर्फ एक या दो कप का उपयोग करके बर्ड फीडिंग बना सकते हैं. एग ट्रे के सभी कोनों में एक छेद करें. छेदों में सुतली पिरोएं और प्रत्येक के नीचे एक गांठ बांधें. इसमें पक्षियों के लिए खाना भरें और अस्थायी फीडर को एक पेड़ या बालकोनी पर लटका दें.

प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां कामाख्या देवी मंदिर

सारिका भूषण

शक्ति पीठ यानी शक्ति का स्थान. हिंदू धर्म में देवी-केंद्रित संप्रदाय, शक्तिवाद में महत्वपूर्ण मंदिर और तीर्थ स्थल हैं. ये मंदिर आदि शक्ति के विभिन्न रूपों को समर्पित हैं. हिन्दू धर्मानुसार जिन स्थानों पर सती देवी के शरीर के अंग गिरे, वे स्थान शक्ति पीठ बन गए. ये अत्यंत पावन तीर्थ माने जाते हैं एवं पूरे भारतीय उपमहाद्वीप पर फैले हुए हैं.

पिछले महीने मुझे अपने पति के साथ किसी काम से कोलकाता जाना हुआ और सप्ताहांत का समय था. हम शनिवार की सुबह वाली फ्लाइट से कोलकाता से गुवाहाटी पहुंचे और जजेस गेस्ट हाउस में थोड़ा विश्राम कर सीधे कामरुप निकल गये मां कामख्या देवी के दर्शन के लिए. ऐसा नहीं था कि हम पहली बार जा रहे थे. कुछ वर्षों पहले हम बच्चों के साथ नवरात्र के समय अपने ट्रिप से लौटते समय दर्शन के लिये गये थे. मगर लाखों की भीड़ में हम सपरिवार बाहर से ही पूजा करके लौट आये थे. गर्भ गृह के अंदर बच्चों के साथ जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाये थे. कहते हैं न जब देवी इच्छा होती है तभी कुछ संभव हो सकता है. इसीलिए इस बार दर्शन एवं पूजन की उत्कट अभिलाषा थी.

यहां है यह सिद्ध शक्तिपीठ

पूर्वोत्तर के मुख्य द्वार कहे जाने वाले असम राज्य की राजधानी दिसपुर से 6 किलोमीटर एवं गुवाहाटी से 8 किमी की दूरी पर स्थित नीलांचल अथवा नीलशैल पर्वतमालाओं पर स्थित मां भगवती कामाख्या का यह सिद्ध शक्तिपीठ है.

यात्रा वृतांत

तीन दर्शन के मायने

यहां मान्यता है कि जो भी बाहर से आये भक्तगण जीवन में तीन बार दर्शन कर लेते हैं उनके सांसारिक भव बंधन से मुक्ति मिल जाती है.

यह है कथा

पौराणिक कथा के अनुसार जब देवी सती अपने योगशक्ति से अपना देह त्याग दी तो भगवान शिव उनको लेकर घूमने लगे उसके बाद भगवान विष्णु अपने चक्र से उनका देह काटते गए तो नीलांचल पहाड़ी में भगवती सती की योनि (गर्भ) गिर गई, और उस योनि (गर्भ) ने एक देवी का रूप धारण किया, जिसे देवी कामाख्या कहा जाता है. योनी (गर्भ) वह जगह है जहां बच्चे को 9 महीने तक पाला जाता है और यहीं से बच्चा इस दुनिया में प्रवेश करता है और इसी को सृष्टि की उत्पत्ति का कारण माना जाता है. भक्त यहां देवी सती की गिरी हुई योनि (गर्भ) की पूजा करने के लिए आते हैं जो देवी कामाख्या के रूप में हैं और दुनिया के निर्माण और पालन-पोषण के कारण देवी सती के गर्भ की पूजा करते हैं. लोगो की मान्यता है जगत की मां देवी सती की योनि से ही संसार की उत्पत्ति हुई है जो कामाख्या देवी के रूप में है.

अष्टादश महाशक्तिपीठ स्तोत्र के अन्तर्गत

मैंने सुना और पढ़ा था कि तंत्र सिद्धि के लिए प्रसिद्ध यह मंदिर सती के इक्यावन शक्तिपीठों में यह सर्वोच्च स्थान रखता है. यहीं भगवती की महामुद्रा (योनि-कुण्ड) स्थित है. ये अष्टादश महाशक्तिपीठ स्तोत्र के अन्तर्गत है जो आदि शंकराचार्य ने लिखा था. पहाड़ी पर स्थित यह मंदिर एक महान शक्तिपीठ, श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र एवं तंत्र- मंत्र, योग-साधना का सिद्ध स्थान है. इस बात की पुष्टि मंदिर प्रांगण में पांव रखते ही हो जाती है.

हमारे पुजारी और स्थानीय अधिकारी भी हमें मंदिर का भ्रमण, दर्शन और सविस्तार इतिहास बताते जा रहे थे. चारों ओर लाल उड़हल के फूलों की खुशबू, हवन के मंत्र और भक्तों की कतार मंदिर प्रांगण को भव्यता प्रदान कर रहे थे. गर्भ गृह में दर्शन और पूजन के बाद जो अद्भुत अनुभूति हो रही थी, उसे मेरे लिये शब्दों में बताना मुश्किल है. मेरे हाथ जुड़े हुए थे, आंचल में उड़हल के फूल और गर्भ गृह से मिले प्रसाद भरे थे. मेरा रोम-रोम देवी दर्शन के बाद पुलकित था. अपने अंतर्मन की शक्ति जागृत करने और सदकर्मों से बुराइयों पर विजय पाने की शक्ति पाने की कोशिश ही शक्तिपीठ जाने की सार्थकता सिद्ध करती है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

रांची टेस्ट : दूसरी पारी में 145 पर सिमटा इंग्लैंड, 192 रन का पीछा करते हुए भारत की ठोस शुरुआत

भारतीय स्पिन तिकड़ी के आगे इंग्लैंड पस्त

संवाददाता । रांची

भारतीय स्पिनरों ने दूसरी पारी में पूरे 10 विकेट चटकाए

अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव के नौ विकेट से चौथे क्रिकेट टेस्ट के तीसरे दिन रविवार को यहां इंग्लैंड को दूसरी पारी में 145 रन पर समेटने के बाद भारत ने 192 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बिना विकेट खोए 40 रन बनाकर अपना पलड़ा भारी रखा. दिन का खेल खत्म होने पर कप्तान रोहित शर्मा 24 जबकि उनके साथी सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 16 रन बनाकर खेल रहे थे. भारत को अब जीत के लिए 152 रन की दरकार है जबकि उसके सभी 10 विकेट शेष हैं. रोहित ने दूसरी पारी के दौरान टेस्ट क्रिकेट में चार हजार रन भी पूरे किए. दूसरी पारी में अब तक हुए आठ ओवर में रोहित काफी सकारात्मक नजर आए. वह अब तक 27 गेंद का सामना करते हुए चार चौके मारे चुके हैं.

उन्हें जो रूट, टॉम हार्टले और शोएब बशीर की स्पिन तिकड़ी का सामना करने में कोई परेशानी नहीं हुई.अश्विन (51 रन पर पांच विकेट) ने इससे पहले 35वीं बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट चटकाए जबकि कुलदीप (22 रन पर चार विकेट) ने चार बल्लेबाजों को आउट किया जिससे सलामी बल्लेबाज जैक क्राउली (91 गेंद में 60 रन, सात चौके) की तेजतर्रार पारी के बावजूद इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में 145 रन पर सिमट गई. इंग्लैंड के पहली पारी के 353 रन के जवाब में सुबह के सत्र में भारत 307 रन पर सिमट गया था और 46 रन से पिछड़ गया.

05 विकेट चटकाए अश्विन ने

04 हजार रन रोहित ने टेस्ट में पूरे किए

04 विकेट चटकाए कुलदीप ने

90 रन बनाए ध्रुव जुरेल ने

रांची में अश्विन ने रचा इतिहास

भारत में सबसे अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज बने अश्विन पोप के विकेट के साथ अश्विन ने भारत में सबसे अधिक टेस्ट विकेट के अनिल कुंबले (350 विकेट) के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया. कुंबले ने भारतीय मैदानों पर कुल 63 मैच खेले. इस दौरान उन्होंने 350 विकेट झटके.

भारत में सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदवाज

खिलाड़ी	टेस्ट	विकेट
रविचंद्रन अश्विन	59	354
अनिल कुंबले	63	350
हरभजन सिंह	55	265
कपिल देव	65	219
रवींद्र जडेजा	43	211

फाइफर के मामले में अश्विन ने की कुंबले की बराबरी

अश्विन ने भारत के लिए सबसे ज्यादा बार एक पारी में पांच या उससे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए. इस मामले में उन्होंने कुंबले की बराबरी की. कुंबले ने 132 टेस्ट में 35 बार पारी में पांच या उससे अधिक विकेट लिए थे. अश्विन ने 99वें टेस्ट में ही उनकी बराबरी कर ली. उनके टेस्ट में अब कुल 507 विकेट हो गए.

टेस्ट की एक पारी में सर्वाधिक 5+ विकेट लेने वाले गेंदबाज

खिलाड़ी	देश	टेस्ट	विकेट	पारी	5+ विकेट
मुथैया मुरलीधरन	श्रीलंका	133	800	67	
शेन वॉर्न	ऑस्ट्रेलिया	145	708	37	
रिचर्ड हैडली	न्यूजीलैंड	86	431	36	
रविचंद्रन अश्विन	भारत	99	507	35	
अनिल कुंबले	भारत	132	619	35	

जुरेल ने पहली पारी में भारत को संभाला

ध्रुव जुरेल ने 90 रन की जुझारू पारी खेलकर टीम संभाला और टीम का स्कोर 300 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई. राजकोट में पदार्पण करते हुए 46 रन बनाने वाले जुरेल ने दबाव का अच्छी तरह से सामना करते हुए करियर की सर्वश्रेष्ठ 90 रन की पारी खेली और अपना पहला अर्धशतक जड़ा. उन्होंने कुलदीप (28) के साथ आठवें विकेट के लिए 76 और पदार्पण कर रहे आकाश दीप (09) के साथ नौवें विकेट के लिए 40 रन की साझेदारी की. जुरेल ने 96 गेंद में अर्धशतक पूरा करने के बाद बशीर (119 रन पर पांच विकेट) और टॉम हार्टले (68 रन पर तीन विकेट) की इंग्लैंड की स्पिन जोड़ी के खिलाफ कुछ बड़े शॉट खेले.

स्कोरकार्ड

भारत पहली पारी

यशस्वी जायसवाल बो बशीर : 73	ध्रुव जुरेल बो हार्टले : 90
रोहित शर्मा का फोक्स बो एंडरसन : 02	रविचंद्रन अश्विन पगबधा बो हार्टले : 01
शुभमन गिल पगबाधा बो बशीर : 38	कुलदीप यादव बो एंडरसन 28
रजत पाटीदार पगबाधा बो बशीर : 17	आकाश दीप पगबाधा बो बशीर : 09
रविंद्र जडेजा का पोप बो बशीर : 12	मोहम्मद सिराज नाबाद : 00
सरफराज खान का रूट बो हार्टले : 14	अतिरिक्त : 23

कुल : 103.2 ओवर में सभी विकेट खोकर : 307 रन विकेट पतन : 1-4, 2-86, 3-112 4-130, 5-161, 6-171, 7-177, 8-253, 9-293
गेंदबाजी : एंडरसन 18-4-48-2, रॉबिन्सन 13-0-54-0, बशीर 44-8-119-5, हार्टले 27.2-6-68-3, रूट 1-0-1-0

स्कोरकार्ड

इंग्लैंड दूसरी पारी

जैक क्राउली बो कुलदीप : 60	बेन फोक्स का एवं बो अश्विन : 17
बेन डकेट का सरफराज बो अश्विन : 15	टॉम का सरफराज बो कुलदीप : 07
ओली पोप पगबाधा बो अश्विन : 00	ओली रॉबिन्सन पगबाधा बो कुलदीप : 00
जो रूट पगबाधा बो अश्विन : 11	शोएब बशीर नाबाद : 01
जॉनी का पाटीदार बो जडेजा : 30	जेम्स एंडरसन का जुरेल बो आर अश्विन : 00
बेन स्टोक्स बो कुलदीप : 04	अतिरिक्त : 00

कुल : 53.5 ओवर में सभी विकेट खोकर : 145 रन विकेट पतन : 1-19, 2-19, 3-65, 4-110, 5-120, 6-120, 7-133, 8-133, 9-145 गेंदबाजी : अश्विन 15.5-0-51-5, जडेजा 20-5-56-1 सिराज 3-0-16-0, कुलदीप 15-2-22-4.

भारत दूसरी पारी: रोहित शर्मा नाबाद 24, यशस्वी जायसवाल नाबाद 16, अतिरिक्त : 00, कुल :आठ ओवर में बिना विकेट खोए : 40 रन, गेंदबाजी : रूट 4-0-17-0, हार्टले 3-0-22-0, बशीर 1-0-1-0

ब्रीफ खबरें

पीएसएल से बाहर हुए हारिस राऊफ

लाहौर । पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस राऊफ कंधे में चोट के कारण पीएसएल के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं. पीएसएल में लाहौर कलंदर्स के लिए खेलने वाले इस 30 वर्षीय तेज गेंदबाज को शुक्रवार रात कराची किंग्स के खिलाफ क्षेत्ररक्षण करते समय कंधे में चोट लग गई थी और वह मैदान से बाहर चले गए थे. लाहौर कलंदर्स के प्रवक्ता ने कहा कि एमआरआई स्कैन और अन्य परीक्षणों से पता चला है कि उनके कंधे में चोट है जिसे ठीक होने में समय लगेगा इसलिए वह पीएसएल से बाहर हो गए हैं.

गोपी थोनाकल ने नयी दिल्ली मैराथन जीता

नयी दिल्ली । पूर्व एशियाई चैंपियन गोपी थोनाकल ने रविवार को यहां नई दिल्ली मैराथन का खिताब जीता लेकिन पेरिस ओलंपिक क्वालीफाइंग स्तर को हासिल करने से बड़े अंतर से चूक गए. एशियाई मैराथन 2017 का खिताब जीतने वाले 35 वर्षीय गोपी ने पुरुष एलीट स्पर्धा में 42.195 किमी की दूरी दो घंटे 14 मिनट और 40 सेकेंड में पूरी की. वह हालांकि दो घंटे आठ मिनट 10 सेकेंड के पेरिस ओलंपिक के क्वालीफाइंग स्तर से काफी पीछे रहे.

कप्तान हसरंगा दो मैच के लिए निलंबित

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने दाम्बुला में तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन मामले में श्रीलंका के कप्तान वानिंदु हसरंगा को दो मैच के लिए निलंबित किया है जबकि अफगानिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया है. आईसीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर हसरंगा को 24 महीने की अवधि में कुल पांच डिमेरिट अंक मिलने के बाद उन पर प्रतिबंध लगाया गया है.

न्यूजीलैंड को किया क्लीन स्वीप

अंतिम टी-20 डकवर्थ-लुईस पद्धति से जीती ऑस्ट्रेलियाई टीम

भाषा । ऑकलैंड

- ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 27 रन से हराया
- तीन मैचों की शृंखला 3-0 से ऑस्ट्रेलिया के नाम

ऑस्ट्रेलिया ने वर्षा से प्रभावित तीसरे और अंतिम टी-20 अंतरराष्ट्रीय में रविवार को यहां न्यूजीलैंड को डकवर्थ-लुईस पद्धति के तहत 27 रन से हराकर तीन मैच की शृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप किया. न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सेंटनर ने अपने 100वें टी-20 अंतरराष्ट्रीय में बारिश की संभावना को देखते हुए टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया. ऑस्ट्रेलिया की पारी में बारिश ने तीन बार व्यवधान डाला और अंततः 10.4 ओवर में चार विकेट पर 118 रन के स्कोर पर उसकी पारी को खत्म करना पड़ा. डकवर्थ-लुईस पद्धति के तहत न्यूजीलैंड को 10 ओवर में 126 रन का लक्ष्य मिला. न्यूजीलैंड की टीम इसके जवाब में स्पेंसर जॉनसन (दो ओवर में 10 रन पर एक विकेट), एडम जंपा (दो ओवर में 20 रन पर एक विकेट), नाथन एलिस (दो ओवर में बिना विकेट के 11 रन) और मिशेल स्टार्क (दो ओवर में बिना विकेट के 15 रन) की किफायती गेंदबाजी के सामने 10 ओवर में तीन विकेट पर 98 रन ही बना सकी. न्यूजीलैंड की ओर से ग्लेन फिलिप्स ने 24 गेंद में पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से सर्वाधिक नाबाद 40 रन बनाए लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके. इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के लिए ट्रेविस हेड ने 33 जबकि मैथ्यू शॉर्ट ने 27 रन की पारी खेली. शॉर्ट ने 11 गेंद का सामना करते हुए तीन छक्के और एक चौका लगाया.

आकाशदीप ने उज्जवल भविष्य का संकेत दिया : इरफान पठान

नयी दिल्ली । भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने रांची में पदार्पण करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के पहले दिन तीन विकेट चटकाकर तुरंत प्रभाव डालने के लिए रविवार को आकाश दीप की सराहना की. इरफान ने कहा कि एक तेज गेंदबाज के लिए भारत में पदार्पण करना बहुत मुश्किल होता है, लेकिन जिस तरह से आकाश ने गेंदबाजी की और तीन विकेट लिए, उसने उज्ज्वल भविष्य का संकेत दिया. इरफान ने यहां नई दिल्ली मैराथन के इतर कहा कि एक बल्लेबाज के रूप में आप चाहते हैं कि आपका पदार्पण भारत में हो लेकिन एक तेज गेंदबाज के रूप में आप इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका या न्यूजीलैंड में पदार्पण करने का सपना देखते हैं. उन्होंने कहा कि मैच के पहले सत्र में उसने जिस तरह से गेंदबाजी की और तीन विकेट लिए वह सराहनीय है. हम उम्मीद करते हैं कि यहां से आकाश के करियर का ग्राफ ऊपर ही जाएगा.

फेडरेशन कप वुशु प्रतियोगिता संपन्न

झारखंड ओवरऑल चैंपियन

संवाददाता । रांची

खेल गांव के ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव इंडोर स्टेडियम में 7वीं फेडरेशन कप वुशु प्रतियोगिता का समापन हुआ. इस प्रतियोगिता में झारखंड की टीम 47 पदक के साथ ओवरऑल चैंपियन बनीं. 33 पदक के साथ दूसरे स्थान पर राजस्थान और 20 पदक के साथ तीसरे स्थान पर असम की टीम रही. प्रतियोगिता में झारखंड की ओर से आस्था इरांव ने सर्वाधिक तीन स्वर्ण पदक जीते. मुख्य अतिथि राज्य परियोजना पदाधिकारी धीरसेन ए सोरेन ने विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी और पदक देकर सम्मानित किया. इस अवसर पर साईं के बी महापत्र, वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सुहेल अहमद, चंचल भट्टाचार्य, मनोज महतो, मनोज साहू, शिवेंद्र दुबे, शैलेन्द्र दुबे, मिथलेश साहू, शम्भू सेठ, प्रद्युम्न बेहरा, अशोक मौकाशी, डी कॉन्डया, शैलेन्द्र कुमार, उमा रानी पालीत आदि उपस्थित थे.

झारखंड के पदक विजेता खिलाड़ी

- **स्वर्ण :** निशांत तिर्की, तारा कुमारी, श्रेया कुमारी, सोनाली कुमारी, शिवम उरांव, ललन यादव, अंकित कुमार, आकाश उरांव, संजना कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, तनुश्री, साकिब अंसारी, सोनी मिंज, प्रिया गाड़ी, आस्था उरांव, मनीष मुंडा, एल प्लेटोदीप सिंह, आस्था उरांव
- **रजत :** डॉली कुमारी, तारा कुमारी, अंकित कुमार, रोहित कुमार गंझु
- **कांस्य :** सोमनाथ सिंह कंचन तिग्गा, तनुश्री, संजना कुमारी, कुसुम कुमारी आकाश उरांव, सोनी मिंज.

बैडमिंटन पैरा बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप में भारत का शानदार प्रदर्शन, खाते में तीन स्वर्ण पदक

सुहास यथिराज, प्रमोद भगत व कृष्णा ने जीता स्वर्ण

- यथिराज ने फ्रेडी को हराकर अपना पहला विश्व खिताब जीता

भाषा । पटाया (थाईलैंड)

भारत के सुहास यथिराज, प्रमोद भगत और कृष्णा नागर ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए रविवार को यहां पैरा बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप की क्रमशः पुरुष एकल एसएल 4, एसएल 3 और एसएच 6 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते. पैरालंपिक रजत पदक विजेता दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी यथिराज ने एसएल 4 (शरीर के निचले अंगों में मामूली समस्या) फाइनल में इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियावान को 21-18 21-18 से हराकर अपना पहला विश्व खिताब जीता. कर्नाटक के यथिराज उत्तर प्रदेश कैडर के 2007 बैच के आईएएस अधिकारी हैं.

उन्होंने कहा कि स्वर्ण पदक मिला, खुश हूं और विश्व चैंपियन बनकर गौरवांवित हूं. वह वर्तमान में उत्तर प्रदेश सरकार में युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल के सचिव और महानिदेशक हैं. एसएच6 (कम लंबाई) श्रेणी में पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता कृष्णा नागर भी पुरुष एकल फाइनल में चीन के लिन नेली पर 22-20 22-20 से जीत हासिल कर चैंपियन बने.

भगत ने पूरी की खिताबी हैट्रिक

चीन में पैरा एशियाई खेलों में एक स्वर्ण और दो कांस्य पदक जीतने वाले भगत ने एसएल 3 (शरीर के निचले अंगों में अधिक समस्या) फाइनल में इंग्लैंड के डेनियल बेथेल को 14-21 21-15 21-14 से हराया. पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता 35 वर्षीय भगत ने इस प्रकार 2015 में स्टोक मैंडविले और 2019 में बासेल के बाद खिताब की हैट्रिक पूरी की. उन्होंने 2022 में तोक्यो और 2009 में सियोल में भी स्वर्ण पदक जीते. भगत ने कहा कि विभिन्न कारणों से यह जीत मेरे दिल में विशेष स्थान रखती है.

मनीषा रामदास ने रजत पदक जीता

महिला एकल एसयू5 (शरीर के ऊपरी अंगों में समस्या) में मनीषा रामदास ने फाइनल में चीन की यांग क्यू शिया के खिलाफ शिकस्त से रजत पदक जीता. चिराग बरेठा व राज कुमार की पुरुष युगल जोड़ी तथा रचना शैलेशकुमार और निथ्या श्री सुमति सिवान की महिला युगल जोड़ी को क्रमशः एसयू5 और एसएच6 श्रेणियों में रजत पदक से संतोष करना पड़ा.

अभय सिंह बने चैंपियन

गुडफेलो क्लासिक स्क्वाश

- फाइनल में अभय ने इलिय मौरिस को 3-0 से हराया
- इस जीत के साथ अभय ने आठवां पीएसए खिताब जीता

भाषा । नयी दिल्ली

एशियाई खेलों के पदक विजेता अभय सिंह ने टोरंटो में गुडफेलो क्लासिक स्क्वाश टूर्नामेंट के फाइनल में इलियट मौरिस डेवरेड को 3-0 से हराकर आठवां पीएसए खिताब जीता.इस चैलेंजर स्क्वाश टूर्नामेंट की कुल इनामी राशि नौ हजार डॉलर थी. शीर्ष वरीय भारतीय अभय ने अपने करियर के 12वें फाइनल में खेलते हुए डेवरेड को 40 मिनट में 11-7, 11-9, 11-9 से हराया. दुनिया के 66वें नंबर के खिलाड़ी अभय का साल का यह दूसरा चैलेंजर खिताब है. इससे पूर्व उन्होंने पिछले महीने मुंबई में जेएसडब्ल्यू विलिंगडन का खिताब जीता था. अभय अब मार्च में कनाडा पुरुष ओपन में हिस्सा लेंगे.

ब्रीफ खबरें

पत्नी की हत्या कर पति फरार, केस दर्ज

नवादा । भाभी के प्यार में पति ने 3 महीना की गर्भवती पत्नी की हत्या कर फरार हो गया. घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया. मामला शनिवार का कादिरगंज थाना क्षेत्र के घोततावां गांव का है. मृतका की पहचान कमलेश यादव की पत्नी प्रीति कुमारी के रूप में हुई है. मृतक की बहन स्वीटी ने बताया कि उसकी बहन के पति कमलेश यादव की अपनी भाभी के साथ अवैध संबंध चल रहा था.

बालू माफिया ने ग्रामीणों को मारी गोली, 3 घायल

गया । बालू माफिया और ग्रामीणों के बीच झड़प में हुई फायरिंग में तीन लोग घायल हो गये. घटना जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के वारिश नगर मोहल्ले की है. रविवार को लोग शब-ए-बारात की तैयारी को लेकर साफ-सफाई कर रहे थे. इस दौरान अचानक बालू माफिया और ग्रामीणों के बीच झड़प हो गई. दोनों ओर से जमकर पत्थरबाजी हुई. बालू माफिया के द्वारा कई राउंड ताबातोड़ फायरिंग की गई, जिसमें तीन ग्रामीण को गोली लग गई. आनन-फानन में घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया. वहीं, घटना की सूचना के बाद मौके पर सीटी एसपी प्रेरणा कुमार पहुंचे.

घूस मांगने के आरोप में दरोगा हुआ सस्पेंड

छपरा । एक केस से नाम हटाने के लिए दरोगा द्वारा पैसे मांगने पर कार्रवाई हो गयी. अभियुक्त से शराब, मुर्गा और 25000 नगद मांगा जा रहा था. एसपी ने उन्हें सस्पेंड कर दिया. प्राथमिक दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई भी शुरू हो गई. मामले में एक अन्य दारोगा पर भी कार्रवाई की जा रही है. एसपी के इस एक्शन से पुलिस डिपार्टमेंट में हड़कंप मचा है. मामला भगवान बाजार थाना से जुड़ा है. एक आपराधिक वारदात के अनुसंधानकर्ता दरोगा ऋषि मुनी राम पर यह आरोप लगाया गया है. दरोगा ने आरोपी से फोन पर घूस की मांग की जिसका ऑडियो क्लिप भी वायरल हो रहा है.

10 दिनों में बिहार के लोगों को मिलेगा 2 लाख करोड़ का तोहफा

पीएम करेंगे योजनाओं का शिलान्यास

ज्ञानवर्द्धन मिश्र/पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले दस दिनों के भीतर बिहार को 2 लाख करोड़ रुपये का तोहफा देंगे. इसमें कई योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास की वृहद योजना शामिल है. नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य में एनडीए की सरकार बनने के बाद केंद्र की ओर से इसे पहला बड़ा उपहार माना जा रहा है. इस संबंध में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने रविवार को यहां कहा कि विपक्ष में बैठे लोग लगातार यह कहते रहते हैं कि पीएम मोदी ने बिहार को कुछ नहीं दिया. वैसे तो हमलोग काम में विश्वास करते हैं प्रचार में नहीं. लेकिन, आज उनको बताना जरूरी हो गया है कि अगले 10 दिनों में एक बार फिर से पीएम मोदी 2 लाख करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन या शिलान्यास करेंगे. सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार में आज स्वास्थ्य विभाग के अंदर हजारों करोड़ रुपये की योजनाओं का उद्घाटन करेंगे या शिलान्यास करेंगे. इसके बाद सोमवार को रेलवे के 70,000 करोड़ के योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे. इसी तरह अगले दस दिनों में बिहार में लगभग 2 लाख करोड़ की योजनाओं का लाभ बिहार के लोगों को मिलेगा. पीएम मोदी के बिहार दौरे को लेकर सम्राट ने जानकारी साझा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री 2 मार्च को औरंगाबाद और बेगूसराय की धरती पर आ रहे हैं. यहां भी हजारों करोड़ों की योजनाओं को उद्घाटन और शिलान्यास होगा. इसके बाद बिहार दौरे के लिए गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री का भी कार्यक्रम बन गया है, वे लोग भी आएंगे.

मिलेगी सौगात

- 70000 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास होगा
- पीएम औरंगाबाद और बेगूसराय भी आएंगे

लुटेरे लोग सत्ता हथियाना चाहते हैं : सम्राट

जीतन राम मांझी के समर्थन से 128 विधायकों का समर्थन

संवाददाता । पटना

पीएम मोदी की मन की बात पर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात के माध्यम से पूरे देश को संबोधित किया. नमो ड्रोन दीदी किस तरह से किसानों की सहायता कर रही हैं, उसके बारे में चर्चा की. देश के विकास की भी चर्चा की.

चौधरी ने कहा कि पीएम मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया नए मतदाता देश के लिए वोट करें. इसके लिए बिहार बीजेपी की ओर से पीएम मोदी को धन्यवाद देता हूं. आगे उन्होंने कहा कि पीएम 2 मार्च को औरंगाबाद और बेगूसराय आ रहे हैं और हजारों करोड़ों की योजना को उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे. अमित शाह और रक्षा मंत्री का भी कार्यक्रम बन गया है. प्रधानमंत्री एक बार फिर चुनाव के घोषणा से पहले उद्घाटन एवं शिलान्यास के कार्यक्रम में आएंगे. इस दौरान तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि यह लुटेरे हैं. भ्रष्टाचार करके सत्ता पाना चाहते हैं. हमारी पार्टी के 78 विधायक हैं. जनता दल यूनाइटेड के 46 हैं. दोनों को जोड़ने पर 124 का समर्थन प्राप्त होता है. मांझी जी के समर्थन से 128 विधायकों का समर्थन है. लेकिन लुटेरे लोग जिसने बिहार को लूटकर पैसों के बल पर सत्ता को हथियाना चाहते थे. उस पर कार्रवाई होगी. उनके पिता कहते हैं एमवाई की पार्टी है. बेटा कहता है बीएएपी की पार्टी है. मैं जानता हूं लालू यादव की पार्टी माई बाप की पार्टी है, लेकिन भाजपा और जनता दल यूनाइटेड के लिए जनता ही माई बाप है.

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने तेजस्वी यादव पर किया पलटवार, बोले

तेजस्वी की ख्याति घोटाले से है

संवाददाता । बेगूसराय

जन विश्वास यात्रा पर निकले तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा को निशाना बना रहे हैं तो भाजपा नेता भी उन पर हमलावर हैं. इसी क्रम में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने तेजस्वी पर पलटवार किया. भाजपा नेता ने तेजस्वी यादव को नीतीश के नाम का लॉकेट गले में लटका कर चलने की सलाह दी. कहा कि नीतीश कुमार की भूल से लालू यादव और तेजस्वी का वनवास टूट गया.

अपने संसदीय क्षेत्र बेगूसराय में गिरिराज सिंह ने कहा कि लालू यादव और तेजस्वी यादव घोटालों के लिए जाने जाते हैं. अगर नीतीश कुमार महागठबंधन के साथ जाने की भूल नहीं करते तो इन्हें सरकार में आने का मौका इन्हें कभी नहीं मिलता. उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति का डीएनए ही लूट पाट और भ्रष्टाचार हो वह क्या बात करेगा. लालू जी का बेटा होने के कारण तेजस्वी यादव उपमुख्यमंत्री के रूप में आए. घोटाले से ही उनकी ख्याति है. पांच विभागों के मंत्री और उपमुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने कितना काम किया, यह बिहार की जनता को बताना चाहिए. नीतीश कुमार ने भूल कर दी कि लालू और तेजस्वी का भाग्य जग गया और उनका वनवास टूट गया, नहीं तो इनका कहीं आता-पता नहीं होता. ये लोग नीतीश कुमार के नाम का लॉकेट लटका कर घूमें तो ज्यादा बेहतर होगा.

वहीं बिहार सरकार में मंत्री श्रवण कुमार रविवार को नालंदा जिले के नूरसराय पहुंचे थे. सरदार पटेल स्टेडियम में पूर्व से निर्धारित क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन किये. इस दौरान मंत्री श्रवण कुमार ने भी बैट बॉल खेलकर इसका उद्घाटन किया. मैच को देखने के लिए काफी संख्या में लोग पहुंचे थे. वहीं, मंत्री ने एक बार फिर राजद पार्टी पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि किसी भी पॉलिटिकल पार्टी को यह अधिकार प्राप्त है कि वह जो यात्रा करनी चाहती है वो कर सकती है, लेकिन आरजेडी की सारी यात्रा फेल होते जा रही है. श्रवण कुमार ने कहा कि राजद की यात्रा का फेल होने का यह भी कारण है कि जब विधानसभा में सरकार बहुमत साबित करना चाहती थी उस समय कहा था कि खेला होगा, लेकिन उनसे खेला तो नहीं हुआ. मतलब एक यात्रा तो पहले ही बिगड़ गया. अब जितनी भी यात्रा उनकी होगी सब विफल होगी. हमलोग काम में विश्वास करते हैं. सुख-सुविधा बढ़ाने में विश्वास करते हैं. समस्या को हल करने में विश्वास करते हैं. राजद विश्वास यात्रा कर ले या फिर अविश्वास यात्रा कर ले कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है.

गरजे गिरिराज

- नीतीश की भूल से लालू और तेजस्वी का भाग्य जाग गया
- नीतीश के नाम का लॉकेट लटकाकर घूमें, अच्छा होगा
- मंत्री श्रवण कुमार ने क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन किया

जीतन राम ने नीतीश की सरकार बचा ली: तेजस्वी

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राजद सुप्रीमो लालू यादव के पुत्र तेजस्वी यादव सोमवार को जान विश्वास यात्रा के दूसरे चरण पर निकले. वैशाली से उनकी यात्रा का दूसरा चरण शुरू हुआ. इससे पहले पटना में उन्होंने नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा. कहा कि जीतन राम मांझी ने उनकी सरकार बचा ली. तेजस्वी ने लोगों को पटना गांधी मैदान में 3 मार्च को आयोजित होने जन्म विश्वास रैली में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया. तेजस्वी यादव ने कहा कि नीतीश कुमार से बिहार की जनता ऊब चुकी है. उनका कामकाज में मन नहीं लग रहा है. इसलिए पार्टी के लोग भी उनसे उब चुके हैं. पदाधिकारी भी इतने उब चुके हैं कि उनके साथ काम नहीं करना चाहते. इस तरह उनके नेतृत्व में बिहार आगे नहीं बढ़ने वाला है. जीतन राम मांझी के बयान को याद करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि उन्होंने सही कहा था कि हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के चार विधायकों ने मिलकर उनकी सरकार बचा ली वरना कुछ भी हो सकता था. नेता प्रतिपक्ष ने कैबिनेट विस्तार में हो रही देरी को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर एक महीने होने के बाद भी अब तक कैबिनेट का विस्तार कहीं क्यों नहीं हो पा रहा है? यह तो मुख्यमंत्री जी को बताना चाहिए. उन्होंने कहा कि इससे राज्य के विकास में सीधा असर पड़ रहा है और इससे बहुत कुछ रूका हुआ है. तेजस्वी यादव के बयान पर जदयू ने तीखी प्रतिक्रिया दी. पूर्व मंत्री जयंत राज ने कहा कि तेजस्वी यादव अभी नए-नए विपक्ष में गए हैं. इसलिए दर्द में हैं तो बोलते रहते हैं. यह स्वभाविक है. लेकिन, उन्हें याद करना चाहिए कि उनके 3 विधायक पार्टी छोड़कर हमारे पास आ गए तो कौन किससे परेशान है, यह समझ जाना चाहिए. 2024 में उन्हें पता चल जाएगा कि जनता किससे परेशान है. जब जनता बिहार की सभी 40 लोकसभा सीट एनडीए के खाते की झोली डाल देगी. तेजस्वी ने पहले कहा था कि जदयू पार्टी को बीजेपी ने हाईजैक कर लिया है. इस पर मंत्री ने कहा कि जदयू को कौन हाईजैक करेगा?

अपराधियों ने दिनदहाड़े कारोबारी पर की फायरिंग

संवाददाता । पटना

राजधानी पटना में अपराधियों ने रंगदारी को लेकर कारोबारी पर हमला कर दिया. मामला खाजेकला थाना क्षेत्र के हजारी मोहल्ले का है, जहां रंगदारी नहीं दिए जाने पर दिनदहाड़े हथियारबंद अपराधियों ने शीशा कारोबारी के ऊपर जानलेवा हमला कर दिया. इस दौरान हथियारबंद अपराधियों ने शीशा कारोबारी को ऊपर अंधाधुंध फायरिंग की. हालांकि अपराधियों द्वारा किए गए इस जानलेवा हमले में शीशा कारोबारी बाल-बाल बच गया. इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे में अपराधियों की पूरी करतूत कैमरे में कैद हो गई है. पीड़ित कारोबारी द्वारा घटना की जानकारी पुलिस को दिए जाने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर पूरे मामले की छानबीन में जुट गई. पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से अपराधियों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी को लेकर ताबड़तोड़ छापेमारी अभियान में जुट गई है. घटना के संबंध में खाजेकला के कन्हैया टोला निवासी पीड़ित शीशा कारोबारी मोहम्मद चांद ने बताया कि हजारी मोहल्ला स्थित वह अपने कारखाने के आगे बैठे थे.

संदिग्ध अवस्था में मिला असिस्टेंट इंजीनियर का शव

संवाददाता । मुजफ्फरपुर

जल संसाधन विभाग की मैकेनिकल डिवीजन की असिस्टेंट इंजीनियर महिमा कुमारी का शव शनिवार को संदिग्ध अवस्था में घर में मिला. उनकी लाश सदर थाना के पास अतरदह मोहल्ला स्थित किराए के मकान में मिली. वो कमरे के फर्श पर शव पड़ी थी. आशंका जताई जा रही कि उनकी मौत काफी देर पहले हो चुकी थी. वह मूल रूप से लखीसराय की रहने वाली थीं. महिमा की शादी नहीं हुई थी. साल 2020 से वह यहां काम कर रही थीं और किराए के मकान में रहती थीं. उनकी गर्दन के पास और चेहरे पर जख्म के निशान थे. शव की स्थिति देखकर लोगो को हत्या की आशंका हुई. स्थानीय लोगों ने सदर थाना को घटना की जानकारी दी. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की. दरअसल, वह विनोद गुप्ता के मकान में दो साल से अकेले ही रह रही थीं.

कारोबार

जनवरी में देश का इस्पात निर्यात 11 लाख टन हुआ

नयी दिल्ली । देश का मासिक इस्पात निर्यात जनवरी, 2024 में 11 लाख टन के 18 माह के उच्चस्तर पर पहुंच गया है. स्टीलमिंट ने यह जानकारी देते हुए कहा कि यूरोपीय संघ की मांग बढ़ने और वैश्विक स्तर पर अनुकूल कीमतों की वजह से इस्पात निर्यात का आंकड़ा अच्छा रहा है. शोध कंपनी स्टीलमिंट की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके अलावा घरेलू स्तर पर प्रतिस्पर्धी कीमतों ने निर्यात वृद्धि में योगदान दिया है. जनवरी, 2023 में इस्पात का निर्यात 6.7 लाख टन रहा था.

मासिक उपभोक्ता खर्च हुआ दोगुना से अधिक

नयी दिल्ली । देश में परिवारों का प्रति व्यक्ति मासिक घरेलू खर्च 2011-12 की तुलना में 2022-23 में दोगुना से अधिक हो गया है. राष्ट्रीय नमूना सर्वे कार्यालय (एनएसएसओ) के ताजा अध्ययन से यह जानकारी मिली है. शनिवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत एनएसएसओ ने अगस्त, 2022 से जुलाई, 2023 के दौरान परिवारों का उपभोग खर्च सर्वे (एचसीईएस) आयोजित किया.

अफ्रीका के नए बाजारों में बढ़ रहा है निर्यात

नयी दिल्ली । व्यापार को लेकर वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच भारत से वाहनों और सोने के आभूषण जैसे सामानों का निर्यात अफ्रीका, मध्य एशिया, लातिनी अमेरिका और यूरोप के अबतक 'अनछुए' क्षेत्रों में बढ़ रहा है. वाणिज्य मंत्रालय के एक विश्लेषण में यह जानकारी दी गई है. विश्लेषण से पता चला है कि भारत ने अप्रैल-दिसंबर 2023 के दौरान अफ्रीका, मध्य एशिया, लातिनी अमेरिका और उत्तरी अमेरिका जैसे क्षेत्रों के बिल्कुल नए बाजारों में प्रवेश किया है. बिल्कुल नए बाजारों से आशय ऐसे क्षेत्रों से है, जहां भारत ने अप्रैल-दिसंबर, 2022 के दौरान कोई निर्यात नहीं किया था.

कैब कंपनी उबर के सीईओ दारा खोसरोशाही ने गौतम अडाणी से की मुलाकात

अडाणी ने उबर के साथ सहयोग के संकेत दिए

भाष । नयी दिल्ली

इसमें कोई संदेह नहीं की भारत में कैब का बड़ा बाजार है. जिस तेजी के साथ भारत आगे बढ़ रहा है, उसने विदेशी कारोबारियों के भारत में कारोबार के लिए प्रोत्साहित किया. यही वजह है कि कुछ परेशानी के बाद भी कैब सेवा देने वाली कंपनी उबर भारत में कारोबार को और मजबूत करना चाहती है.

इसके लिए ही उबर के सीईओ दारा खोसरोशाही इन दिनों भारत दौरे पर हैं. इस दौरान उन्होंने भारत के दूसरे सबसे बड़े रईस और अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी से मुलाकात की. अडाणी ने भविष्य में उबर के साथ सहयोग की संभावना के संकेत भी दिए. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अडाणी और दारा ने बातचीत को काफी शानदार बताया. अमेरिका में सैन फ्रांसिस्को की कंपनी उबर के चीफ ने साथ ही भारत में ईवी ट्रांसफॉर्मेशन में तेजी लाने की प्रतिबद्धता का भी जिक्र किया. इससे पहले उन्होंने भारत को सबसे मुश्किल मार्केट बताया था. पिछले साल दिसंबर में खबर आई थी कि अडाणी ग्रुप अपने ग्रीन एनर्जी बिजनस में एक अरब डॉलर निवेश करने की योजना बना रहा है. उबर भी अपने फ्लीट में इलेक्ट्रिक गाड़ियां शामिल कर रही है. इसी महीने कंपनी ने दिल्ली में उबर ग्रीन लॉन्च करने की घोषणा की थी. अडाणी ने एक्स पर एक पोस्ट पर कहा कि उबर के सीईओ दारा खोसरोशाही के साथ बेहद दिलचस्प बातचीत हुई.

भारत में उबर के विस्तार के लिए उनका दृष्टिकोण वास्तव में प्रेरणादायक है. विशेष रूप से भारतीय ड्राइवरों और उनकी गरिमा बढ़ाने के लिए उनकी प्रतिबद्धता. दारा और उनकी टीम के साथ भविष्य में सहयोग के लिए उत्साहित हूं. उबर के सीईओ ने कहा कि उन्होंने बेहद शानदार बातचीत के लिए नाश्ते पर अडाणी ग्रुप के प्रमुख से मुलाकात की. अडाणी ने मुलाकात की तस्वीरें भी पोस्ट कीं, लेकिन दोनों ने यह नहीं बताया कि मुलाकात कहां हुई. तस्वीरों से ऐसा लग रहा है कि यह बैठक अहमदाबाद में अडाणी ग्रुप के मुख्यालय में हुई थी. दारा ने अडानी की पोस्ट का जवाब देते हुए लिखा कि स्वादिष्ट नाश्ते के साथ भारत की अभूतपूर्व वृद्धि और बढ़ती उद्यमशीलता के बारे में गौतम अडाणी के साथ एक बहुत ही शानदार बातचीत हुई. उबर साझा गतिशीलता को बढ़ाने और ईवीएस में बदलाव को तेज करने के लिए प्रतिबद्ध है. हम अपनी साझेदारी को अगले स्तर पर ले जाने के लिए तत्पर हैं. उबर के सीईओ इस सप्ताह की शुरुआत में भारत पहुंचे थे. अडाणी ग्रुप का बिजनस पोर्ट, एयरपोर्ट, इन्फ्रा, सीमेंट और ग्रीन एनर्जी समेत कई क्षेत्रों में फैला हुआ है.

इसे देखते हुए वे अडाणी के साथ हाथ मिलाएं तो कोई बड़ी बात नहीं होगी. वैसे उबर ने भारत में कारोबार बढ़ाने को लेकर कदम बढ़ाना शुरू कर दिया है. तीन दिन पहले ही उबर ने भारत के ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) के साथ एमओयू साइन किया था. कंपनी ओएनडीसी की मदद से उबर एप पर ज्यादा से ज्यादा मोबिलिटी ऑफर देना चाहती है. ओएनडीसी के साथ मिलकु उबर ज्यादा सुरक्षित एवं सस्ती राइड सेवाएं दे सकेगी. भारत सरकार के डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटर्नल ट्रेड ने ओएनडीसी को एक नॉन प्रॉफिट प्राइवेट आर्गनाईजेशन के तौर पर बनाया है.

बनेगी बात

- उबर अपने फ्लीट में ईवी शामिल कर रही है
- उबर ने दिल्ली में उबर ग्रीन लॉन्च करने की घोषणा की थी

महिंद्रा होलिडेज करेगी 4500 करोड़ का निवेश

नयी दिल्ली । महिंद्रा होलिडेज एंड रिजॉर्ट्स इंडिया लिमिटेड (एमएचआरआईएल) ने अपनी कमरों की संख्या दोगुनी कर 10,000 करने के लिए अगले तीन से चार साल में 4,500 करोड़ रुपये तक का निवेश करने की योजना बनाई है. कंपनी के प्रबंध निदेशक और सीईओ कविंदर सिंह ने कहा कि कंपनी वित्त वर्ष 2029-2030 तक कमरों की संख्या 5,000 से बढ़ाकर 10,000 तक करने के लिए नए रिजॉर्ट बनाने के अलावा राज्य सरकारों के साथ सक्रिय रूप से साझेदारी कर रही है.

फरवरी में चलन में मुद्रा की वृद्धि घटकर 3.7%

मुंबई । आरबीआई के 2,000 के बैंक नोट को चलन से हटाने का प्रभाव दिखने लगा है. आंकड़ों के अनुसार, नौ फरवरी को समाप्त सप्ताह में चलन में मुद्रा की वृद्धि एक साल पहले के 8.2 प्रतिशत से घटकर 3.7 प्रतिशत रह गई है. चलन में मुद्रा (सीआईसी) से तात्पर्य प्रचलन में मौजूद नोटों और सिक्कों से है. वहीं जनता के पास मौजूद मुद्रा से तात्पर्य बैंकों के पास जमा नकदी को घटाकर प्रचलन में मौजूदा नोटों और सिक्कों से होता है. आरबीआई के अनुसार, वाणिज्यिक बैंकों के पास जमा में जनवरी में दो अंक में वृद्धि हुई है.

यात्री वाहन उद्योग की वृद्धि पांच प्रतिशत से कम रहेगी

एजेंसी । नयी दिल्ली

घरेलू यात्रा वाहन उद्योग की वृद्धि अगले वित्त वर्ष में घटकर पांच प्रतिशत से नीचे आने की संभावना है. टाटा मोटर्स पैसेंजर वेहिकल्स के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने यह बात कही है. हालांकि, कंपनी को भरोसा है कि देश में चार्जिंग बुनियादी ढांचे के विकास की धीमी गति के बावजूद इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री बढ़ेगी. चंद्रा ने विश्लेषक कॉल में कहा कि हमने वित्त वर्ष 2022-23 में 25 प्रतिशत की बहुत मजबूत वृद्धि दर्ज की थी, इसके 2023-24 में इसके घटकर आठ प्रतिशत पर आने की आशंका है. यह वृद्धि ऊंचे आधार प्रभाव की वजह से इस स्तर पर आएगी. ऐसे में 2024-25 कुछ अधिक चुनौतीपूर्ण होगा और वृद्धि घटकर पांच प्रतिशत से कम रह जाएगी. उन्होंने आगे कहा कि जहां तक ईवी का सवाल है, मुझे लगता है कि यहां सबसे बड़ी चुनौती चार्जिंग ढांचे की कमी है. जिस तेजी से ईवी की स्वीकार्यता बढ़ रही है, चार्जिंग ढांचा उतनी तेजी से नहीं बढ़ पा रहा है.

431 परियोजनाओं की लागत 4.80 लाख करोड़ रुपये बढ़ी

एजेंसी । नयी दिल्ली

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपये या इससे अधिक के खर्च वाली 431 परियोजनाओं की लागत जनवरी, 2024 तक तय अनुमान से 4.80 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा बढ़ गई है. रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी और अन्य कारणों से इन परियोजनाओं की लागत बढ़ी है. सांख्यिकी मंत्रालय 150 करोड़ रुपये या इससे अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है. मंत्रालय की जनवरी, 2024 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,821 परियोजनाओं में से 431 की लागत बढ़ गई है, जबकि 780 अन्य परियोजनाएं देरी से चल रही हैं. रिपोर्ट के अनुसार इन 1,821 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 26,09,679.38 करोड़ रुपये थी लेकिन अब इसके बढ़कर 30,90,135.99 करोड़ रुपये हो जाने का अनुमान है.

निवेश जून 2017 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 25,685 करोड़ रुपये का निवेश किया था

एफपीआई ने भारतीय बाजार में डाले 18500 करोड़ रु.

भाषा । नयी दिल्ली

भारत सरकार के बॉन्ड को जेपी मॉर्गन सूचकांक में शामिल करने के फैसले की वजह से देश के ऋण या बॉन्ड बाजार को लेकर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का रुझान मजबूत बना हुआ है. इस महीने अबतक एफपीआई ने भारतीय बॉन्ड बाजार में 18,500 करोड़ रुपये डाले हैं. इससे पहले जनवरी में एफपीआई ने भारतीय बॉन्ड बाजार में शुद्ध रूप से 19,836 करोड़ रुपये से अधिक डाले थे.

यह पिछले छह साल में किसी एक माह में उनके निवेश का सबसे ऊंचा आंकड़ा है. इससे पहले जून, 2017 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने बॉन्ड बाजार में 25,685 करोड़ रुपये का निवेश किया था. फिडेलफोलियो के संस्थापक एवं स्मॉलकेस प्रबंधक किस्लय उपाध्याय ने कहा कि इस वर्ष वैश्विक बॉन्ड सूचकांकों में भारत के प्रवेश के साथ आगे चलकर भारतीय ऋण बाजार में प्रवाह स्थिर रहेगा. इसके अलावा इस वर्ष जून में जेपी मॉर्गन सूचकांक में भारत सरकार के बॉन्ड के शामिल होने से पहले भी गतिविधियों में तेजी देखने को मिल सकती हैं. डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इस महीने अबतक एफपीआई ने शेयरों से शुद्ध रूप से 424 करोड़ रुपये निकाले हैं. इससे पहले जनवरी में उन्होंने शेयरों से 25,743 करोड़ रुपये की भारी निकासी की थी.

आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने इस महीने (23 फरवरी तक) ऋण बाजार में 18,589 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है. इसके साथ, 2024 में एफपीआई का बॉन्ड बाजार में कुल निवेश 38,426 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है. वे पिछले कुछ महीनों से बॉन्ड बाजार में पैसा लगा रहे हैं. एफपीआई ने दिसंबर में बॉन्ड बाजार में 18,302 करोड़ रुपये, नवंबर में 14,860 करोड़ रुपये और अक्टूबर में 6,381 करोड़ रुपये का निवेश किया था. जनवरी में एफपीआई ने शेयरों से 424 करोड़ रुपये की निकासी की है. यह आंकड़ा जनवरी में हुई 25,744 करोड़ रुपये की निकासी की तुलना में काफी कम है. जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि अमेरिका में बॉन्ड पर आकर्षक प्रतिफल के बावजूद घरेलू बाजारों की मजबूती की वजह से एफपीआई आक्रामक बिकवाली नहीं कर रहे हैं. कुल मिलाकर, 2023 के लिए शेयरों में एफपीआई प्रवाह 1.71 लाख करोड़ रुपये और ऋण बाजार में 68,663 करोड़ रुपये रहा था. इस तरह पिछले साल पूंजी बाजार में उनका कुल निवेश 2.4 लाख करोड़ रुपये रहा था.

आठ कंपनियों का मार्केट कैप 1.10 लाख करोड़ रुपया बढ़ा

एजेंसी । नयी दिल्ली

सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह 1,10,106.83 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ. सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) रही. पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 716.16 अंक या 0.97 प्रतिशत के लाभ में रहा.

बीते सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई. वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस की बाजार हैसियत सामूहिक रूप से 38,477.49 करोड़ रुपये घट गई. समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 43,976.96 करोड़ रुपये बढ़कर 20,20,470.88 करोड़ रुपये हो गया. शुक्रवार को तेल से लेकर दूरसंचार क्षेत्र में कार्यरत समूह का शेयर अपने 52 सप्ताह के नए उच्चस्तर 2,996.15 रुपये पर पहुंच गया. सप्ताह के दौरान आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 27,012.47 करोड़ रुपये बढ़कर 7,44,808.72 करोड़ रुपये हो गया. वहीं एलआईसी की बाजार हैसियत 17,235.62 करोड़ रुपये बढ़कर 6,74,655.88 करोड़ रुपये हो गई. आईटीसी का बाजार पूंजीकरण 8,548.19 करोड़ बढ़कर 5,13,640.37 करोड़ पर पहुंच गया.

गांधीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2.32 किमी देश के सबसे लंबे केबल ब्रिज 'सुदर्शन सेतु' का उद्घाटन किया है. गुजरात के द्वारका जिले में 980 करोड़ की लागत से 'सुदर्शन सेतु' बनाया गया है, जो यह पुल ओखा और बेट द्वारका द्वीप को जोड़ेगी. अब पर्यटकों व श्रद्धालुओं को बेट द्वारकाधीश मंदिर जाने में आसानी होगी. इसके पहले लोगों को यहां नाव से जाना पड़ता था. इस पुल का शिलान्यास पीएम ने अक्टूबर साल 2017 में किया था. 'सुदर्शन सेतु' के उद्घाटन से पहले पीएम मोदी ने बेट द्वारका मंदिर में पूजा-अर्चना की है. पुल के उद्घाटन से पहले पीएम ने एक्स पर लिखा कि कल गुजरात के विकास पथ के लिए एक विशेष दिन है. उद्घाटन की जा रही कई परियोजनाओं में ओखा मुख्य भूमि और बेट द्वारका को जोड़ने वाला सुदर्शन सेतु भी शामिल है. यह एक आश्चर्यजनक परियोजना है, जो कनेक्टिविटी को बढ़ायेगी.

देश के सबसे लंबे केबल ब्रिज 'सुदर्शन सेतु' का शुभारंभ

पीएम मोदी ने किया उद्घाटन

भारत का सबसे लंबा केबल सपोर्ट पुल है 'सुदर्शन सेतु'

'सुदर्शन सेतु' पुल भारत का सबसे लंबा केबल सपोर्ट पुल है. इसके फुटपाथ के ऊपरी हिस्से में सौर पैनल लगे हैं. इन सोलर पैनल से 1 मेगावाट की बिजली पैदा होगी. 'सुदर्शन सेतु' पुल फोरलेन है. इसके दोनों तरफ 2.50 मीटर चौड़ा फुटपाथ बनाया गया है. इस पुल पर शानदार कलाकृति की गयी है. पुल के दोनों तरफ बने फुटपाथ को भगवत गीता के श्लोकों और भगवान श्री कृष्ण की छवियों से सजाया गया है, जो पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र होगा.

पीएम ने गुजरात के द्वारका में द्वारकाधीश मंदिर में पूजा की

पीएम नरेंद्र मोदी मंदिर में पूजा करने के साथ ही लोगों के अभिवादन स्वीकार किये

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के द्वारका में उस स्थान पर पानी के भीतर पूजा की, जहां द्वारका शहर डूबा हुआ है.

पीएम ने गुजरात के द्वारका में शंकराचार्य मठ शारदापीठ में द्वारका शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी से आशीर्वाद लिये.

मन की बात : पीएम नरेंद्र मोदी ने देश के युवा मतदाताओं से की अपील

रिकार्ड संख्या में वोट डालें युवा वोटर

बोले पीएम

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात में कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर मन की बात का प्रसारण अगले तीन महीने नहीं होगा. इसके बाद आकाशवाणी के इस मासिक रेडियो कार्यक्रम की 111वीं कड़ी में वह नयी ऊर्जा के साथ लोगों से मिलेंगे. कार्यक्रम की110वीं कड़ी में मोदी ने मार्च में आदर्श चुनाव आचार संहिता (एमसीसी) लागू होने की संभावना जताते हुए पहली बार मतदान के पात्र युवाओं से रिकार्ड संख्या में मतदान

की अपील की. निर्वाचन आयोग के एमसीसी दिशानिर्देश सरकारों पर आधिकारिक कार्यक्रमों या सार्वजनिक-वित्त पोषित मंचों का उपयोग किसी ऐसी चीज के लिए करने पर रोक लगाती है जिनसे सत्तारूढ़ पार्टी का प्रचार हो या राजनीतिक लाभ मिले.

मन की बात में देश की बात होती है

उन्होंने कहा, मन की बात में देश की सामूहिक शक्ति की बात होती है, देश की उपलब्धि की बात होती है. यह एक तरह से जनता का, जनता के लिए, जनता द्वारा तैयार होने वाला कार्यक्रम है.' उन्होंने कहा, लेकिन फिर भी राजनीतिक मर्यादा का पालन करते हुए लोकसभा चुनाव के इन दिनों में अब अगले तीन महीने 'मन की बात' का प्रसारण नहीं होगा. प्रधानमंत्री ने कहा कि तीन महीने बाद इस कार्यक्रम की 111वीं कड़ी का प्रसारण होगा. उन्होंने कहा, अगली बार 'मन की बात' की शुरुआत 111 के शुभ अंक से हो तो इससे अच्छा भला क्या होगा.

याद रखिएगा मेरा पहला वोट देश के लिए

आम चुनावों की इस हलचल के बीच आप युवा न केवल, राजनीतिक गतिविधियों का हिस्सा बनिए, बल्कि इस दौरान चर्चा और बहस को लेकर भी जागरूक बने रहिए. और याद रखिएगा मेरा पहला वोट देश के लिए. प्रधानमंत्री ने देश व समाज को प्रभावित करने वाले विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों से भी आग्रह किया कि वे पहली बार मतदान के पात्र युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करें.

देश की उपलब्धियां नहीं रुकेंगी

मोदी ने कहा कि इस लोकप्रिय कार्यक्रम का प्रसारण भले ही तीन महीने के लिए रुक रहा है, लेकिन देश की उपलब्धियां नहीं रुकेंगी. उन्होंने लोगों से समाज और देश की उपलब्धियों को मन की बात हैशटैग के साथ सोशल मीडिया पर साझा करते रहने की अपील की. उन्होंने कहा, जब अगली बार आपसे संवाद होगा तो फिर, नयी ऊर्जा, नयी जानकारियों के साथ आपसे मिलूंगा.

भारत क युवा शक्ति पर गर्व है

उन्होंने कहा, भारत को, जोश और ऊर्जा से भरी अपनी युवा शक्ति पर गर्व है. हमारे युवा-साथी चुनावी प्रक्रिया में जितनी अधिक भागीदारी करेंगे, इसके नतीजे देश के लिए उतने ही लाभकारी होंगे. मैं भी पहली बार मतदान करने जा रहे युवाओं से आग्रह करूंगा कि वे रिकार्ड संख्या में मतदान करें.

ब्रीफ खबरें

पाकिस्तान में 9 तक होंगे राष्ट्रपति चुनाव

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में आम चुनाव के बाद लगे धांधली के आरोपों के बीच अब नौ मार्च तक नए राष्ट्रपति का चुनाव होने की उम्मीद की जा रही है. 'डॉन' समाचार पत्र ने सूत्रों के हवाले से बताया कि ईसीपी संसद के उच्च सदन सीनेट के आधे सांसदों का छह साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद उनकी सेवानिवृत्ति से दो दिन पहले नौ मार्च तक देश के राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कराने के लिए तैयार है.

इमारत में आग लगने एक भारतीय की मौत

न्यूयॉर्क। अमेरिका के मैनहेटन में एक आवासीय इमारत में आग लगने से यहां पत्रकार के तौर पर काम करने वाले 27 वर्षीय भारतीय नागरिक की मौत हो गई. मैनहेटन के हार्लेम में 2, सेंट निकोलस पैलेस पर छह मंजिला रिहाइशी इमारत में लगी आग में फाजिल खान की मौत हो गई व 17 अन्य लोग घायल हो गए. अग्निशमन विभाग ने कहा कि आग लिथियम-आयन बैटरी के कारण लगी.

पटाखा फैक्टरी में आग लगने से चार की मौत

कौशांबी। कौशांबी जिले के महेवा गांव में रविवार को पटाखा फैक्टरी में आग लगने से चार लोगों की मौत हो गई और कम से कम 16 लोग झुलस गए. पुलिस के अनुसार कोखराज थाना क्षेत्र के महेवा गांव में एक पटाखा फैक्टरी में दोपहर लगभग 12 बजे आग लग गयी, जिससे चार लोगों की मौत हो गई.

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार बरामद

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने चुराचांदपुर जिले के दो गांवों में तलाशी अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद किया है. पुलिस ने कहा कि सुरक्षा बलों ने डी हाओलेनजंग गांव के बाहरी इलाके से चार अग्नेयास्त्र बरामद किये.

सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गए

भाषा। कांकेर

खास बातें

- छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में हुई मुठभेड़ की घटना
- माओवादियों से संबंधित कुछ सामग्री भी जब्त की गई

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में रविवार सुबह तीन नक्सली मारे गए. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी. कांकेर के पुलिस अधीक्षक इंदिरा कल्याण एलिसेला ने बताया कि सुरक्षा कर्मियों की एक संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर थी, तभी कोयलीबेड़ा थाना क्षेत्र के तहत भोमरा-हुरतराई गांवों के बीच एक पहाड़ी पर सुबह करीब आठ बजे मुठभेड़ हुई.

उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों को भोमरा, हुरतराई और मिच्छेबेड़ा गांवों में माओवादियों की कंपनी नंबर 5 के कैडर की मौजूदगी की जानकारी मिली थी. अधिकारी ने बताया कि जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और सीमा सुरक्षा बल की 30वीं बटालियन का संयुक्त दल शनिवार रात को इलाके में भेजा गया था. उन्होंने कहा कि इस दौरान मुठभेड़ शुरू हो गई और कुछ देर गोलीबारी के बाद नक्सली मौके से भाग गए. उन्होंने बताया कि मौके से तीन नक्सलियों के शव और कुछ हथियार बरामद किए गए हैं.

डाविने ने जीता सर्वश्रेष्ठ सहायक महिला अभिनेता का पुरस्कार

लॉस एंजिलिस। डाविने जॉय रैंडोल्फ ने 30वें 'स्क्रीन एक्टर्स गिल्ड (एसएजी) अवार्ड' में सर्वश्रेष्ठ सहायक महिला अभिनेता का पुरस्कार जीता है. अलेक्जेंडर पायने के 'द होल्डओवर्स' में रैंडोल्फ (37) के अभिनय ने उन्हें नयी ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है और इससे प्रतीत होता है कि वह 'ऑस्कर पुरस्कार' भी जीत सकती हैं. रैंडोल्फ ने पुरस्कार जीतने के बाद कहा कि वे सभी अभिनेता जो एक मौका मिलने का इंतजार कर रहे हैं, मैं उनसे कहना चाहूंगी कि आपकी जिंदगी एक दिन में बदल सकती है. कहा कि बस प्रयास करते रहिए. 'स्क्रीन एक्टर्स गिल्ड अवार्ड' का 30वां संस्करण शनिवार को आयोजित किया गया. नेटफ्लिक्स पर पहली बार इसका सीधा प्रसारण हुआ.

कोलकाता में झुग्गियों में लगी आग, कोई हताहत नहीं

भाषा। कोलकाता

कोलकाता के दक्षिणपूर्वी हिस्से में आनंदपुर इलाके की झोपड़ियों में रविवार को भीषण आग लग गई. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि किसी के हताहत होने या झोपड़ियों में किसी के फंसे होने की कोई खबर नहीं मिली है. अग्निशमन विभाग के अधिकारी ने कहा कि पूर्वाह्न करीब 10:30 बजे लगी आग बुझाने के लिए दमकल की 11 गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया और एक घंटे के अभियान के बाद इसपर काबू पा लिया गया. अधिकारी ने कहा कि हमारे लोग अब भी घटनास्थल पर हैं. आग लगने से पैदा हुई तपिश कम करने का अभियान जारी है. एक निजी अस्पताल के पास के इलाके की घेराबंदी की गई है. अधिकारी ने कहा कि हमारे लोग आग बुझाने में जुटे हैं और इसे आसपास के इलाकों में फैलने से रोक लिया गया है.

स्थानीय निवासियों ने दावा किया कि उन्होंने घटनास्थल से रसोई गैस सिलेंडर फटने की आवाज सुनी थी. अधिकारी ने बताया कि सबसे पहले उस झोपड़ी में लगी जिसमें खाने-पीने के सामान की बिक्री की जाती थी. इसके बाद आग बगल की झुग्गियों तक फैल गई. उन्होंने बताया कि ऐसा माना जा रहा है कि आग रसोई गैस सिलेंडर में धमाके के कारण लगी है. लोगों ने कहा कि झोपड़ियों में रहने वाले लगभग 50 परिवारों ने पाया कि आग में उनका सारा सामान जलकर खाक हो गया.

न्यूज अपडेट

कम छात्र वाले कॉलेज में भर्ती नहीं होंगे शिक्षक

गुवाहाटी। असम के शिक्षा मंत्री रानोज पेगू ने कहा कि जिन महाविद्यालयों में विद्यार्थियों के दाखिले कम हैं, सरकार उनमें शिक्षकों की भर्ती पर रोक लगाने और वैसे महाविद्यालयों अथवा उनके कुछ विभागों के विलय की योजना बना रही है. शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार वैसे विद्यालयों के एकीकरण की मौजूदा नीति के अनुरूप उच्च शिक्षा संस्थानों के विलय के कदम पर विचार कर रही है, जहां छात्र पंजीकरण कम है. उन्होंने 'एक्स' पर कहा कि उच्च शिक्षा विभाग ने शनिवार शाम 500 से कम पंजीकरण वाले 79 कॉलेज के प्राचार्यों और 'गवर्निंग बॉडी अध्यक्षों' के साथ बैठक की.

ईडी ने हीरानंदानी समूह के प्रवर्तकों को किया तलब

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के उल्लंघन मामले में मुंबई स्थित प्रतिष्ठित रियल एस्टेट डेवलपर हीरानंदानी समूह के प्रवर्तकों निरंजन हीरानंदानी और उनके बेटे दर्शन हीरानंदानी को पूछताछ के लिए 26 फरवरी को तलब किया है. आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी. सूत्रों ने बताया कि निरंजन एवं दर्शन हीरानंदानी को केंद्रीय एजेंसी के मुंबई स्थित कार्यालय में उपस्थित होने के लिए कहा गया है, लेकिन वे एक अधिकृत प्रतिनिधि के जरिये अपनी प्राथमिक प्रतिक्रिया देने का विकल्प चुन सकते हैं. दर्शन हीरानंदानी पिछले कई सालों से दुबई में रह रहे हैं.

अमेरिका ने हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर किये हमले

वाशिंगटन। अमेरिका और ब्रिटेन ने यमन में हूती विद्रोहियों के 18 ठिकानों पर शनिवार को हमले किए. ईरान समर्थित स्थानीय लड़ाकों के लाल सागर और अदन की खाड़ी में पोतों पर हाल में बढ़ते हमलों के जवाब में ये हमले किए गए हैं. हूती विद्रोहियों ने पिछले सप्ताह एक मिसाइल हमला किया था जिसके कारण एक मालवाहक पोत में आग लग गई थी. अमेरिकी अधिकारियों ने अपनी पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि अमेरिका और ब्रिटेन के लड़ाकू विमानों ने मिसाइल, लॉन्चर, रॉकेट, ड्रोन और हवाई रक्षा प्रणालियों को निशाना बनाते हुए आठ स्थानों पर हमले किए.

साउथ कैरोलाइना प्राइमरी चुनाव के लिए हुआ मतदान

चार्ल्सटन (साउथ कैरोलाइना)। अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार चुनने की प्रक्रिया के तहत साउथ कैरोलाइना प्राइमरी चुनाव के लिए शनिवार को मतदान हुआ जिसके कुछ ही मिनट बाद अमेरिकी मीडिया संस्थानों ने अनुमान जताया कि इस प्राइमरी में भी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी प्रतिद्वंद्वी एवं अमेरिकी राजदूत निक्की हेली को हराकर विजयी रहेंगे. ट्रंप इससे पहले आयोवा, न्यू हैम्पशायर और नेवादा के प्राइमरी चुनाव भी जीत चुके हैं लेकिन साउथ कैरोलाइना की जीत ट्रंप के लिए विशेष महत्व रखती है क्योंकि हेली दो बार यहां की गवर्नर रह चुकी हैं. बताया जाता है कि इस जीत के साथ ही ट्रंप को सभी 29 डेलीगेट का समर्थन मिल जाएगा.

सिविल सोसाइटी फाइंडिंग कमेटी के 6 सदस्य गिरफ्तार

कोलकाता। मानवाधिकार उल्लंघन के आरोपों की जांच के लिए पश्चिम बंगाल के संदेशखाली जा रही सिविल सोसायटी फैक्ट फाइंडिंग कमेटी के छह सदस्यों को पश्चिम बंगाल पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया. खबरों के अनुसार संदेशखाली से 70 किलोमीटर पहले धामखाली में टीम को रोक लिया गया था. रोके जाने के बाद फैक्ट फाइंडिंग कमेटी के सदस्यों ने मौके पर धरना प्रदर्शन शुरू किया. सदस्यों ने आरोप लगाया कि राज्य की टीएमसी सरकार संदेशखाली की सच्चाई छिपाना चाहती है, इसलिए उसके इशारे पर पुलिस ने उन्हें रोक दिया. धरना प्रदर्शन कर रहे फाइंडिंग कमेटी के सदस्य संदेशखाली जाने के लिए अड़े हुए थे. अंततः पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया.

तैयार आगरा पहुंची न्याय यात्रा में प्रियंका गांधी भी रहीं शामिल

मंच पर फिर साथ आए राहुल गांधी व अखिलेश यादव

एजेंसी। आगरा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रही भारत जोड़ो न्याय यात्रा रविवार को यूपी के आगरा पहुंच गई. ताजनगरी में पहुंची न्याय यात्रा में सपा के मुखिया अखिलेश यादव भी शामिल हुए. इस दौरान प्रियंका गांधी भी मौजूद रहीं. इस दौरान अपने नेताओं को सुनने के लिए पूरा आगरा शहर उमड़ पड़ा. जनसैलाब ने पूरी फिजां ही बदल दी.

लोगों ने जगह-जगह फूल बरसाए, दिल खोल कर स्वागत किया. न्याय यात्रा रविवार को देर शाम राजस्थान में प्रवेश कर गयी. राहुल गांधी ने इस दौरान यूपी के लोगों का समर्थन के लिए आभार भी जताया.राहुल गांधी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा नफरत फैलाने का काम करती है. हम इस नफरत को मोहब्बत से हटाएंगे. देश में अन्याय बढ़ रहा है. कांग्रेस सांसद ने कहा कि अगर आप गरीब हैं, तो आपको इस देश में 24

घंटे अन्याय का सामना करना पड़ेगा. नफरत की वजह अन्याय है, इसलिए हमने अपनी यात्रा में न्याय शब्द जोड़ा है. अखिलेश यादव ने कहा कि हमारा एक ही संदेश है, भाजपा हटाओ, देश बचाओ, संकट हटाओ.

उन्होंने कहा कि हम जय जवान, जय किसान का नारा लगाते हैं. लेकिन भाजपा के लोग भारत माता की जय बोलने से थकते नहीं हैं. उन्होंने कहा कि सोचो जिस देश का किसान दुखी है. अखिलेश यादव ने कहा कि आगरा शहर दुनिया में जाना जाता है. मुझे इस बात की खुशी है कि राहुल गांधी मोहब्बत की दुकान को लेकर चले हैं और यह पूरा शहर मोहब्बत का शहर है. जितनी मोहब्बत भर सकते हैं, भरकर ले जाइए और पूरी यात्रा में बांटते चले जाइए. अखिलेश ने कहा कि आने वाले समय में लोकतंत्र को बचाने की चुनौती है. संविधान बचाने की चुनौती है. भीमराव आंबेडकर ने जो सपना देखा था, गरीब- पिछड़ों को सम्मान मिलना चाहिए. पहले जो सम्मान मिल भी रहा था.

गरीबों, युवाओं और महिलाओं के साथ अन्याय हो रहा है

एजेंसी। अलीगढ़

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि भारतीय बाजारों में चीन निर्मित वस्तुओं की बाढ़ आने से स्वदेशी लघु, कुटीर उद्योग और कारीगर बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं. बता दें कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पूर्वाह्न मुरादाबाद से संभल होते हुए अलीगढ़ पहुंची, जहां उनके साथ कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी भी नजर आयीं. विपक्षी गुट इंडिया के घटक दल सपा के कार्यकर्ता और समर्थक भी इस यात्रा में शामिल हुए. कांग्रेस नेता ने ताला उद्योग के गढ़ अलीगढ़ में चीन निर्मित सामानों की बिक्री का मसला उठाया और स्थानीय कारीगरों के समक्ष पेश आ रही परेशानियों का जिक्र किया. कांग्रेस की राज्य इकाई ने अपने आधिकारिक हैंडल पर राहुल और प्रियंका की यात्रा का वीडियो साझा किया. वीडियो में कहा गया,जननायक (राहुल गांधी) और लोक नेत्री (प्रियंका गांधी) के साथ एकता, भाईचारा और सद्भाव का संदेश देती भारत जोड़ो न्याय यात्रा. यह जनसैलाब आने वाली पीढ़ियों को संदेश देगा कि जब कोई तानाशाह देश की अखंडता, संप्रभुता और संविधान को खत्म करने पर आमादा था तो हमने उसे इस यात्रा के माध्यम से रोकने का काम किया था.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)